वर्ष-3, अंक-321
इन्दौर शनिवार
16 मई 2026
पृष्ठ 8, मूल्य 2 रु.

दैनिक
राष्ट्रीय जनभावना

RNI-MPHIN/2013/53761,

प्रधान संपादकः सुनील वर्मा मो.: 9425491979, E-mail: janbhavna.ind@gmail.com

चाणक्य नीति

जिसने अपने मन पर विजय प्राप्त कर लिया, वो किसी भी हार से उबरकर फिर से उठ सकता है।

इंदौर हाईकोर्ट का ऐतिहासिक फैसला धार की भोजशाला वाग्देवी मंदिर है

इन्दौर/धार
मध्य प्रदेश हाईकोर्ट ने धार की भोजशाला को वाग्देवी मंदिर माना है। शुक्रवार को दिए फैसले में हाईकोर्ट ने कहा- हमने पुरातात्विक और ऐतिहासिक तथ्यों, एएसआई की सर्वे रिपोर्ट पर विचार किया है।

ASI एक्ट के प्रावधानों के साथ-साथ अयोध्या मामले को भी आधार माना। न्यूज वेबसाइट बार एंड बेंच के मुताबिक, हाईकोर्ट ने कहा- ऐतिहासिक और संरक्षित जगह देवी सरस्वती का मंदिर है। केंद्र सरकार और ASI यह फैसला लें कि भोजशाला मंदिर का मैनेजमेंट कैसा रहेगा। 1958 एक्ट के तहत इस प्रॉपर्टी का पूरा मैनेजमेंट ASI के हाथ में ही रहेगा। अदालत ने ASI का 2003 का वह आदेश भी रद्द कर दिया, जिसमें ASI ने भोजशाला में हिंदुओं को पूजा का अधिकार नहीं दिया था। उस आदेश को भी खारिज कर दिया, जिसमें मुस्लिमों को नमाज पढ़ने का अधिकार दिया गया था। भोजशाला को कमाल मौला मस्जिद बताते रहे मुस्लिम पक्ष को कोर्ट ने सरकार से मस्जिद के लिए अलग जमीन मांगने को कहा है।

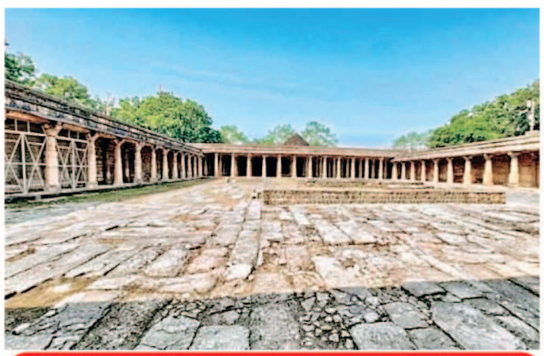

सुप्रीम कोर्ट जाएगा मुस्लिम पक्ष

धार शहर काजी वकार सादिक ने कहा है कि हाईकोर्ट के फैसले का सम्मान है। सलमान खुर्शीद साहब और शोभा मेनन ने तथ्य रखे थे। हम फैसले की समीक्षा करेंगे। इसके बाद हम सुप्रीम कोर्ट जाएंगे। फिलहाल, भोजशाला के मेन गेट पर बैरिकेड्स लगाकर इसे बंद कर दिया गया है। इसके बाहर बड़ी संख्या में पुलिस बल तैनात है। फैसले के मद्देनजर इंदौर और धार जिला प्रशासन अलर्ट मोड पर हैं। शुक्रवार होने से संवेदनशीलता और बढ़ गई है, क्योंकि इसी दिन मुस्लिम समाज भोजशाला परिसर में जुमे की नमाज अदा करता है। प्रशासन ने दोनों पक्षों से शांति बनाए रखने की अपील की है। फैसले के मद्देनजर इंदौर और धार जिला प्रशासन अलर्ट मोड पर हैं। शुक्रवार होने से संवेदनशीलता और बढ़ गई है, क्योंकि इसी दिन मुस्लिम समाज भोजशाला परिसर में जुमे की नमाज अदा करता है। प्रशासन ने दोनों पक्षों से शांति बनाए रखने की अपील की है।

सुनवाई के दौरान किसने क्या तर्क दिए

हिंदू पक्ष : भोजशाला पर प्लेसेस ऑफ वर्शिप एक्ट लागू नहीं होता। यह एएसआई द्वारा संरक्षित स्मारक है। प्राचीन स्मारक एवं पुरातात्विक स्थल एवं अवशेष अधिनियम 1951 की सूची में भोजशाला का नाम दर्ज है। साल 2024 में अश्विनी उपाध्याय केस में दिए तर्क को भोजशाला मामले में लागू नहीं किया जा सकता।7 अप्रैल 2003 को भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण विभाग द्वारा जारी आदेश को निरस्त करने की मांग। कोर्ट से आग्रह किया कि भोजशाला का धार्मिक स्वरूप तय कर इसे पूर्ण रूप से हिंदू समाज को सौंपा जाए। इससे मां सरस्वती की पूजा और हवन वर्षभर निर्बाध रूप से किया जा सके। मुस्लिम पक्ष : वरिष्ठ अधिवक्ता शोभा मेनन ने कोर्ट में कहा कि अभी तक यह स्पष्ट नहीं है कि भोजशाला मंदिर है, मस्जिद है या जैनशाला।विवादित स्थल का धार्मिक स्वरूप तय करने का अधिकार सिविल कोर्ट को है। हाई कोर्ट अनुच्छेद 226 के तहत रिट अधिकार क्षेत्र में सुनवाई कर रहा है।वरिष्ठ अधिवक्ता सलमान खुर्शीद ने एएसआई सर्वे पर सवाल उठाते हुए कहा कि उपलब्ध कराई गई वीडियोग्राफी स्पष्ट नहीं है। रंगीन तस्वीरें भी नहीं दी गईं। उन्होंने अयोध्या फैसले का उल्लेख करते हुए कहा कि वहां रामलला विराजमान की मूर्ति मौजूद थी। भोजशाला में कोई स्थापित मूर्ति नहीं है। जैन समाज : जो प्रतिमा मां वाग्देवी की बताई जा रही है, वह जैन समुदाय की आराध्य मां अंबिका की है। सीहोर में मां अंबिका के मंदिर में ठीक वैसी ही प्रतिमा है, जो भोजशाला में मिली थी। इसे जैन तीर्थ घोषित किया जाना चाहिए।

हाईकोर्ट के फैसले के पॉइंट्स

हाईकोर्ट ने कहा कि भोजशाला में सरस्वती मंदिर और संस्कृत शिक्षा केंद्र के साक्ष्य पाए गए हैं। कोर्ट ने पुरातात्विक और ऐतिहासिक तथ्यों, एएसआई सर्वे के साथ अयोध्या केस को भी आधार माना। कोर्ट ने कहा– हर सरकार की जिम्मेदारी है कि वह ऐतिहासिक और पुरातात्विक महत्व वाले प्राचीन स्मारकों और मंदिरों की सुरक्षा निश्चित करे। साथ ही गर्भगृह और धार्मिक आस्था से जुड़ी देव प्रतिमाओं का भी संरक्षण करे।

हिंदू पक्ष ने मंदिर होने के दिए तर्क

हिंदू पक्ष की ओर से अधिवक्ताओं ने भोजशाला को मां सरस्वती का मंदिर और प्राचीन विद्या केंद्र बताते हुए ऐतिहासिक दस्तावेज, स्ख्र सर्वे, शिलालेख, स्थापत्य अवशेष और वसंत पंचमी पर पूजा की परंपरा का हवाला दिया। अधिवक्ता मनीष गुप्ता ने परमार राजा भोज के ग्रंथ समरांगण सूत्रधार का उल्लेख करते हुए कहा कि भोजशाला की संरचना उसमें वर्णित मंदिर निर्माण मानकों से मेल खाती है।

राहुल गांधी का आरोप,

मोदी सरकार की गलती की कीमत जनता चुकाएगी

खरगे ने कहा, ये संकट केंद्र सरकार की ओर से लाया गया

नई दिल्ली (एजेंसी)। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष (एलओपी) राहुल गांधी ने पेट्रोल और डीजल की कीमतों में बढ़ोतरी पर केंद्र सरकार पर बड़ा हमला बोला है।

उन्होंने कहा कि मोदी सरकार की गलती की कीमत जनता चुकाएगी। राहुल गांधी ने भविष्य में भी तेल कीमतों में इजाफा होने की आशंका जाहिर की है। राहुल गांधी ने पोस्ट किया, गलती सरकार की, कीमत जनता चुकाएगी। 3 रुपए का झटका आ चुका, बाकी वसूली किस्तों में होगी। वहीं, कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा कि देश की जनता को ये समझना होगा कि वर्तमान समय में वैश्विक ईंधन संकट के साथ-साथ भारत में आर्थिक संकट की बड़ी वजह केंद्र सरकार में नेतृत्व संकट, दूरदर्शी सोच का अभाव है और अक्षमता कूट-कूट कर भरी है। कांग्रेस अध्यक्ष खड़गे ने कहा, ये संकट केंद्र सरकार की ओर से लाया गया संकट है, जिसका खामियाजा देश की जनता को पेट्रोल, डीजल और एलपीजी पर अपनी जेब से भरना पड़ रहा है। जब डीजल के दाम बढ़ते हैं, तब पूरे देश में महंगाई का असर पड़ता है। उद्योगों से लेकर घरेलू बजट व किसानों तक सब पर बुरा असर पड़ता है।

कुछ बेरोजगार युवा कॉकरोच की तरह

नई दिल्ली (एजेंसी)। कुछ बेरोजगार युवाओं की तुलना कॉकरोच से करते हुए, भारत के मुख्य न्यायाधीश (CJI) सूर्यकांत ने शुक्रवार को कहा कि वे आगे चलकर मीडिया, सोशल मीडिया और आरटीआई एक्टिविस्ट बन जाते हैं और फिर सिस्टम पर हमला करना शुरू कर देते हैं।

ये टिप्पणियां तब आईं जब सीजेआई कांत और जस्टिस जॉयमाल्य बागची की बेंच एक वकील को सीनियर एडवोकेट का दर्जा पाने की कोशिश करने के लिए कड़ी फटकार लगा रही थी। बेंच ने नाराजगी जताते हुए कहा कि समाज में पहले से ही ऐसे परजीवी मौजूद हैं जो सिस्टम पर हमला करते हैं, और याचिकाकर्ता से पूछा कि क्या वह भी उनके साथ हाथ मिलाना चाहता है।

उन्नाव रेप केस :

सुप्रीम कोर्ट से कुलदीप सेंगर को बड़ा झटका

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने उन्नाव रेप मामले में अहम फैसला सुनाकर पूर्व भाजपा विधायक कुलदीप सिंह सेंगर को बड़ा झटका दे दिया है।

शीर्ष अदालत ने दिल्ली हाईकोर्ट के उस फैसले को रद्द किया हैं, जिसमें सेंगर की उम्रकैद की सजा निलंबित की गई थी। मुख्य न्यायाधीश जस्टिस सूर्यकांत और जस्टिस जोयमाल्या बागची की पीठ ने मामले को नए सिरे से सुनवाई के लिए वापस उच्च न्यायालय भेज दिया है। सुप्रीम कोर्ट ने केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) की अपील को स्वीकार कर दिल्ली उच्च न्यायालय को निर्देश दिया है कि वह सेंगर के दोषसिद्धि और उम्रकैद की सजा के खिलाफ दायर याचिका पर दो माह के भीतर फैसला करने का प्रयास करे।

हैती में गैंगवारः 78 लोगों की मौत

पोर्ट-ओ-प्रिंस (एजेंसी)। हैती की राजधानी पोर्ट-ओ-प्रिंस एक बार फिर भीषण हिंसा और गैंगवार की चपेट में है। शहर के बाहरी इलाकों, विशेष रूप से सिटी सोलेय और क्रोआ-दे-बुके में पिछले कुछ दिनों से जारी खूनी संघर्ष ने भयावह रूप ले लिया है। इस तांडव में अब तक कम से कम 78 लोगों की जान जा चुकी है, जबकि 66 से अधिक लोग गंभीर रूप से घायल हैं। संयुक्त राष्ट्र की रिपोर्ट के अनुसार, मृतकों में 10 आम नागरिक भी शामिल हैं, जिनमें महिलाएं और एक छोटी बच्ची भी है। इन इलाकों में पिछले दो वर्षों से आपराधिक गिरोहों का वर्चस्व बढ़ता जा रहा है, जिससे सामान्य जनजीवन पूरी तरह अस्त-व्यस्त हो गया है। हालात इतने बेकाबू हो चुके हैं कि लोग अपनी जान बचाने के लिए सामूहिक पलायन कर रहे हैं। ताजा आंकड़ों के मुताबिक, हिंसा के डर से अब तक करीब 5300 लोग अपना घर-बार छोड़कर विस्थापित हो चुके हैं।

जावेद जाफरी की पत्नी से 16 करोड़ की ठगी

मुख्य आरोपी गिरफ्तार; BMC कमिश्नर समेत 6 पर केस, घर आकर की फर्जी रजिस्ट्री

मुंबई (एजेंसी)। मुंबई क्राइम ब्रांच की प्रॉपर्टी सेल ने बॉलीवुड एक्टर जावेद जाफरी की पत्नी हबीबा जाफरी से हुई 16.24 करोड़ रुपए की ठगी के मामले में मुख्य आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। इस हाई-प्रोफाइल केस में बीएमसी (BMC) के असिस्टेंट कमिश्नर महेश पाटिल समेत 6 लोगों के खिलाफ केस दर्ज हुआ है। आरोपियों ने टैक्स सेटलमेंट और इन्वेस्टमेंट के नाम पर जाफरी परिवार को अपनी साजिश में फंसाया।

बीएमसी नोटिस से हुई ठगी की शुरुआत

ठगी की शुरुआत अप्रैल 2024 में हुई। हबीबा जाफरी को उनके अंधेरी स्थित बंगले का प्रॉपर्टी टैक्स भरने के लिए बीएमसी से एक नोटिस मिला। इसी दौरान एक परिचित के जरिए उनकी मुलाकात बीएमसी जी–साउथ वार्ड के असिस्टेंट कमिश्नर महेश पाटिल से हुई। पाटिल ने पहले टैक्स सेटलमेंट का भरोसा दिया और फिर उन्हें बांद्रा (पश्चिम) के 'न्यू कमलकुंज' कमर्शियल प्रोजेक्ट में निवेश करने का लालच दिया।

नीट अगले साल से ऑनलाइन होगी

इस साल रद्द हुई परीक्षा 21 जून को, यह पेपर-पेंसिल से होगी

नई दिल्ली (एजेंसी)। अगले सत्र से NEET-UG परीक्षा ऑनलाइन होगी। केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने शुक्रवार को इसका ऐलान किया। उन्होंने माना कि 3 मई को हुई ह्श्वश्वञ्ज-त्न-2026 की परीक्षा के पेपर लीक हुए थे। उन्होंने कहा, 'हम नहीं चाहते थे कि कोई गलत कैंडिडेट सिलेक्ट हो जाए। इसलिए हमने बड़ी जिम्मेदारी से परीक्षा रद्द करने का फैसला लिया। अब यह परीक्षा रविवार 21 जून को होगी। 7 मई को गड़बड़ी का पता चला था। एनटीए ने सरकार को बताया। फिर 12 मई को रीएग्जाम का फैसला लिया गया।' शिक्षा मंत्री ने कहा, 'रीएग्जाम में छात्रों को 15 मिनट का एक्स्ट्रा टाइम मिलेगा। छात्र रीएग्जाम में अपनी पसंद का सेंटर चुन पाएंगे।' इससे पहले 3 मई को यह एग्जाम देश के 551 और विदेशों के 14 शहरों में हुई था। इसके लिए 5400 से ज्यादा एग्जाम सेंटर्स बनाए गए थे। केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने कहा, 'राधाकृष्ण समिति की सिफारिशों का पालन करने के बावजूद यह उल्लंघन कैसे हुआ। ऐसे में सरकारी मशीनरी यह सुनिश्चित करेगी कि इस बार कोई अनियमितता न हो।

संपादकीय

16 राज्यों में 36 करोड़ मतदाताओं का महासत्यापन चुनाव आयोग के लिए चुनौती

पांच राज्यों के विधानसभा चुनाव हाल ही में खत्म हुए हैं। इसके तुरंत बाद भारत निर्वाचन आयोग ने 16 राज्यों और तीन केंद्र शासित प्रदेशों के लगभग 36 करोड़ मतदाताओं के सत्यापन के लिए एसआईआर की अधिसूचना जारी कर दी है। अभी तक चुनाव आयोग ने दो चरणों में 13 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के 59 करोड़ मतदाताओं का सत्यापन का काम किया है। इसमें अभी तक 5.50 करोड़ मतदाताओं के नाम सूची से हटाये गये हैं। इसको लेकर लगातार विवाद देखने में मिलते रहे हैं। मामला सुप्रीम कोर्ट में चल रहा है, अभी तक इस पर सुप्रीम कोर्ट से कोई निर्णय नहीं आया है। चुनाव आयोग जो एसआईआर करा रहा है, उसका अधिकार उसे है या नहीं, अभी यह मामला सुप्रीम कोर्ट में लंबित है। बिहार विधानसभा चुनाव के पहले से इसकी सुनवाई सुप्रीम कोर्ट में चल रही है। इसी बीच बिहार सहित पांच राज्यों के विधानसभा चुनाव भी हुए हैं, जिनमें पश्चिम बंगाल भी शामिल था। पश्चिम बंगाल में एसआईआर को लेकर तीव्र प्रतिक्रिया हुई है। चुनाव आयोग ने यहां के लिए जो नियम बनाए थे, वह बिहार एवं अन्य राज्यों के नियमों से अलग थे। पश्चिम बंगाल में करीब 1 करोड़ मतदाताओं के नाम मतदाता सूची से हटाए गए हैं।

करीब 63 लाख मतदाताओं के नाम 2003 की मतदाता सूची में होते हुए भी स्पेलिंग या अन्य कारणों से हटाए गए थे। इसमें से करीब 28000 मतदाताओं ने ट्रिब्यूनल में अपील भी की है। उन मतदाताओं को मतदान में भाग नहीं लेने दिया गया। पिछले तीन माह में एसआईआर को लेकर राजनीतिक दलों और उन नागरिकों के बीच में तीव्र प्रतिक्रिया देखने को मिल रही है। जिनके नाम मतदाता सूची से हटाए गए हैं, उनका अधिकार छीन लिया गया है। प. बंगाल में एसआईआर के बाद ममता सरकार बुरी तरह से पराजित हुई है। जितने नाम एसआईआर में हटाये गए, उससे कम मतों से टीएमसी के उम्मीदवार पराजित हुए हैं। यह विवाद चल रहा था, इस बीच रही-सही कसर बिहार और पश्चिम बंगाल की सरकार ने जलती हुई आग में घी डालने का काम किया है। जिन मतदाताओं के नाम मतदाता सूची से हटाए गए हैं, उन्हें नागरिक नहीं माना जाएगा। जो मतदाता सूची में नहीं है, उन्हें सरकारी स्तर पर जो सुविधाएं मिल रहीं थीं, वह आगे नहीं मिलेंगी। इसी बीच चुनाव आयोग द्वारा 36 करोड़ मतदाताओं को एसआईआर के दायरे में लाने की अधिसूचना जारी कर दी गई है। इसे आसानी से स्वीकार किया जाएगा, इसमें संदेह है। सुप्रीम कोर्ट से अभी तक चुनाव आयोग को एसआईआर को लेकर एक तरह का संरक्षण मिलता रहा है। अब जिस तरह से प्रतिक्रिया हो रही है, उससे चुनाव आयोग की चुनौतियां भविष्य में बढ़ती हुई दिख रही हैं। सुप्रीम में जो सुनवाई चल रही है, उसमें न्यायपालिका के ऊपर याचिकाकर्ताओं का दबाव बनना शुरू हो गया है।

ऐसी स्थिति में चुनाव आयोग एसआईआर का काम करा पाएगा या नहीं, इसमें संदेह है। विपक्ष इस मामले में जिस तरह से एकजुट हुआ है। महंगाई और बेरोजगारी का असर अब आम जनता को सीधे प्रभावित कर रहा है। यह मामला अब केवल चुनाव आयोग तक सीमित नहीं रह गया है। इसे नागरिक अधिकार से भी जोड़कर देखा जाने लगा है। नागरिकता तय करने का अधिकार चुनाव आयोग के पास नहीं है। यह अधिकार भारत सरकार के गृह मंत्रालय के पास है। ऐसी स्थिति में चुनाव आयोग मतदाता को भारतीय नागरिक है, या नहीं, इस आधार पर मतदाताओं के नाम कैसे काट सकता है। जिस तरह से पश्चिम बंगाल और बिहार सरकार ने राज्य सरकार की सुविधायें बंद करने और नागरिक नहीं मानने की बात कहना शुरू कर दी है, इसके बाद सुप्रीम कोर्ट पर इस मामले में निर्णय देने का दबाव बनेगा। चुनाव आयोग की निष्पक्षता पर विपक्षी दलों को विश्वास नहीं है। चुनाव आयोग के ऊपर लगातार आरोप लग रहे हैं। वह सरकार के इशारे पर भाजपा को मदद कर रहा है। चुनाव आयोग के खिलाफ संसद में महाभियोग पेश हो चुका है। जिस कानून के तहत चुनाव आयुक्त की नियुक्ति हुई है, सुप्रीम कोर्ट में उसे चुनौती देते हुए याचिका लगाई गई, जिस पर सुनवाई चल रही है। अगले साल कुछ राज्यों में चुनाव होने हैं। 2029 में लोकसभा चुनाव होंगे। यह बात अब स्पष्ट रूप से समझ आने लगी है।

2029 के लोकसभा चुनाव के पहले केंद्र सरकार के इशारे पर मतदाता सूची के शुद्धिकरण के नाम पर एक विशेष वर्ग के नाम मतदाता सूची से काटने की जो मुहिम चुनाव आयोग ने चला रखी है, इसका विरोध करने के लिए नागरिक और राजनीतिक दल अब सड़कों पर उतरेंगे। चुनाव आयोग के लिए अब एसआईआर का काम इतना आसान नहीं होगा, जितना चुनाव आयोग सोच रहा है। वर्तमान स्थिति में जनगणना का काम शुरू हो गया है। बहुत बड़ा सरकारी अमला जनगणना के काम में लगा हुआ है। महंगाई, बेरोजगारी को लेकर आम जनता वैसे ही नाराज है। जिस तरह से मतदाता सूची सत्यापन के लिए मतदाताओं को परेशान होना पड़ रहा है, वह आग में घी डालने की तरह हो सकता है। चुनाव आयोग और केंद्र सरकार को इस दिशा में ध्यान देने की जरूरत है। **सनत जैन**

राज काज

पैसा बांटो,वोट लो, राज करो

भारत की लोकतांत्रिक व्यवस्था में चुनाव जीतने के लिए मतदाताओं को पहले पैसा बांटो, वोट लो, जब चुनाव जीत जाओ तो राज करो। तमिलनाडु पश्चिम बंगाल इत्यादि राज्यों में यही देखने को मिल रहा है। राज्य सरकारों पर भारी कर्ज है। सपना मतदाताओं को बड़े-बड़े दिखा दिए गए हैं। जनता वोट देने के पहले नेताओं के दिखाए सपनों को सच मान लेते हैं।जब राज मिल जाता है, नेताओं के सपने जुमले में बदल जाते हैं।तब जनता को सपने परेशान करते हैं। राज करने के लिए सत्ता में बैठते ही खाली खजाने का रोना रोने लगता है। यही खेल कई वर्षों से चल रहा है।नेता भी जानते हैं,राज कैसे मिलेगा।

कोरोना महामारी और युद्ध में मालामाल ?

कोरोना की महामारी जब भारत में आई थी। उस समय 140 करोड़ जनता हैरान परेशान जान बचाने के लिए यहां से वहां घूम रही थी। लोग नंगे पैर सैकड़ो किलोमीटर चलकर अपने घर वापस लौट रहे थे। इस बीच भारत के बड़े-बड़े उद्योगपति कोरोना महामारी के समय भारी कमाई कर रहे थे। अमेरिका और ईरान के बीच अभी युद्ध चल रहा है। इसी बीच तेल का कारोबार करने वाली कंपनियां जिन दूनी और रात चौगुनी गति से मालामाल हो रही हैं। विधि का विधान है, एक का नुकसान होगा तो दूसरे का फायदा होगा।

मोदी जी ने दिया रेवंथ रेड्डी को साथ आने का प्रस्ताव

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पिछले दिनों तेलंगाना गए थे। एक कार्यक्रम में प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री साथ-साथ थे। प्रधानमंत्री ने रेड्डी से कहा, वह उनके साथ आ जाएं। रेवंथ रेड्डी भाजपा के प्रोडक्ट हैं। अब कांग्रेस में हैं। सार्वजनिक रूप से प्रधानमंत्री द्वारा उन्हें आमंत्रण दिया गया है। उसको लेकर अब तरह-तरह की चर्चाएं राजनीति में शुरू हो गई हैं। भाजपा में इस समय आया-राम और गया-राम का बोलवाला है। भाजपा पूरी तरह से प्रोफेशनल हो गई है। विचारधारा से सरकार नहीं बनती हैं।मोदी-शाह इस सच को जानते हैं।

तमिलनाडु में राष्ट्रगीत बजा- बंगाल में नहीं

वंदे मातरम को लेकर पिछले कई वर्षों से बवाल मचा हुआ है। वंदे मातरम पश्चिम बंगाल से चलकर सारे देश में स्वतंत्रता आंदोलन का प्रतीक बना। पश्चिम बंगाल के शपथ ग्रहण समारोह में जहां भाजपा के मुख्यमंत्री शपथ ले रहे थे। वहाँ वंदे मातरम नहीं बजा। तमिलनाडु में जरूर वंदे मातरम का गायन हुआ। तमिल भाषा का राष्ट्रगान सबसे अंत में हुआ।

दवा नहीं, जहर का कारोबार : भारत की साख पर संकट

ललित गर्ग

पिछले दिनों सामने आई खबरों ने पूरे देश को चिंता और बेचैनी में डाल दिया कि जीवनरक्षक और सामान्य उपयोग की अनेक दवाइयां गुणवत्ता के मानकों पर खरी नहीं उतरीं। केंद्रीय औषधि मानक नियंत्रण संगठन द्वारा जारी ड्रग अलर्ट में जिन दवाओं के नमूने फेल पाए गए, उनमें हृदय रोग, उच्च रक्तचाप, मधुमेह, मिर्गी, संक्रमण, विटामिन सप्लीमेंट और कफ सिरप जैसी आम उपयोग की दवाएं भी शामिल थीं। यह कोई सामान्य प्रशासनिक त्रुटि नहीं, बल्कि मानव जीवन के साथ किया जा रहा ऐसा खतरनाक खिलवाड़ है, जिसने देश की स्वास्थ्य सुरक्षा व्यवस्था पर गंभीर प्रश्नचिह्न लगा दिया है। जिस दवा को रोगी जीवन बचाने की आशा में खरीदता है, वही यदि उसके शरीर में जहर का काम करने लगे तो यह केवल चिकित्सा व्यवस्था की विफलता नहीं, बल्कि मानवीय संवेदनाओं के पतन की पराकाष्ठा है। विडंबना यह है कि दवाओं के निर्माण और वितरण के लिए देश में कठोर नियम, निरीक्षण और परीक्षण की व्यवस्थाएं मौजूद हैं।

कच्चे माल की गुणवत्ता से लेकर उत्पादन प्रक्रिया तक कई स्तरों पर जांच होती है, फिर भी बड़ी-बड़ी नामी कंपनियों की दवाइयां यदि अमानक पाई जाती हैं तो यह साफ संकेत है कि कहीं-न-कहीं मुनाफे की अंधी दौड़ ने नैतिकता और मानवता को कुचल दिया है। यह केवल आर्थिक अपराध नहीं, बल्कि मानवता के विरुद्ध अपराध है। दुर्भाग्यपूर्ण स्थिति यह है कि जिन लोगों पर समाज की जिंदगी बचाने की जिम्मेदारी है, वही लोग अपने स्वार्थ के लिए लोगों की जिंदगी दांव पर लगा रहे हैं। भारत आज दुनिया की सबसे बड़ी दवा उत्पादन शक्तियों में शामिल है। भारतीय दवाइयां अमेरिका,

यूरोप, अफ्रीका, एशिया और मध्य-पूर्व के अनेक देशों में निर्यात होती हैं। भारत को 'फार्मेसी ऑफ द वर्ल्ड' कहा जाता है क्योंकि सस्ती और प्रभावी दवाओं की आपूर्ति में भारत की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण रही है। कोरोना महामारी के दौरान भारत ने वैक्सीन और आवश्यक दवाइयों की आपूर्ति कर पूरी दुनिया में अपनी विश्वसनीयता और मानवीय प्रतिबद्धता का परिचय दिया था। जिन राज्यों में उत्पादित घटिया दवाओं का खुलासा हुआ, उनमें हिमाचल प्रदेश पहले पायदान पर रहा, फिर उत्तराखंड, गुजरात, पंजाब, राजस्थान, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, हरियाणा, तमिलनाडु, महाराष्ट्र, केरल, पुडुचेरी, तेलंगाना, सिक्किम, झारखंड, दिल्ली, पश्चिम बंगाल, आंध्रप्रदेश, ओडिशा आदि राज्य शामिल हैं।

यानी एक-दो राज्य नहीं, तमाम राज्यों के दवा उत्पादक इस अपवित्र कर्म में शामिल हैं। यूं कहें कि दाल में काला नहीं है बल्कि पूरी दाल काली है। विडंबना देखिए कि कफ सिरप के 17 नमूने फेल हुए हैं। अब यह साफ हो गया कि अफ्रीका व सेंट्रल एशिया के कुछ देशों तथा भारत के कुछ राज्यों में कफ सिरप पीने से बच्चों की मौत के जो आरोप भारतीय दवा कंपनियों पर लगे थे, वे गलत नहीं थे, जिससे पूरी दुनिया में भारतीय दवा उद्योग की छवि खराब हुई। अंतरराष्ट्रीय बाजार में भारत की प्रतिष्ठा को धक्का लगता है और दुनिया भारतीय दवा उद्योग को संदेह की दृष्टि से देखने लगती है। यह स्थिति ऐसे समय में सामने आ रही है जब भारत विकसित राष्ट्र बनने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है। नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत 2047 तक स्वतंत्रता के 100 वर्ष पूरे होने पर विकसित भारत का सपना साकार करने की दिशा में अनेक नए आयाम स्थापित कर रहा है।

भारत विश्व की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की ओर अग्रसर है। डिजिटल इंडिया, मेक इन इंडिया, आत्मनिर्भर भारत और स्वास्थ्य क्षेत्र में सुधारों के माध्यम से देश वैश्विक नेतृत्व की ओर बढ़ रहा है। भारत को विश्वगुरु बनाने का सपना केवल आर्थिक विकास से नहीं, बल्कि नैतिकता, गुणवत्ता और विश्वसनीयता से भी जुड़ा हुआ है। यदि जीवनरक्षक दवाओं में ही मिलावट और घटियापन सामने आएगा, तो यह सारे सकारात्मक प्रयासों पर धब्बा लगाने जैसा होगा। आज आवश्यकता इस बात की है कि सरकार दवा नियंत्रण व्यवस्था को और अधिक सशक्त बनाए। केवल औपचारिक निरीक्षण और समय-समय पर जारी होने वाले ड्रग अलर्ट पर्याप्त नहीं हैं। दवा निर्माण इकाइयों की नियमित और पारदर्शी जांच होनी चाहिए। जिन कंपनियों की दवाएं बार-बार मानकों पर फेल होती हैं, उनके लाइसेंस तुरंत रद्द किए जाएं और उनके खिलाफ कठोर दंडात्मक कार्रवाई हो। दवा माफिया और नकली दवा बनाने वाले गिरोहों के खिलाफ विशेष अभियान चलाए जाने चाहिए। यह भी जरूरी है कि दोषियों को केवल आर्थिक जुर्माने तक सीमित न रखा जाए, बल्कि उन्हें कठोर कारावास की सजा दी जाए ताकि दूसरों के लिए भी कड़ा संदेश जाए। यह भी एक गंभीर चिंता का विषय है कि कई बार राज्य सरकारें और नियामक एजेंसियां प्रभावशाली दवा कंपनियों के खिलाफ कार्रवाई करने से बचती दिखाई देती हैं।

भारत: आध्यात्मिकता,सर्वधर्म समभाव और मानव चेतना का वैश्विक केंद्र

एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानी

-नागपुर के हरे माधव सत्संग 16-17 मई 2026 के कृतार्थ, वैश्विक सामग्र आध्यात्मिक विमर्श जीवन मुक्त सतगुरु बाबा ईश्वरशाह साहब जी का परम सत्य वचन- मनुष्य की सबसे बड़ी शक्ति बाहरी संसार में नहीं, बल्कि उसके भीतर स्थित चेतना में निहित है भारत केवल एक भौगोलिक राष्ट्र नहीं, बल्कि चेतना, अनुभूति और आत्मज्ञान की वह ऊर्जा है जिसने सदियों से विश्व को आध्यात्मिक प्रकाश प्रदान किया है वैश्विक स्तरपर पृथ्वी की इस अनंत और रहस्यमयी धरा पर यदि किसी देश को आध्यात्मिक चेतना,सर्वधर्म समभाव,मानव कल्याण और परमार्थ का जीवंत प्रतीक कहा जाए, तो वह निस्संदेह भारत है। यह वही भूमि है जहाँ ऋषियों ने तप किया, जहाँ वेदों की ऋचाएँ गूँजीं, जहाँ बुद्ध ने करुणा का संदेश दिया,जहाँ महावीर ने अहिंसा को धर्म का सर्वोच्च स्वरूप बताया, जहाँ संत कबीर ने मानवता को जाति- पंथ से ऊपर रखा और जहाँ गुरु परंपरा ने आत्मा को परमात्मा से जोड़ने का मार्ग प्रशस्त किया। भारत केवल एक भौगोलिक राष्ट्र नहीं, बल्कि चेतना, अनुभूति और आत्मज्ञान की वह ऊर्जा है जिसने सदियों से विश्व को आध्यात्मिक प्रकाश प्रदान किया है। आधुनिक विज्ञान आज मानव मस्तिष्क की क्षमताओं पर शोध कर रहा है,किंतु भारतीय अध्यात्म हजारों वर्षों पूर्व यह बता चुका था कि मनुष्य की सबसे बड़ी शक्ति बाहरी संसार में नहीं, बल्कि उसके भीतर स्थित चेतना में निहित है। जीवन मुक्त बाबा ईश्वरशाह साहिब जी की प्रेरणा से मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं गोंदिया महाराष्ट्र यह मानता हूं कि मानव जीवन का सबसे बड़ा रहस्य उसका स्वयं का मन है। वैज्ञानिक दृष्टिकोण से यह कहा जाता है कि मनुष्य अपने मस्तिष्क की क्षमताओं का सीमित भाग ही उपयोग कर पाता है। आध्यात्मिक दृष्टि से इसका कारण आत्मज्ञान की कमी माना गया है। जब मनुष्य केवल भौतिकता, प्रतिस्पर्धा और स्वार्थ में उलझ जाता है, तब उसका मन अशांत हो जाता है और उसकी आंतरिक ऊर्जा बिखर जाती है। भारतीय ध्यान परंपरा कहती है कि यदि व्यक्ति कुछ समय मन और हृदयपूर्वक ध्यान में बैठे,तो उसका मस्तिष्क तंत्र अत्यंत सक्रिय और संतुलित हो सकता है। ध्यान केवल आँखें बंद करना नहीं, बल्कि अपने भीतर उतरने की वह प्रक्रिया है जिसमें व्यक्ति स्वयं को समझना प्रारंभ करता है। यही कारण है कि आज विश्व के बड़े-बड़े कॉर्पोरेट संस्थान,वैज्ञानिक और चिकित्सक भी मेडिटेशन और योग को मानसिक स्वास्थ्य तथा कार्यक्षमता के लिए आवश्यक मानने लगे हैं। योग और ध्यान की भारतीय परंपरा आज वैश्विक जीवनशैली का हिस्सा बन चुकी है।आध्यात्मिकता का सबसे सुंदर पक्ष यह है कि वह मनुष्य को जोड़ती है,तोड़ती नहीं। प्रकृति स्वयं हमें यह शिक्षा देती है। यदि किसी झुंड से एक प्राणी को दूर ले जाकर कहीं और छोड़ दिया जाए, तो वह अंततः वहीं पहुँचने का प्रयास करेगा जहाँ उसके समान विचारों और ऊर्जा वाले प्राणी हों। यह केवल पशु व्यवहार नहीं, बल्कि जीवन का गहन दार्शनिक सत्य है। मनुष्य भी उसी वातावरण में सबसे अधिक विकसित होता है।

सुविचार

धन के लोभी के पास सच्चाई नहीं रहती और व्यभिचारी के पास पवित्रता नहीं रहती।

- चाणक्य

ना तो कोई किसी का मित्र है ना ही शत्रु है। व्यवहार से ही मित्र या शत्रु बनते हैं।

- हितोपदेश

प्रसंगत

दो होशियार

क्ले और पिआ मंदिर के अहाते में रहने वाले दो मित्र थे। एक दिन क्लेकी मां उससे मिलने आई। उसने जेब खर्च के लिए अपने बेटे को पांच भाट (थाइलैंड की मुद्रा) दिए। क्ले ने बहुत सोचा कि उसे कहां रखा जाए। आखिर उसने उसे जमीन में गाड़ दिए और उस जगह पर निशानी के लिए एक तख्ती लिख कर लगा दी। तख्ती पर लिखा था- यह वह जगह नहीं है जहां पांच भाट गड़े हुए हैं। शाम को काम से निबट कर पिआ उधर सैर करने निकला। उसे तख्ती देखकर आश्चर्य हुआ। उसने जमीन खोदकर पैसे निकाले और उन्हें लेकर चलता बना। लेकिन पिआ भी यह दिखना चाहता था कि उसको भी लिखना आता है, उसने क्ले की तख्ती पर जो लिखा था उसे मिटा कर लिख दिया, पैसे पिआ ने नहीं लिए। कुछ देर सैर करने के बाद क्ले को अपने पैसे की चिंता हुई। वह उस जगह वापस गया जहां पैसे गड़े थे। जमीन खोदी, पर पैसा नदारद था। परेशान क्ले रोता हुआ मंदिर के पुजारी के पास गया उसने सारी बात सुनी और वह तख्ती भी देखी। पुजारी ने पिआ को पकड़ बुलाया और सारा पैसा वसूल कर लिया। इस तरह क्ले और पिआ अपने को होशियार दिखाने के चक्कर में खुद ही मूर्ख बन गए।

जरा हटके

अंतरिक्ष में जमा पुराने सैटेलाइट-मलबा धरती के लिए नई चुनौती

वॉशिंगटन (ईएमएस)। सूरज की बढ़ती सक्रियता अंतरिक्ष में मौजूद पुराने कचरे को तेजी से पृथ्वी की ओर धकेल रही है। अंतरिक्ष में वर्षों से जमा पुराने सैटेलाइट और मलबा अब धरती के लिए नई चुनौती बनते जा रहे हैं। इसरो के वैज्ञानिकों ने अपनी हालिया रिसर्च में खुलासा किया है कि जब सूरज अपने 11 वर्षीय सौर चक्र के चरम पर पहुंचता है, तब लो अर्थ ऑर्बिट में मौजूद निष्क्रिय सैटेलाइट और मलबे के टुकड़े तेजी से अपनी ऊंचाई खोने लगते हैं। यह पहली बार है जब सौर गतिविधि और अंतरिक्ष मलबे के धरती की ओर लौटने की गति के बीच सीधा संबंध सामने आया है। विक्रम साराभाई अंतरिक्ष केंद्र और इसरो की स्पेस फिजिक्स लेबोरेटरी के वैज्ञानिकों ने इस अध्ययन में पाया कि सूरज की बढ़ती ऊर्जा पृथ्वी के ऊपरी वायुमंडल पर गहरा असर डालती है। जब सौर गतिविधि अपने अधिकतम स्तर के करीब पहुंचती है, तो पृथ्वी के ऊपरी हिस्से यानी थर्मोस्फीयर का तापमान बढ़ जाता है। सूरज से निकलने वाली अल्ट्रावॉयलेट किरणें और चार्ज्ड कण इस परत को गर्म कर देते हैं, जिससे यह फैलने लगती है और उसका घनत्व बढ़ जाता है। इस बढ़े हुए घनत्व का सीधा असर लो अर्थ ऑर्बिट में मौजूद सैटेलाइट और अंतरिक्ष मलबे पर पड़ता है। वैज्ञानिकों के मुताबिक जब ये वस्तुएं घनी वायुमंडलीय परत से गुजरती हैं, तो उन पर हवा का अवरोध यानी ड्रैग बढ़ जाता है। इससे उनकी रफ्तार धीमी होने लगती है और पृथ्वी का गुरुत्वाकर्षण उन्हें तेजी से नीचे खींचने लगता है। सक्रिय सैटेलाइट तो अपने ईंधन की मदद से दोबारा ऊंचाई हासिल कर लेते हैं, लेकिन निष्क्रिय सैटेलाइट और पुराना मलबा धीरे-धीरे धरती की ओर गिरने लगता है। इस रिसर्च की मुख्य लेखिका आयशा एम अशरफ ने बताया कि सौर गतिविधि एक खास स्तर पार करते ही सैटेलाइट्स की ऊंचाई कम होने की प्रक्रिया अचानक तेज हो जाती है। यह स्थिति खासतौर पर उन पुराने सैटेलाइट्स के लिए खतरनाक है जिन्हें अब नियंत्रित नहीं किया जा सकता।

अध्ययन के दौरान वैज्ञानिकों ने 1960 के दशक में छोड़े गए अंतरिक्ष मलबे के 17 टुकड़ों का विश्लेषण किया। इनकी निगरानी पिछले 36 वर्षों से की जा रही थी। ये टुकड़े 600 से 800 किलोमीटर की ऊंचाई पर पृथ्वी की परिक्रमा कर रहे थे। शोध में पाया गया कि सौर चक्र 22 से 24 के दौरान इनकी गति और ऊंचाई में बड़ा बदलाव आया।

फोटो ऑफ द डे

फ्रांस के कान्स में जारी 79 के अंतरराष्ट्रीय फिल्म समारोह में फिल्म फादरलैंड के प्रीमियर में पोज देती हुई युआन शेनसान। -फोटो-ईएमएस

व्यंग

'ये' टैक्स भी लगाओ न !

गुरमीत बेदी

ख़ाकसार की बीवी खुश है कि वित्त मंत्री जी का बजट 'फीमेल ओरियैंटिड' है। यानि वह अपने बजट में फीमेल्ज पर अच्छे ख़ासे फिदा हुए हैं और उन्होंने फीमेल्ज के लिए एक लाख अस्सी हज़ार रुपए की आय तक इंकम टैक्स से छूट दे दी है। अब 'छूट' चाहे आयकर की हो या शॉपिंग की, किटटी पार्टी अरेंज करने की हो या मायके जाने की, बीवी को 'छूट' बहुत पसंद है। लेकिन चिदंबरम जी ने उसे आयकर में जो छूट दी है, उससे वह मारे खुशी के बल्लियों उछल रही है। खुशी-खुशी में उसने सहेलियों को दावत पर भी बुला लिया है। वैसे ऑफ दि रिकार्ड बता दूँ कि ख़ाकसार की बीवी न तो नौकरी करती है और न ही उसका कोई बिजनिस है। ख़ाकसार की तनख्वाह ही उसकी आमदनी का एकमात्र स्रोत है और इस माह टैक्स अदा करने के बाद खाकसार को जो थोड़ी बहुत तनख्वाह मिली है, उसी से उसकी बीवी इस नई किस्म की खुशी को सेलीब्रेट कर रही है!

अब जैसे पानी में रहकर मगरमच्छ से बैर नहीं लिया जा सकता, नौकरी करते हुए 'सरकार बहादुर' से से पंगा नहीं लिया जा सकता और बिजनिस करते हुए एक्साईज वालों को आँख नहीं दिखाई जा सकती, उसी तरह गृहस्थी का बोझ अपने कंधों पर ढोते हुए गृहलक्ष्मी को नाराज़ करने का रिस्क कैसे लिया जा सकता है? ख़ाकसार अपनी बीवी की खुशी में शरीक होने की रस्म अदा करने के साथ-साथ मुल्क के माननीय वित्त मंत्री जी को कुछ ऐसे टैक्स लगाने का सुझाव देना चाहता है जिससे हमारा मुल्क दुनिया के सामने एक उदाहरण भी प्रस्तुत करे और सरकार की आय भी बढ़े। लीजिए पेश-ए-खिदमत हैं कुछ मौलिक, अप्रकाशित और अप्रसारित सुझाव-(एक) विरोध टैक्स : इस टैक्स से सरकार को इतनी इंकम होगी कि पूछो मत। इस टैक्स में यह प्रावधान होगा कि इस मुल्क में अगर कोई किसी का विरोध करता है तो उसे विरोध करने के ऐवज में टैक्स अदा करना पड़ेगा। यानि अपनी टैक्स रिटर्न में उसे इस बारे पूरी डिटेल देनी होगी कि उसने किसका विरोध किया, किस सीमा तक किया और क्यों किया। इस टैक्स का स्लैब विरोध के पैमाने पर डिपैंड करेगा। अगर विरोध सिर्फ़ बयानबाजी तक होगा तो टैक्स की दर कम होगी।

अगर विरोध में धरना-प्रदर्शन और नारेबाजी शामिल होगी तो टैक्स थोड़ा ज़्यादा देना पड़ेगा और अगर विरोध का लेवल इससे ऊँचा होगा तो टैक्स लेवल भी ऊँचा हो जाएगा। अपने मुल्क में चूँकि एक-दूसरे का विरोध करने की प्रवृति ज़्यादातर पालिटिशियनों में ही पाई जाती है, इसलिए पालिटिशियनों को ज़्यादा से ज़्यादा इन्कम टैक्स अदा करना पड़ेगा। चाहे वे भ्रष्टाचार के ज़रिये इकट्ठे किए धन से टैक्स अदा करें चाहे किसी ठेकेदार या उद्योगपति की पॉकेट से पैसे निकलवाकर टैक्स जमा करवायें।

चिंतन-मनन

पत्थर की पूजा

संत नामदेव के जीवन से जुड़ी यह चर्चित कथा है। उनके पिता दामाशेट दर्जी थे। वह चाहते थे कि नामदेव उनका कारोबार आगे बढ़ाएं पर नामदेव तो दिन भर मंदिर में कीर्तन करते रहते थे। इससे दामाशेट दुखी रहते थे। एक दिन उन्होंने नामदेव को कपड़ों का एक गट्ठर सौंप दिया और कहा कि इसे वह बाजार में बेच आएं। नामदेव बाजार पहुंचे। वहां गट्ठर सामने रख विठ्ठल के ध्यान में मग्न हो गए। सभी की कमाई हुई, पर नामदेव खाली ही रहे। वहीं पास में खेत में कुछ पत्थर पड़े थे। उन्होंने पत्थरों को कपड़ों से ढक दिया और एक बड़े पत्थर से कहा कि आठ दिन बाद फिर आऊंगा, पैसे दे देना, ताकि पिता को हिसाब दे सपूं। पिता ने पूछा तो कहा कि आठ दिन बाद पैसे मिलेंगे। आठ दिन बाद नामदेव उस बड़े पत्थर के पास गए। पैसे मांगने लगे। पर वह कहां से देता! उन्होंने गुस्से में उसे उठाया और पंढरपुर के विठ्ठल मंदिर ले आए। बोले- यहीं बापू को जवाब दे देना। दामाशेट बौखला रहे थे- कपड़ों के बदले पत्थर! नजदीक आकर देखा तो वह पूरा पत्थर सोने का हो गया था। यह समाचार सब ओर फैल गया। किसान के खेत का पत्थर था, वह आकर सोने का पत्थर मांगने लगा। नामदेव ने अपने कपड़े के पैसे मांगे व पत्थर उसे दे दिया। घर जाकर किसान ने देखा कि वह तो फिर पत्थर बन गया। वह गुस्से में नामदेव जी के घर वह पत्थर रख गया। आज भी उस पत्थर की पूजा नामदेव के मंदिर में होती है।

स्वास्थ्य

अनोखी घटना : मां के गर्भ से दो बार जन्मा एक ही बच्चा

लंदन (ईएमएस)। चिकित्सा विज्ञान ने ऐसा चमत्कार कर दिखाया है जिसने सभी को हैरान कर दिया। यह अनोखी घटना मेडिकल जगत में चर्चा का विषय बनी हुई है। यह हैरान करने वाली घटना है एक नवजात शिशु का अपनी जिंदगी बचाने के लिए मां के गर्भ से दो बार जन्म लेना। बच्चे का नाम कैसियन जौबर्ट है, जिसकी जिंदगी बचाने के लिए डॉक्टरों ने बेहद जोखिम भरी और दुर्लभ सर्जरी का सहारा लिया।

इस पूरे मामले को चिकित्सा विज्ञान की बड़ी उपलब्धि माना जा रहा है। कैसियन की मां के एशर और पिता ग्रेग जौबर्ट को जनवरी 2025 में पता चला था कि उनके घर दूसरा बच्चा आने वाला है। परिवार इस खबर से बेहद खुश था, लेकिन गर्भावस्था के 19वें सप्ताह में डॉक्टरों ने एक गंभीर बीमारी का पता लगाया। जांच में सामने आया कि गर्भ में पल रहे बच्चे को 'कैओस' नाम की बेहद दुर्लभ बीमारी है। इस बीमारी में बच्चे की सांस की नली एक मोटी झिल्ली से बंद हो जाती है, जिससे फेफड़ों में तरल पदार्थ भरने लगता है और अधिकांश मामलों में बच्चे की जान नहीं बच पाती। डॉक्टरों ने पहले गर्भ के भीतर लेजर तकनीक से ब्लॉकेज हटाने की कोशिश की, लेकिन यह प्रयास सफल नहीं हो सका। इसके बाद डॉक्टरों की टीम ने एक बेहद कठिन और जोखिम भरा फैसला लिया। जून 2025 में, जब के एशर 25 सप्ताह की गर्भवती थीं।

चंदन नगर में जलसंकट, ड्रेनेज खुदाई से सड़क बनी मुसीबत

गंदा पानी नलों तक पहुंचा, रहवासियों ने नगर निगम को दी आंदोलन की चेतावनी

इंदौर

इंदौर के चंदन नगर स्थित चंदू वाला रोड पर नगर निगम की लापरवाही से रहवासियों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। करीब एक माह पहले ड्रेनेज पाइपलाइन डालने के लिए सड़क खोदी गई थी, लेकिन काम अधूरा छोड़ देने से पूरा रास्ता गड्ढे में तब्दील हो गया है। रहवासियों का आरोप है कि ड्रेनेज का गंदा पानी और नर्मदा सप्लाई का साफ पानी मिक्स होकर घरों के नलों तक पहुंच रहा है, जिससे स्वास्थ्य संबंधी खतरा बढ़ गया है। सड़क खराब होने से आमजन के साथ स्कूल जाने वाले बच्चों को भी परेशानी झेलनी पड़ रही है। स्थानीय लोगों ने नगर निगम और सीएम हेल्पलाइन पर कई बार शिकायत की, लेकिन अब तक कोई कार्रवाई नहीं हुई। नाराज रहवासियों ने चेतावनी दी है कि जल्द समाधान नहीं होने पर वे उग्र आंदोलन करेंगे।

शॉर्ट सर्किट से रूई के गोदाम में लगी आग

इंदौर। इंदौर के परदेशीपुरा थाना क्षेत्र में शुक्रवार दोपहर एक रूई के गोदाम में आग लग गई। घटना थाना परिसर के पास बने एक कंपाउंड में हुई, जहां रूई तैयार करने का काम किया जाता था। सूचना मिलते ही फायर ब्रिगेड की टीम मौके पर पहुंची और आग बुझाना शुरू किया। फायर ब्रिगेड अधिकारियों के मुताबिक गोदाम में रूई और अन्य कच्चा माल बड़ी मात्रा में रखा हुआ था, जिसके कारण आग तेजी से फैल गई। शुरुआती जांच में आग लगने का कारण शॉर्ट सर्किट माना जा रहा है। आग की चपेट में आने से गोदाम के अंदर रखा काफी सामान जलकर खाक हो गया। घटना की सूचना मिलने के बाद आरडी कानवा और थाना स्टाफ भी मौके पर पहुंच गया।

मुनि श्री ने कहा कि जैन मंदिरों के दर्शन करने से आध्यात्मिक शांति,मानसिक एकाग्रता मिलती है

इंदौर

अतिशय योगी 108 मुनि सूयल्त सागर जी महाराज का मुंबई महानगर (बोरीवली) से णमोकार तीर्थ होते हुए तीर्थराज सम्मेद शिखर की ओर विहार चल रहा है।

दिगंबर जैन समाज सामाजिक संसद के प्रचार प्रमुख सतीश जैन ने बताया कि आपका आज भव्य मंगल प्रवेश श्रमहावीर जिनालय संगम नगर में हुआ। रास्ते भर समाजजनों ने मुनि का पाद प्रक्षालन किया एवं आरती उतारी। सतीश जैन ने बताया कि मुनि सुयल्त सागर 1008 शिखर बंद मंदिरों के दर्शन करने का संकल्प लेकर वहां से निकले हैं और अभी तक आपने 1300 किलो मीटर की पदयात्रा करते हुए 620 मंदिरों के दर्शन कर लिए हैं।

मुनि ने दर्शन का महत्व बताते हुए कहा कि जैन मंदिरों के दर्शन (देव - दर्शन) करने से आध्यात्मिक शांति,मानसिक एकाग्रता मिलती हैं और पुण्य का अर्जन होता है। नकारात्मकता से मुक्ति मिलती है। मंदिरों में तीर्थंकरों की वीतराग मूर्तियां हमें बताती है कि सच्चे सुख की प्राप्ति भीतर (आत्मा) में है, बाहर की वस्तुओं में नहीं। आपने कहां कि सभी भक्तगण विहार एवं आहार में सम्मिलित होकर पुण्य लाभ ले। दिगंबर जैन समाज सामाजिक संसद के अध्यक्ष विनय बाकलीवाल एवं महामंत्री देवेंद्र सोगानी ने सभी समाजजनों से अधिक से अधिक संख्या में उक्त कार्य में सम्मिलित होने की अपील की है।

संगम नगर मंदिर पहुंचने पर मनोज जैन , सुबोध कासली वाल, सतीश जैन , पारस जैन, प्रमोद जैन, अमित जैन, राहुल जैन आदि ने मुनि का पाद प्रक्षालन किया।

»न्यूज ब्रीफ

हिस्सा नहीं दिया तो...

इंदौर। फरियादी खुमान सिंह वास्केल की रिपोर्ट पर अनिल उर्फ कालू निवासी ग्राम गजिंदा के खिलाफ मारपीट और धमकाने की धारा में केस दर्ज किया है पुलिस ने बताया कि आरोपी ने मकान में हिस्सा की बात को लेकर फरियादी के साथ मारपीट की और जान से मारने की धमकी दी थी।

मनचले पर केस

इंदौर। मालवीय नगर में रहने वाली किशोरी की शिकायत पर राजेंद्र पिता शंकर लाल साहू के खिलाफ पुलिस ने छेड़छाड़ की धारा में केस दर्ज किया है। किशोरी ने पुलिस को बताया कि आरोपी ने रास्ते में रोककर छेड़छाड़ की थी।

गिरने से मजदूर गंभीर

इंदौर। सुरेश पिता कन्हैया लाल वर्मा निवासी न्यू देवास रोड निर्माणधीन मकान में काम करने के दौरान गिर गया जिसे साथी मजदूरों ने अस्पताल में भर्ती कराया जहां उसकी हालत नाजुक बनी हुई है। वह विजयनगर के एक निर्माणधीन मकान की तीसरी मंजिल पर काम करने के दौरान गिर गया था।

युवक को चाकू मारा

इंदौर। कमला नेहरू कॉलोनी में रहने वाले मुकेश पिता बालकृष्ण पाल ने पुलिस को बताया कि क्षेत्र में रहने वाले दीपक पिता सुनील यादव ने पुराने विवाद को लेकर चाकू मार दिया और धमकी देकर भाग गया। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ केस दर्ज किया है।

चाकू सहित चार धराए

इंदौर। अन्नपूर्णा पुलिस ने विजय चौहान और कैलाश राठौर को पकड़ा। इनके पास से दो चाकू बरामद किए। इसी प्रकार पुलिस जूनी इंदौर ने नितिन मालवीय और दिनेश पवार से भी दो चाकू बरामद किए हैं। सभी के खिलाफ केस दर्ज किया है।

टक्कर से दो जख्मी

इंदौर। धार रोड पर मिनी ट्रक की टक्कर से मोटरसाइकिल सवार जितेंद्र पिता बाबूलाल मकवाना और उमेश पिता दुलीचंद चौधरी घायल हो गए। पुलिस ने चालक के खिलाफ प्रकरण दर्ज किया।

किशोर का अपहरण

इंदौर। अमितेश कॉलोनी में रहने वाले श्याम पिता जगदीश परमार ने रिपोर्ट दर्ज कराई कि उसका 15 वर्ष से बेटा राहुल परमार को अज्ञात व्यक्ति बहला फुसलाकर ले गया। पुलिस ने अपहरण का केस दर्ज किया है।

गांजे के साथ दो धराए

इंदौर। कनाडिया थाना पुलिस ने चेकिंग के दौरान बाइक सवार शुभम पिता प्रहलाद यादव और दीपक पिता मुन्नालाल सूर्यवंशी को पकड़ा। इनके पास से 530 ग्राम गांजा बरामद किया है। दोनों के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत केस दर्ज किया है।

सट्टा खाते चार बंदी

मल्हारगंज पुलिस ने जिंसी में सट्टा खाते हुए राजेश सोनी और मनोज जैन को पकड़ा। इसी प्रकार एमआईजी पुलिस ने विनोद सोलंकी और कैलाश रघुवंशी को सट्टा खाते हुए पकड़ा। सभी के खिलाफ केस दर्ज किया है।

गांजा पीते धराए

इंदौर। लसूडिया पुलिस ने स्कीम नंबर 78 में गांजा पीते हुए राकेश पिता लक्ष्मी नारायण कौशल भारत पिता रामचंद्र सोलंकी कमलेश पिता मदनलाल यादव और दो अन्य को गिरफ्तार किया है। इनके पास से नशे की पुड़िया बरामद की है। सभी के खिलाफ केस दर्ज किया है।

दहेज के लिए सताया

इंदौर। न्यू द्वारका पुरी में रहने वाली ज्योति सेन 30 साल की रिपोर्ट पर पति नितिन से सास उषा सेन ससुर ओमप्रकाश सेन आदि के खिलाफ पुलिस ने दहेज प्रताड़ना की धाराओं में प्रकरण दर्ज किया है। फरियादी ने बताया कि उसे दहेज लाने के लिए प्रताड़ित कर घर से निकाल दिया।

मंदिर को बदनाम करने की साजिश का आरोप

गुरु मां दुर्गेश्वरी देवी ने की सख्त कार्रवाई की मांग

इंदौर

इंदौर के बिसनावदा स्थित सिद्ध पीठ माता कालका निकुंभला मंदिर दुर्गेश्वरी धाम को लेकर विवाद गहरा गया हैं। पीठाधीश्वर ब्रह्मचारिणी गुरु मां दुर्गेश्वरी देवी ने कुछ असामाजिक तत्वों पर धार्मिक माहौल बिगाड़ने, भक्तों को डराने-धमकाने और मंदिर की छवि खराब करने की साजिश रचने का आरोप लगाया है।

उन्होंने बताया कि पिछले कुछ वर्षों से मंदिर परिसर के आसपास नशाखोरी और महिलाओं से दुर्व्यवहार जैसी घटनाएं सामने आ रही हैं। मार्च माह में गाली-गलौज, मारपीट और धमकी देने का मामला भी सामने आया था, जिसकी वीडियो रिकॉर्डिंग होने का दावा किया गया है।

विशाल सोलंकी की शिकायत पर चंदन नगर थाने में अर्जुन सिसोदिया, सौरभ और निर्मला के खिलाफ बीएनएस की विभिन्न धाराओं में प्रकरण दर्ज किया गया है। गुरु मां ने एफआईआर वापस लेने के लिए दबाव और ब्लैकमेलिंग के आरोप भी लगाए हैं।

लॉ छात्र को हाईकोर्ट से मिली राहत

इंदौर । परीक्षा में शामिल होने की अनुमति मध्यप्रदेश हाईकोर्ट ने अधिवक्ता तिलोक गवली द्वारा दायर याचिका में एक छात्र को बड़ी राहत देते हुए कॉलेज द्वारा जारी निलंबन आदेश पर रोक लगाकर परीक्षा में शामिल होने की अनुमति प्रदान की है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, याचिकाकर्ता छात्र को कॉलेज प्रशासन द्वारा 24 जनवरी 2026 को अनुशासनहीनता के आरोप में निलंबित कर दिया गया था। निलंबन आदेश के कारण छात्र को परीक्षा में शामिल होने से वंचित किया जा रहा था। इसके विरोध में छात्र ने इंदौर हाईकोर्ट में अधिवक्ता तिलोक गवली के माध्यम से रिट याचिका दायर की।

एटीएम के बाहर युवक से ठगी

सीसीटीवी में कैद हुए आरोपी

इंदौर

पलासिया थाना अंतर्गत चंद्रलोक कॉलोनी में एक एटीएम के बाहर युवक से ठगी किए जाने का मामला सामने आया है। घटना सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई। प्राप्त जानकारी के अनुसार फरियादी अमन खान निवासी खजराना ने पुलिस को बताया कि बुधवार रात 8:10 बजे चंद्रलोक कॉलोनी स्थित बैंक ऑफ़ बड़ौदा के एटीएम पर रुपए जमा करने पहुंचा था। अमन ने बताया कि उसे किस्त जमा करनी थी, इसलिए वह करीब 12 हजार रुपए लेकर गया था। इसी दौरान स्कूटर से दो युवक वहां पहुंचे इनमें से एक युवक एटीएम के अंदर आया और अमन से कहा कि उसे किसी व्यक्ति को तुरंत 5 हजार रुपए नगद देने हैं। आरोपी ने बदले में ऑनलाइन ट्रांसफर करने की बात कही। इस पर अमन ने मदद के तौर पर उसे पांच हजार रुपए नगद दे दिए।

रुपए लेने के बाद आरोपी ने अपने मोबाइल में 5000 रुपए ट्रांसफर होने की कथित एंट्री दिखाई और तत्काल बाहर निकाल कर साथी के साथ स्कूटर पर बैठकर फरार हो गया। अमन के खाते में रकम नहीं आने पर उसे ठगी का पता चला।

फरियादी अमन ने पास की दुकान से आरोपियों के सीसीटीवी फुटेज निकलवाए और शिकायत लेकर पलासिया थाने पहुंचा।

शनिश्चरी अमावस्या को लेकर भारी वाहनों पर प्रतिबंध

इंदौर मार्ग पर वाहनों के आवागमन पर रोक

इंदौर

इंदौर जिले में 16 मई 2026 को शनिश्चरी अमावस्या एवं 17 मई को रविवार का अवकाश होने पर बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं और पर्यटकों के आगमन को देखते हुए जिला प्रशासन ने यातायात व्यवस्था सुचारू बनाए रखने के लिए महत्वपूर्ण आदेश जारी किए हैं। कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी शिवम वर्मा द्वारा जारी आदेश के अनुसार इंदौर-खंडवा रोड पर तेजाजी नगर चौराहे से खंडवा की ओर जाने वाले तथा खंडवा से इंदौर आने वाले मार्ग पर भारी वाहनों के आवागमन पर अस्थायी प्रतिबंध लगाया गया है। यह प्रतिबंध 15 मई 2026 की रात्रि 12 बजे से 18 मई 2026 की प्रात: 8 बजे तक प्रभावी रहेगा। इस अवधि में भारी वाहन तेजाजी नगर चौराहा बाईपास से होते हुए धामनोद की ओर से खंडवा जा सकेंगे। उक्त प्रतिबंध इंदौर जिले की सीमा में लागू रहेगा। आदेश में बताया गया है कि ओंकारेश्वर ज्योतिर्लिंग दर्शन एवं नर्मदा स्नान के लिए बड़ी संख्या में श्रद्धालु इंदौर-खंडवा मार्ग से गुजरते हैं। इस दौरान सड़क निर्माण कार्य एवं भारी वाहनों के दबाव के कारण यातायात बाधित होने तथा जाम की स्थिति निर्मित होने की संभावना रहती है। इसी को ध्यान में रखते हुए मोटर यान नियम 1994 के नियम 215 के तहत यह प्रतिबंध लागू किया गया है। प्रतिबंध केवल भारी मालवाहक वाहनों पर लागू रहेगा। कार, जीप, दोपहिया एवं यात्री बसों का आवागमन पूर्ववत जारी रहेगा। वहीं दूध वाहन, नगर निगम स्वास्थ्य सेवाओं से जुड़े वाहन, पुलिस, फायर ब्रिगेड, पानी के टैंकर, सेना के वाहन, विद्युत मंडल एवं कृषि उपज मंडी से संबंधित आवश्यक सेवाओं के वाहनों को प्रतिबंध से मुक्त रखा गया है। जिला प्रशासन ने आमजन से सहयोग की अपील करते हुए वैकल्पिक मार्गों का उपयोग करने तथा यातायात नियमों का पालन करने का आग्रह किया है।

ब्लॉक -16 के कांग्रेसियों का झोन-15 पर जल संकट को लेकर प्रदर्शन

इंदौर। प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी व शहर कांग्रेस अध्यक्ष चिन्टू चौकसे के निर्देश पर ब्लॉक 16 के अध्यक्ष जतिन थोरात, बिट्टू शर्मा के नेतृत्व में झोन-15 द्रविड़ नगर पर जल संकट, ड्रेनेज समस्या और विकास कार्यों के बंद होने के विरुद्ध प्रदर्शन किया गया जिसमें विकास जोशी, प्रहलाद महावर, नरसिंह कुण्डलवाल, पार्षद रफीक खान, सुधीर सेठिया, पप्पू मालवीय, मनीष मिण्डा,सुयश बाकलीवाल, सुश्री सरिता काला,दिपा मिश्रा, विजेता मुंगि, प्रकाश महावर सहित कई कांग्रेसी नेता व कार्यकर्ता उपस्थित थे।

तापमान में हल्की गिरावट, लेकिन गर्मी से राहत अब भी दूर

दिन और रात का पारा सामान्य से 3 से 4 डिग्री ऊपर बना हुआ

इंदौर

शहर में तापमान में मामूली गिरावट दर्ज होने के बावजूद गर्मी का असर कम नहीं हुआ है। सुबह से लेकर देर रात तक गर्म हवाओं और उमस ने लोगों को परेशान किया।

मौसम विभाग के अनुसार दिन और रात दोनों का तापमान अब भी सामान्य से 3 से 4 डिग्री अधिक बना हुआ है, जिससे लोगों को भीषण गर्मी का सामना करना पड़ रहा है। विमानतल स्थित मौसम केंद्र के मुताबिक गुरुवार को शहर का अधिकतम तापमान 43 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। यह सामान्य से 3 डिग्री ज्यादा रहा, हालांकि एक दिन पहले की तुलना में इसमें 0.6 डिग्री की कमी दर्ज हुई।

मंदिर में चोरी करने वाले तीन आरोपी धराए

इंदौर। शिप्रा पुलिस ने राधा कृष्ण मंदिर से दान पेटी चुराकर फरार हुए तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार व्यास खेड़ी में रहने वाले विनोद दुबे ने 12 मई को रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि मंदिर के चैनल गेट का ताला तोड़कर कर दान पेटी में रखे 10 हजार रुपए और अन्य सामान चुरा कर ले गए। मंदिर के आसपास लगे सीसीटीवी में तीन चोर कैद हो गए थे। फरियादी विनोद दुबे ने आरोपियों के फुटेज पुलिस को उपलब्ध कराए ।पुलिस ने फुटेज के आधार और मुखबिर की सूचना पर तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर उनके पास से मंदिर से चुराए गए 10 हजार रुपए नकदी और अन्य सामान बरामद कर लिया है।

एसीटी कंजेशन से बिगड़ा इंदौर एयरपोर्ट का शेड्यूल

आठ से ज्यादा उड़ानें घंटों लेट हुई

इंदौर

देश के कई हिस्सों में खराब मौसम और एयर ट्रैफिक कंजेशन का असर गुरुवार को देवी अहिल्याबाई होलकर एयरपोर्ट पर देखने को मिला। दोपहर बाद से एयरपोर्ट का पूरा फ्लाइट शेड्यूल गड़बड़ा गया, जिससे आने और जाने वाली 8 से ज्यादा उड़ानें घंटों देरी से संचालित हुईं। फ्लाइट लेट होने से यात्रियों को एयरपोर्ट पर लंबा इंतजार करना पड़ा, वहीं कई यात्रियों की कनेक्टिंग फ्लाइट्स भी छूट गईं। देर रात तक यात्री एयरलाइन काउंटरों पर फ्लाइट अपडेट लेते नजर आए।

एयरपोर्ट सूत्रों के अनुसार खराब मौसम, एयर ट्रैफिक दबाव और पूर्व सेक्टर की लेट अराइवल के कारण उड़ानों का संचालन प्रभावित हुआ। पुणे से आने वाली इंडिगो फ्लाइट 6 ई-6191 दोपहर 3-15 बजे की बजाय शाम करीब 5 बजे इंदौर पहुंची। मुंबई से आने वाली इंडिगो फ्लाइट 6ई-6599 भी बॉम्बे एयरपोर्ट पर ,ञ्च्ट कंजेशन के चलते शाम 6-15 बजे की जगह रात 8-04 बजे पहुंच सकी। वहीं हैदराबाद-इंदौर फ्लाइट 6ई-621 निर्धारित समय रात 9-50 बजे के बजाय रात 11-25 बजे पहुंची। एयर इंडिया एक्सप्रेस की बेंगलुरु-इंदौर फ्लाइट ढ्ढङ्ग-2014 भी पिछले सेक्टर में देरी के कारण प्रभावित रही।

जाने वाली उड़ानों पर भी इसका असर साफ दिखाई दिया। इंडिगो की इंदौर-चेन्नई फ्लाइट 6ई-995 दोपहर 3-55 बजे की जगह शाम 4-42 बजे रवाना हुई। इंदौर-हैदराबाद फ्लाइट 6ई-6916 करीब डेढ़ घंटे देरी से रात 8-05 बजे उड़ान भर सकी। एयर इंडिया एक्सप्रेस की इंदौर-बेंगलुरु फ्लाइट ढ्ढङ्ग-1368 भी निर्धारित समय से

अशोक गोयल ने, श्मशान स्थल पहुंचकर मृतक हेमंत अंतिम संस्कार करवाया

इंदौर

इंदौर महाकाल सेवा समिति और सुल्तान ने इंदौर जो की लावारिस लाशों का अंतिम संस्कार करती है आज जुनि इंदौर मुक्ति धाम में संस्था के सयोजक अशोक गोयल ने अपने जन्मदिन पर दूसरे सेवा कार्यों को रोककर श्मशान स्थल पहुंचे मृतक हेमंत का अंतिम संस्कार विधि विधान से माता पिता भाई एवं परिवार जन के द्वारा करवाया।

मृतक के परिवार वालों ने रुकवाया मृतक हेमंत पिछले 15 वर्षों से अपने परिवार से दूर इंदौर में रह रहा था जब मृतक के परिजनों की जानकारी संस्था को लगी तो उन्होंने इटारसी तहसील जिला नर्मदा पुरम से मृतक के परिवार जनों को बुलवाया और जो अंतिम संस्कार सुबह होना था उसे परिवार जन के आने के बाद दोपहर में कराया गया मृतक के पिता ने संस्था के संयोजक अशोक गोयल और पूरी टीम को दिल से धन्यवाद दिया क्योंकि संस्था द्वारा माता पिता को अपने पुत्र के अंतिम दर्शन करने को मिले

माता पिता ने रोते हुए कहा कि आपने 15 वर्षों बाद बेटे अंतिम दर्शन करा दिए।

इंदौर पुलिस का मानवीय चेहरा

3 साल के मासूम को 2 घंटे में ढूंढ निकाला, परिजनों की आँखों में आए खुशी के आँसू

इंदौर

शहर की रावजी बाजार थाना पुलिस ने संवेदनशीलता और तत्परता की एक ऐसी मिसाल पेश की है, जिसकी हर तरफ सराहना हो रही है। कलालकुई मस्जिद के पीछे से लापता हुए एक 3 वर्षीय मासूम को पुलिस ने महज 120 मिनट के भीतर सुरक्षित ढूंढकर उसके माता-पिता की गोद में लौटा दिया। बालक को सकुशल पाकर परिजनों का गला भर आया और उन्होंने पुलिस टीम का आभार व्यक्त किया।

जबरन कॉलोनी रोड पर मिला मासूम

पुलिस की सघन घेराबंदी और कड़ी मेहनत का नतीजा यह रहा कि करीब दो घंटे की मशक्कत के बाद बच्चा जबरन कॉलोनी रोड पर सुरक्षित मिल गया। पुलिस ने तत्काल उसे अपनी सुरक्षा में लिया और थाने लाकर वैधानिक कार्यवाही पूरी की। इसके बाद जैसे ही बच्चे को उसके पिता के सुपुर्द किया गया, वहां मौजूद हर शख्स की आँखें नम हो गईं। परिजनों ने इंदौर पुलिस की कार्यप्रणाली की प्रशंसा करते हुए कहा कि पुलिस की मुस्तैदी की वजह से ही उनका लाडला आज उनके पास है।

शाम को अचानक लापता हुआ था बच्चा

जानकारी के अनुसार, सोमवार शाम करीब 13 मई को कलालकुई मस्जिद के पीछे रहने वाला 3 साल का मासूम घर के बाहर खेलते-खेलते अचानक लापता हो गया था। परिजनों ने काफी तलाश की, लेकिन जब बच्चा नहीं मिला तो घबराए माता-पिता पुलिस के पास पहुंचे। छोटे बच्चे की गुमशुदगी की खबर मिलते ही पुलिस महकमे में हड़कंप मच गया।

पुलिस कमिश्नर के निर्देश पर बनी विशेष टीमें

मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस कमिश्नर के निर्देशों पर तत्काल एक्शन लिया गया। डीसीपी (जोन-4) सुनील मेहता ने मामले को प्राथमिकता पर लेते हुए विशेष टीमों का गठन किया।

सीसीटीवी खंगाले और सोशल मीडिया पर फैलाया जाल

रावजी बाजार थाना पुलिस की तीन अलग-अलग टीमों ने इलाके की घेराबंदी की। एक तरफ जहां सीसीटीवी फुटेज खंगाले जा रहे थे, वहीं दूसरी तरफ मासूम की तस्वीर को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स और व्हाट्सएप ग्रुप्स पर तेजी से वायरल किया गया। पुलिस जवानों ने इलाके के हर सुनसान कोने और शैडो एरिया में सर्चिंग अभियान चलाया।

ग्रीन मोन मोबिलिटी की ओर बढ़ा नगर निगम

अधिकारी चलाएंगे इलेक्ट्रिक वाहन

इंदौर

पर्यावरण संरक्षण और कार्बन उत्सर्जन कम करने की दिशा में मध्यप्रदेश सरकार ने बड़ा कदम उठाया है।

अब प्रदेश के नगर निगमों और नगरीय निकायों के वरिष्ठ अधिकारी पेट्रोल-डीजल वाहनों के बजाय इलेक्ट्रिक व्हीकल (ईवी) का उपयोग करेंगे। नगरीय प्रशासन विभाग ने इस संबंध में सभी नगर निगमों को निर्देश जारी कर दिए हैं।

नगर निगम प्रशासन ने एमपी ईवी पॉलिसी 2025 के तहत पहले चरण में अधिकारियों के लिए इलेक्ट्रिक वाहनों की व्यवस्था शुरू कर दी है। भोपाल नगर निगम ने इसकी शुरुआत 50 इलेक्ट्रिक वाहनों से की है। इन वाहनों का उपयोग आयुक्त, अपर आयुक्त, उपायुक्त और अन्य वरिष्ठ अधिकारी करेंगे। इससे सरकारी कामकाज में ग्रीन मोबिलिटी को बढ़ावा मिलेगा। हालांकि शहरों में चार्जिंग नेटवर्क की कमी अभी भी बड़ी चुनौती बनी हुई है। भोपाल में स्मार्ट सिटी दफ्तरों में चार्जिंग प्वाइंट उपलब्ध हैं, लेकिन अन्य सरकारी कार्यालयों में यह सुविधा सीमित है। अधिकारियों का कहना है कि चार्जिंग इंफ्रास्ट्रक्चर बढ़ाए बिना बड़े स्तर पर ईवी उपयोग आसान नहीं होगा। सरकार का मानना है कि इलेक्ट्रिक वाहनों के उपयोग से ईंधन खर्च में कमी आएगी।

इंदौर। शुक्रवार को धारभोजशाला को लेकर हाईकोर्ट में हिंदू पक्ष के पक्ष में फैसला आने के बाद हाईकोर्ट के बाहर खुशी मनाते हुए लोग। वहीं हाईकोर्ट के निर्णय आने के पहले राजवाड़ा पर भारी पुलिस बल तैनात रहा।

न्यूज ब्रीफ

उन्नत कृषकों से 25 मई तक मंगाए गए आवेदन

इंदौर। इन्दौर जिले में किसानों को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से वर्ष 2025-26 में कृषि की उन्नत तकनीक अपनाकर अधिक उत्पादन प्राप्त कर अपनी आय बढ़ाने वाले उन्नत किसानों को राज्य शासन द्वारा पुरस्कृत किया जाएगा। यह पुरस्कार कृषि, उद्यानिकी, पशुपालन, मत्स्य पालन, कृषि अभियांत्रिकी किसानों को आत्मा योजनान्तर्गत मिलेंगे। कृषि तकनीकी प्रबंध संस्था की परियोजना संचालक सह उप संचालक मती शर्ली थामस ने बताया कि आत्मा योजनान्तर्गत उन्नत किसानों को जिला स्तर पर 25-25 हजार रुपये और विकासखण्ड स्तर पर 10-10 हजार के पुरस्कार प्रदान किए जाएंगे। इसके लिये विभाग द्वारा जिले के किसानों से 25 मई 2026 तक निर्धारित प्रपत्र में आवेदन मंगाए गए हैं। कृषि श्रेणी हेतु आवेदन संबंधित विकासखण्ड के विकासखण्ड तकनीकी प्रबंधक आत्मा या वरिष्ठ कृषि विकास अधिकारी से प्राप्त किए जा सकते है। इसी प्रकार उद्यानिकी कृषक आवेदन उद्यान विभाग तथा पशुपालक कृषक पशुपालन विभाग से और मछली पालक कृषक मछली पालन विभाग से एवं कृषि अभियांत्रिकी विभाग से आवेदन प्राप्त कर, आवेदन संबंधित उसी विभाग से सत्यापन पश्चात 25 मई 2026 शाम 6 बजे तक जमा कर सकते है।

इंदौर से पहली बार रेल विभाग कराएगा नेपाल यात्रा

इंदौर। मध्य प्रदेश से अभी तक देश के तीर्थ स्थानों तक आईआरसीटीसी रेल से यात्राएं प्लान करता था, लेकिन पहली बार प्रदेश के यात्रियों को नेपाल यात्रा पर ले जाया जा रहा है। इस यात्रा के लिए ट्रेन इंदौर, उज्जैन, शुजालपुर, सिहोर, भोपाल, इटारसी, जबलपुर, कटनी, सतना होते हुए जाएगी। इन स्टेशनों से यात्री ट्रेन में सवार हो सकते हैं। रतलाम रेल मंडल के जनसंपर्क अधिकारी मुकेश कुमार ने बताया कि 60 से ज्यादा यात्रियों ने इस ट्रेन के लिए बुकिंग भी करा दी है। 9 दिनों के सफर में चितवन राष्ट्रीय उद्यान, पोखरा, और काठमांडू के दर्शनीय व धार्मिक स्थलों का भ्रमण कराया जाएगा।

जलसंकट को लेकर जनता का आक्रोश सड़क पर फट पड़ा

कांग्रेस कार्यकर्ताओं और नागरिकों ने 22 जोनल कार्यालयों का किया घेराव

इंदौर।

शहर में गहराते जल संकट को लेकर शुक्रवार को जनता का आक्रोश सड़कों पर फट पड़ा। नगर निगम के 22 जोन कार्यालयों पर विरोध प्रदर्शन हुए। लोगों ने मटके फोड़े और अधिकारियों और जनप्रतिनिधियों के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। मुख्य विपक्षी दल कांग्रेस ने इस मुद्दे पर नगर निगम प्रशासन और भारतीय जनता पार्टी का घेराव किया। नगर निगम मुख्यालय पर कांग्रेसी धरने पर बैठ गए और उन्हें रोकने के लिए बड़ी संख्या में पुलिस बल लगाया गया। शहर में पानी की किल्लत और अव्यवस्थित वितरण व्यवस्था के विरोध में कांग्रेस ने बड़े आंदोलन की रणनीति तैयार की थी। गुरुवार को पूरे शहर में इसका व्यापक असर देखने को मिला। इस आंदोलन के दौरान कांग्रेस कार्यकर्ताओं और स्थानीय नागरिकों ने नगर निगम के सभी 22 जोनल कार्यालयों का घेराव किया और पानी की समस्या के प्रति प्रशासन को जगाने के लिए मटके फोड़कर अपना विरोध दर्ज करवाया।

निगम की लापरवाही से बना जलसंकट-इंदौर शहर कांग्रेस अध्यक्ष चिंटू चौकसे ने नगर निगम की कार्यप्रणाली पर गंभीर लापरवाही के आरोप लगाते हुए कहा कि निगम प्रबंधन की नाकामियों के कारण आज पूरा शहर भीषण जल संकट के दौर से गुजर रहा है। चौकसे के अनुसार, शहर की लगभग आधी आबादी तक नर्मदा का पानी आज भी नहीं पहुंच पा रहा है। जिन इलाकों में पाइपलाइन मौजूद है और पानी की सप्लाई हो भी रही है, वहां भी स्थिति बेहद खराब है। वहां न तो पानी का दबाव पर्याप्त है और न ही तय समय सीमा के अनुसार आपूर्ति की जा रही है। इसके साथ ही उन्होंने यह भी उजागर किया कि शहर के कई क्षेत्रों में लंबे समय से गंदा और दूषित पानी आने की समस्या बनी हुई है। उन्होंने बेहद कड़े लहजे में आरोप लगाया कि दूषित पानी के कारण 35 लोगों की मौत हो जाने के बाद भी सुधार के लिए कोई ठोस या प्रभावी कदम नहीं उठाए हैं।

जिन क्षेत्रों में नर्मदालाइन नहीं वहां स्थिति भयावह-कांग्रेस ने शहर के उन क्षेत्रों की स्थिति पर भी चिंता व्यक्त की है जहां अभी तक नर्मदा की पाइपलाइन नहीं बिछाई जा सकी है। इन इलाकों में रहने वाले लोग पूरी तरह से बोरिंग के पानी पर निर्भर हैं। भीषण और तेज गर्मी के कारण वर्तमान में कई क्षेत्रों के बोरिंग सूख चुके हैं या फिर उनकी मोटरें खराब हो गई हैं। चौकसे ने आरोप लगाया कि नगर निगम के नियंत्रण वाले सरकारी बोरिंगों की स्थिति निजी बोरिंगों से भी ज्यादा बदतर है। उन्होंने नगर निगम की ठेका प्रणाली पर सवाल उठाते हुए कहा कि पूरे शहर की मोटरों को सुधारने का जिम्मा केवल एक ही ठेकेदार को सौंप दिया गया है। वह ठेकेदार भी अब काम छोड़ने की बात कह चुका है, लेकिन इसके बावजूद नगर निगम प्रशासन ने समय रहते कोई वैकल्पिक या दूसरी व्यवस्था सुनिश्चित नहीं की, जिससे आम जनता की परेशानी और ज्यादा बढ़ गई है।

प्रत्येक नागरिक तक नर्मदा का जल नहीं पहुंचा

जल संकट के इस मुद्दे पर कांग्रेस ने भारतीय जनता पार्टी के दीर्घकालिक स्थानीय शासन को आड़े हाथों लिया है। कांग्रेस नेताओं ने सवाल उठाया कि नगर निगम में भाजपा के पिछले 27 वर्षों के निरंतर शासन के बाद भी शहर के प्रत्येक नागरिक तक नर्मदा का जल पहुंचाने की बुनियादी व्यवस्था क्यों नहीं की जा सकी। चिंटू चौकसे ने पूर्व के दावों की याद दिलाते हुए कहा कि जब नर्मदा परियोजना के तीसरे चरण की शुरुआत की गई थी, तब प्रशासन और सत्ताधारी दल द्वारा यह बड़े-बड़े दावे किए गए थे कि यह परियोजना साल 2040 तक की अनुमानित आबादी के लिए पर्याप्त पानी उपलब्ध कराने में पूरी तरह सक्षम रहेगी। लेकिन जमीनी हकीकत इसके बिल्कुल उलट है और वर्तमान में साल 2026 की आबादी को भी दैनिक उपयोग के लिए पर्याप्त पानी नहीं मिल पा रहा है, जिससे सारे दावों की पोल खुल गई है।

पैसों से खरीदकर पी रहे पानी

आंदोलन की रूपरेखा साझा करते हुए कांग्रेस ने नगर निगम पर जल वितरण में पक्षपात और असमानता बरतने का बड़ा आरोप लगाया है। कांग्रेस नेताओं का कहना है कि शहर में पानी का बंटवारा समान रूप से नहीं हो रहा है। कुछ रसूखदार और वीआईपी क्षेत्रों में बहुत लंबे समय तक और अत्यधिक दबाव के साथ पानी की सप्लाई की जा रही है, जबकि दूसरी तरफ शहर की आम जनता पानी की एक-एक बूंद के लिए तरस रही है और परेशान हो रही है। इस अव्यवस्था के कारण आम नागरिकों को अपनी जेब ढीली कर निजी टैंकरों से बहुत महंगे दामों पर पानी खरीदने के लिए मजबूर होना पड़ रहा है। दूसरी ओर, पार्षदों को जनता की सेवा के लिए जो सरकारी टैंकर उपलब्ध कराए गए हैं, वे भी हाइड्रेंट बंद होने के कारण पर्याप्त पानी नहीं भर पा रहे हैं क्योंकि शहर के कई प्रमुख हाइड्रेंट इस समय बंद पड़े हैं।

बिलावली में फूटा जनता का गुस्सा, पानी की समस्या को लेकर मटके फोड़े

इंदौर के वार्ड क्रमांक 75, जोन बिलावली क्षेत्र में पीने के पानी की गंभीर समस्या को लेकर रहवासियों का आक्रोश सड़कों पर दिखाई दिया। क्षेत्रीय पार्षद कुणाल सोलंकी के नेतृत्व में बड़ी संख्या में रहवासियों ने प्रदर्शन करते हुए खाली मटके फोड़े और नगर निगम प्रशासन के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। प्रदर्शनकारियों का कहना था कि पिछले कई दिनों से क्षेत्र में पानी की सप्लाई बाधित है, जिससे आम नागरिकों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। भीषण गर्मी के बीच पानी की कमी ने लोगों का जीवन प्रभावित कर दिया है। रहवासियों ने आरोप लगाया कि कई बार शिकायत करने के बावजूद समस्या का स्थायी समाधान नहीं किया गया। इस दौरान

कि यदि जल्द ही पानी की समस्या का समाधान नहीं किया गया तो आंदोलन और उग्र किया जाएगा। उन्होंने नगर निगम प्रशासन से तत्काल पर्याप्त पानी सप्लाई सुनिश्चित करने की मांग की।

जन संघर्ष समन्वय समिति ने बेदखली और लाठीचार्ज को बताया लोकतंत्र पर हमला

केन-बेतवा परियोजना के विरोध में पुलिस कार्रवाई की निंदा

भोपाल । जन संघर्ष समन्वय समिति मध्यप्रदेश ने केन-बेतवा नदी जोड़ो परियोजना के विरोध में प्रदर्शन कर रहे ग्रामीणों पर पुलिस कार्रवाई की कड़ी निंदा की है। समिति का आरोप है कि ढोढन, पलकौहा, कूपी सहित आसपास के गांवों में प्रशासन ने जबरन बेदखली, मकानों पर बुलडोजर कार्रवाई तथा प्रदर्शनकारियों पर लाठीचार्ज और आंसू गैस का प्रयोग किया। समिति के अनुसार आंदोलन से जुड़े नेताओं अमित भटनागर, दिव्या अहिरवार और हिसाबी राजपूत समेत 150 लोगों पर हत्या के प्रयास और बलवा जैसी धाराओं में फर्जी प्रकरण दर्ज किए गए हैं। समिति ने आरोप लगाया कि यह कार्रवाई आंदोलन को दबाने के उद्देश्य से की गई है। समिति ने परियोजना को बुंदेलखंड के संसाधनों की लूट और पर्यावरणीय संकट बताते हुए बेदखली रोकने, गिरफ्तार लोगों की रिहाई, फर्जी एफआईआर निरस्त करने तथा विस्थापित परिवारों के सम्मानजनक पुनर्वास की मांग की है। साथ ही पुलिस कार्रवाई की न्यायिक जांच कराने और पुनर्वास पूरा होने तक परियोजना कार्य रोकने की मांग भी की गई है।

एमपी पॉवर जनरेटिंग कंपनी में 72 युवाओं को नियुक्ति-पत्र

सितंबर 2025 से अब तक 277 चयनित अभ्यर्थियों को मिल चुकी नियुक्ति

भोपाल। मध्यप्रदेश पॉवर जनरेटिंग कंपनी लिमिटेड ने भर्ती प्रक्रिया के तहत 72 चयनित अभ्यर्थियों को नियुक्ति-पत्र जारी किए हैं। इनमें प्रथम प्रतीक्षा सूची के 29 अभ्यर्थी भी शामिल हैं। कंपनी के अनुसार सितंबर 2025 से अब तक विभिन्न पदों पर कुल 277 चयनित उम्मीदवारों को नियुक्ति दी जा चुकी है।

कंपनी द्वारा जारी जानकारी के अनुसार सीधी भर्ती प्रक्रिया के तहत श्रेणी-2 एवं श्रेणी-3 के विभिन्न पदों पर 43 अभ्यर्थियों को नियुक्ति-पत्र दिए गए हैं। श्रेणी-2 में सहायक अभियंता प्रशिक्षु (मैकेनिकल, इलेक्ट्रिकल, इलेक्ट्रॉनिक्स) तथा शिफ्ट केमिस्ट प्रशिक्षु पद शामिल हैं। इन अभ्यर्थियों को कार्यपालक निदेशक मानव संसाधन एवं प्रशासन कार्यालय, शक्ति भवन, रामपुर, जबलपुर में निर्धारित तिथि पर उपस्थित होने के निर्देश दिए गए हैं।वहीं श्रेणी-3 के अंतर्गत कनिष्ठ अभियंता प्रशिक्षु एवं कार्यालय सहायक ग्रेड-3 प्रशिक्षु पदों के चयनित उम्मीदवारों को आवंटित पदस्थापना स्थल पर रिपोर्ट करने को कहा गया है। कंपनी ने स्पष्ट किया है कि सभी नियुक्तियां प्रशिक्षु के रूप में की गई हैं तथा अभ्यर्थियों को आवश्यक दस्तावेजों के साथ समय-सीमा में उपस्थित होना होगा। इन पदों के लिए कंप्यूटर आधारित परीक्षा (सीबीटी) फरवरी 2026 में आयोजित की गई थी।

प्रतीक्षा सूची के अभ्यर्थियों को भी अवसर

मार्च 2026 में घोषित प्रथम प्रतीक्षा सूची के 29 अभ्यर्थियों को दस्तावेज सत्यापन के बाद नियुक्ति-पत्र जारी किए गए हैं। इनमें सहायक अभियंता प्रशिक्षु, चिकित्सा अधिकारी प्रशिक्षु, कनिष्ठ अभियंता, कनिष्ठ शीघ्रलेखक, कार्यालय सहायक ग्रेड-3, प्लांट असिस्टेंट तथा सुरक्षा गार्ड प्रशिक्षु पद शामिल हैं। सभी चयनित अभ्यर्थियों को निर्धारित तिथि के भीतर अपने पदस्थापना स्थल पर उपस्थित होने के निर्देश दिए गए हैं। कंपनी ने नियुक्ति-पत्र अपनी आधिकारिक वेबसाइट के कैरियर अनुभाग में अपलोड कर दिए हैं। उम्मीदवार वहां से विस्तृत जानकारी प्राप्त कर सकते हैं।

सीसीटीवी जांच कर परिवार को सुरक्षित सौंपा सामान, ईमानदारी की हो रही सराहना

डोडी पर्यटन इकाई के कर्मचारियों ने लौटाया 25 लाख के गहनों से भरा बैग

भोपाल। मध्यप्रदेश राज्य पर्यटन विकास निगम की डोडी पर्यटन इकाई के कर्मचारियों ने ईमानदारी और जिम्मेदारी का परिचय देते हुए करीब 25 लाख रुपए के गहनों से भरा बैग उसके मालिक को सुरक्षित लौटाया।

जानकारी के अनुसार भोपाल निवासी अशोक गुप्ता परिवार सहित उज्जैन से लौटते समय इंदौर-भोपाल मार्ग स्थित डोडी पर्यटन इकाई पर रुके थे। इसी दौरान उनका गहनों और जरूरी सामान से भरा बैग वहां छूट गया। कुछ दूरी जाने के बाद बैग गायब होने का पता चलने पर परिवार वापस पहुंचा और कर्मचारियों से मदद मांगी। इकाई प्रबंधक राजेश छुगानी ने मामले को गंभीरता से लेते हुए सीसीटीवी फुटेज की जांच कराई।

जांच में पता चला कि रेस्टोरेंट कर्मचारी पप्पू बागवान और अशोक बागवान को बैग लावारिस हालत में मिला था। दोनों कर्मचारियों ने बैग को सुरक्षित रूप से सुरक्षा कर्मियों के पास जमा करा दिया। कर्मचारियों की सतर्कता और ईमानदारी से पूरा सामान सुरक्षित गुप्ता परिवार को वापस मिल गया। परिवार ने कर्मचारियों और प्रबंधन का आभार जताते हुए कहा कि आज भी समाज में ईमानदारी और मानवता जीवित है।

6 लाख से ज्यादा शिकायतें लंबित, सीएम हेल्पलाइन की व्यवस्था पर उठे सवाल

भोपाल। सीएम हेल्पलाइन में बढ़ती शिकायतों ने सरकारी व्यवस्था पर बड़े सवाल खड़े कर दिए हैं। अप्रैल महीने में प्रदेशभर से पेयजल से जुड़ी 6457 शिकायतें दर्ज हुईं, लेकिन इनमें से केवल 35 प्रतिशत मामलों का ही निराकरण हो सका। इंदौर के भागीरथपुरा में दूषित पेयजल से हुई 35 लोगों की मौत के बाद भी शिकायतों के निपटारे में अपेक्षित सुधार नहीं दिख रहा है।सीएम हेल्पलाइन के आंकड़ों के मुताबिक अप्रैल महीने में कुल 4 लाख 39 हजार शिकायतें दर्ज हुईं, जिनमें केवल 39 प्रतिशत का ही समाधान हो पाया। शिकायतों के निराकरण में बड़वानी जिला 46 प्रतिशत समाधान दर के साथ ग्रेड-ए में शामिल रहा। वहीं प्रदेशभर में अब भी 6 लाख 34 हजार शिकायतें लंबित हैं। इनमें करीब 1 लाख 60 हजार शिकायतें ऐसी हैं जो 50 दिन से अधिक समय से लंबित पड़ी हैं।भोपाल जिला सबसे अधिक लंबित शिकायतों वाले जिलों में शामिल है।

इलेक्ट्रिक व्हीकल से होगा कचरा कलेक्शन

ग्रीन मोबिलिटी पर सरकार का बड़ा फैसला, ईवी में चलेंगे निगम अधिकारी

भोपाल। मध्यप्रदेश सरकार ने ग्रीन मोबिलिटी को बढ़ावा देने की दिशा में बड़ा कदम उठाया है। अब नगर निगम अधिकारियों की आवाजाही के लिए इलेक्ट्रिक व्हीकल का उपयोग किया जाएगा, वहीं शहरों में डोर-टू-डोर कचरा कलेक्शन भी ईवी वाहनों से कराने की तैयारी शुरू हो गई है। नगरीय प्रशासन विभाग ने इस संबंध में प्रदेश की सभी नगरीय निकायों को निर्देश जारी कर दिए हैं।

नगरीय प्रशासन आयुक्त संकेत भोंडवे द्वारा जारी निर्देशों के अनुसार सरकारी कामकाज में पेट्रोल-डीजल वाहनों की निर्भरता कम की जाएगी। सरकार का उद्देश्य कार्बन उत्सर्जन घटाना और पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा देना है। इसी दिशा में मध्यप्रदेश इलेक्ट्रिक व्हीकल पॉलिसी 2025 पहले से लागू है, जिसके तहत राज्य में ईवी उपयोग और चार्जिंग इंफ्रास्ट्रक्चर बढ़ाने पर जोर दिया जा रहा है।

भोपाल नगर निगम ने पहले चरण में 25 अधिकारियों के लिए इलेक्ट्रिक वाहन उपलब्ध कराने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। इसके अलावा कुल 50 इलेक्ट्रिक कार खरीदे जाने की योजना तैयार की गई है, जिन्हें अपर आयुक्त, उपायुक्त और सहायक आयुक्त स्तर के अधिकारियों को दिया जाएगा।

सरकार की योजना केवल अधिकारियों तक सीमित नहीं है। नगर निगम अब कचरा कलेक्शन व्यवस्था को भी इलेक्ट्रिक मोबिलिटी से जोड़ने जा रहा है। वर्तमान में निगम के पास सफाई और कचरा संग्रहण के लिए 435 वाहन हैं, जिनमें सीएनजी और डीजल वाहन शामिल हैं। अब निगम 200 इलेक्ट्रिक मिनी गार्बेज व्हीकल खरीदने की तैयारी कर रहा है, ताकि धीरे-धीरे डीजल आधारित वाहनों की जगह ईवी ले सकें।

हालांकि इस योजना के सामने सबसे बड़ी चुनौती चार्जिंग इंफ्रास्ट्रक्चर की मानी जा रही है। अधिकारियों का कहना है कि शहर में पर्याप्त चार्जिंग स्टेशन नहीं होने के कारण ईवी का उपयोग सीमित रहता है। विशेषज्ञों का मानना है कि यदि चार्जिंग नेटवर्क मजबूत किया गया तो मध्यप्रदेश ग्रीन मोबिलिटी मॉडल के रूप में तेजी से आगे बढ़ सकता है।

भोपाल मेट्रो के अंडरग्राउंड रूट विवाद पर सुनवाई टली

वक्फ ट्रिब्यूनल में अब 23 जून को होगी स्टे आवेदन पर बहस

भोपाल। पुराने भोपाल के बड़ा बाग कब्रिस्तान के नीचे से प्रस्तावित अंडरग्राउंड मेट्रो लाइन को लेकर चल रहे विवाद में मध्यप्रदेश राज्य वक्फ ट्रिब्यूनल में गुरुवार को सुनवाई नहीं हो सकी। न्यायाधीश के अवकाश पर होने के कारण अब मामले की अगली सुनवाई 23 जून को निधारित की गई है। कमेटी इंतेजामियां औकाफ-ए-अम्मा ने बड़ा बाग कब्रिस्तान और नारियलखेड़ा स्थित वक्फ जमीन पर मेट्रो निर्माण के विरोध में दो प्रकरण दायर किए हैं। कमेटी की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता अंसार उल हक और अधिवक्ता इब्राहिम सरवत शरीफ खान पैरवी कर रहे हैं। याचिका में दावा किया गया है कि प्रस्तावित मेट्रो लाइन से कब्रिस्तान के करीब एक एकड़ क्षेत्र के प्रभावित होने और कई कब्रों की संरचना को नुकसान पहुंचने की आशंका है। साथ ही मेट्रो परियोजना से संबंधित विस्तृत नक्शा, तकनीकी रिपोर्ट और सुरक्षा आकलन सार्वजनिक नहीं किए जाने पर भी आपत्ति जताई गई है। गुरुवार को स्टे आवेदन पर बहस होनी थी, लेकिन सुनवाई स्थगित होने से अब मामले पर अगली सुनवाई 23 जून को होगी।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव घायल श्रमिकों का हाल जानने अमलतास अस्पताल पहुंचे

नीमच। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने टोंककला स्थित पटाखा फैक्ट्री में हुए विस्फोट की घटना का त्वरित संज्ञान लिया है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने अमलतास अस्पताल पहुंचकर दुर्घटना में घायल हुए श्रमिकों का हाल जाना। उन्होंने सभी घायलों के स्वास्थ्य की स्थिति की विस्तृत जानकारी ली। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने अस्पताल प्रबंधन को दुर्घटना में घायलों के समुचित उपचार के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि उपचार में किसी भी प्रकार की कोताही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने घायलों को आश्वस्त किया कि संकट की इस घड़ी में प्रदेश सरकार आपके साथ है, प्रत्येक पीड़ित को हर संभव मदद उपलब्ध कराई जाएगी। इस हृदय विदारक दुर्घटना में जिन श्रमिकों की असामयिक मृत्यु हुई है, मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने उनके प्रति अपनी गहरी संवेदनाएं व्यक्त की। राज्य सरकार की ओर से प्रत्येक मृतक के शोकाकुल परिवार को 4-4 लाख रुपये की आर्थिक सहायता दी जायेगी। टोंककला स्थित पटाखा फैक्ट्री में सुरक्षा मानकों की अनदेखी या किसी भी तरह के अवैध संचालन की गहनता से पड़ताल की जाएगी। जांच के आदेश भी दिए हैं।

जांच रिपोर्ट के आधार पर जो भी दोषी पाया जाएगा, उसके विरुद्ध कठोर कानूनी कार्रवाई की जाएगी। इस दौरान सोनकच्छ विधायक डॉ. राजेश सोनकर, रायसिंह सैंधव सहित अन्य जनप्रतिनिधि, संभागायुक्त आशीष सिंह, एडीजी राकेश गुप्ता, डीआईजी नवनीत भसीन, कलेक्टर ऋतुराज सिंह, पुलिस अधीक्षक पुनीत गेहलोद सहित अन्य अधिकारीगण उपस्थित थे।

कलेक्टर ने आरोपी अनिल मालवीय एवं आरोपी आज़ास खान पर एनएसए के तहत कार्रवाई की

कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी ऋतुराज सिंह ने आरोपी अनिल पिता दिनेश मालवीय एवं आरोपी आजास पिता नजाम खान के विरुद्ध लोक व्यवस्था के अनुरक्षण के प्रतिकूल किसी भी रीति से कार्य करने से रोकने के अभिप्राय से राष्ट्रीय सुरक्षा अधिनियम के तहत कार्रवाई की है। कलेक्टर ने राष्ट्रीय सुरक्षा अधिनियम, 1980 की धारा 3 की उप धारा (2) में प्रदत्त शक्तियों अन्तर्गत दोनों आरोपियों के विरुद्ध निरुद्ध आदेश जारी किया है। आरोपियों को तीन माह तक की अवधि के लिए निरुद्ध कर केन्द्रीय जेल भेरूगढ़ उज्जैन में रखा जाएगा। कार्यवाही पुलिस अधीक्षक द्वारा दिये गये प्रतिवेदन के आधार पर की गई है।

शनि जयंती आज विशेष कांकड़ा आरती

देवास। मीरा बावडी स्थित श्री शनिदेव सत्यनारायण मन्दिर मे आयोजित श्री शनि जयंती महोत्सव मे चतुर्थ दिवस भरत चरित्र व्याख्यान में पडित ओमप्रकाश चतुर्वेदी ने कहा रामायण में मर्यादा पुरूषोत्तम राम है। भरत जैसा धर्मपुरूष लक्ष्मण कर्म के पुजारी है और शत्रुघ्न सदा मौन रहने वाले पात्र है। शत्रुघ्न ने सदा भरत को ही राम माना और उन्हीं में राम का दर्शन किया है। मन्दिर पुजारी पंडित अजय कुमार ने बताया कि शनिवार को महोत्सव का मुख्य आकर्षण शनि जयन्ती है। सूर्यपुत्र यमाग्रज शनिदेव का जन्म दिवस है। वट सावित्री अमावस्या और शनिचरी अमावस्या का विशेष योग है। शनिवार को प्रातः 5.45 पर काकडा आरती होगी। प्रातः 6.30 बजे से पं. संजय जोशी एवं अन्य एकदश ब्राह्मणों के आचार्यत्व में श्री शनिदेव का लघु रूद्राभिषेक सुप्रसिद्ध समाजसेवी रोहित सुपेकर के कर कमलों से सम्पन्न होगा। प्रातः 9 बजे से श्री शनिदेव की तंत्रोक्त मंत्र की आहुतियों का हवन होगा।

फैक्ट्री ब्लास्ट की घटना के बाद अब दो मजदूर लापता

आखिरी बार बिलिंग रूम में देखा था

देवास। टोंक कला के पास हुई पटाखा फैक्ट्री ब्लास्ट की घटना के बाद अब दो मजदूरों के लापता होने की बात सामने आई है। हादसे में घायल मजदूरों का कहना है कि उनके दो साथी राजू और बाबुल ब्लास्ट के बाद से लापता हैं। दोनों का अब तक कोई पता नहीं चल पाया है। दोस्तों ने आशंका जताई है कि कहीं दोनों हादसे का शिकार तो नहीं हो गए। वहीं इस हादसे में अब तक 5 मजदूरों की मौत हो चुकी है।

गुरुवार देर रात शव परिजनों को सौंप दिए गए। देवास जिला अस्पताल में भर्ती घायल मजदूर शशि कुमार ने बताया कि ब्लास्ट से पहले उनकी राजू और बाबुल से खाना खाते समय बात हुई थी। इसके बाद दोनों नजर नहीं आए। शशि कुमार के मुताबिक हादसे के बाद से दोनों से कोई संपर्क नहीं हो पा रहा है। परिजनों से भी बात की गई और अलग-अलग अस्पतालों में भर्ती घायलों के बारे में जानकारी जुटाई गई, लेकिन दोनों का कहीं पता नहीं चला।

घायल मजदूरों और उनके साथियों का कहना है कि उन्हें आशंका है कि कहीं दोनों के शव घटना स्थल पर ही न हों। इसी वजह से वे घटना स्थल पर जाकर जानकारी लेने की मांग कर रहे हैं।

मजदूरों ने बताया कि राजू और बाबुल बिहार के अरहरिया जिले के रहने वाले हैं।

कुछ महीने पहले ही गांव से काम करने देवास आए थे। कलेक्टर और जिला दंडाधिकारी ऋतुराज सिंह ने मामले की जांच के लिए एक विशेष दल का गठन किया है। गठित जांच दल में अधीक्षण यंत्री विद्युत विभाग देवास, क्षेत्रीय अधिकारी प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड देवास और उप संचालक औद्योगिक एवं स्वास्थ्य सुरक्षा देवास को सदस्य बनाया गया है। जांच दल फैक्ट्री में हुए हादसे के कारणों, सुरक्षा व्यवस्थाओं और नियमों के पालन की जांच करेगा।

नेनो बीफ्र

राजनैतिक पदाधिकारियों की बैठक आयोजित

आगर मालवा। नगरीय निकाय एवं त्रिस्तरीय पंचायतों की फोटोयुक्त मतदाता सूची के वार्षिक पुनरीक्षण कार्यक्रम के अंतर्गत शुक्रवार को उप जिला निर्वाचन अधिकारी एवं अपर कलेक्टर आरपी वर्मा की अध्यक्षता में मान्यता प्राप्त राजनैतिक दलों के पदाधिकारियों की बैठक आयोजित की गई। बैठक में राज्य निर्वाचन आयोग द्वारा जारी पुनरीक्षण कार्यक्रम की जानकारी देते हुए मतदाता सूची पुनरीक्षण कार्य में सहयोग करने का आग्रह किया गया। बैठक में बताया गया कि एक जनवरी 2026 की संदर्भ तिथि के आधार पर मतदाता सूची का पुनरीक्षण किया जा रहा है। फोटोयुक्त प्रारूप मतदाता सूची का सार्वजनिक प्रकाशन 15 मई 2026 को जिले के सभी मतदान केन्द्रों पर कर दिया गया है। प्रारूप प्रकाशन के साथ ही दावे एवं आपत्तियां प्राप्त करने की प्रक्रिया प्रारंभ हो गई है, जो 25 मई 2026 तक जारी रहेगी। प्राप्त दावे-आपत्तियों का निराकरण 30 मई 2026 तक किया जाएगा।

रजिस्ट्री कराने वाले नागरिकों को नहीं होगी असुविधा

नीमच। कलेक्टर हिमांशु चंद्रा के निर्देशानुसार अब संपत्ति की रजिस्ट्री करने वाला उप पंजीयन कार्यालय, कलेक्ट्रेट के स्थान पर तहसील कार्यालय नीमच के सुविधायुक्त 2 कक्षों में संचालित होना प्रारंभ हो गया है। नागरिकों की सुविधा को दृष्टिगत रखते हुए पंजीयन कक्ष के बाहर पक्षकारों के बैठने की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित की गई है। साथ ही पेयजल की भी व्यवस्था की जा रही है, जिससे रजिस्ट्री कराने आने वाले नागरिकों को किसी प्रकार की असुविधा न हो। उप पंजीयक नीमच श्री माधव खेर ने बताया कि कलेक्ट्रेट से नवीन संयुक्त तहसील कार्यालय भवन में पंजीयन कार्यालय के स्थानांतरित होने के बाद, पहले दिन 15 मई को 25 संपतियों की रजिस्ट्री की गई है। पक्षकारों ने नवीन कक्षों में पंजीयन कार्यालय संचालित होने पर इस इस भवन को सुविधाजनक बताया है।

हादसे पर इंटक का फूटा गुस्सा

देवास। जिले के टोंककलां क्षेत्र में आगरा-मुंबई हाईवे किनारे स्थित एक पटाखा फैक्ट्री में हुए भीषण विस्फोट ने पूरे इलाके को झकझोर कर रख दिया। इस दर्दनाक हादसे में 5 से अधिक निर्दोष श्रमिकों की मौत हो चुकी है, जबकि कई मजदूर जिंदगी और मौत के बीच संघर्ष कर रहे हैं। इस घटना पर गहरा दुख व्यक्त करते हुए भारतीय मजदूर कांग्रेस (इंटक) ने प्रदेश सरकार पर तीखा हमला बोला है। इंटक के प्रदेश मीडिया प्रभारी कैलाश वर्मा ने बताया कि संगठन के प्रदेशाध्यक्ष श्यामसुंदर यादव ने हादसे की कड़ी निंदा करते हुए मृत श्रमिकों के परिजनों को 25-25 लाख रुपये तथा घायलों को 10 लाख रुपये की आर्थिक सहायता तत्काल प्रदान करने की मांग की है।

अनुसूचित जाति के 25 परिवारों ने प्रशासन पर लगाया अनदेखी का आरोप

कोर्ट से जीत के बाद भी नहीं मिला अपनी जमीन का कब्जा

देवास। जिले की सोनकच्छ तहसील के ग्राम पीपलरावां में जमीन विवाद का मामला सामने आया है। गांव के करीब 25 अनुसूचित जाति परिवारों ने जिला प्रशासन से गुहार लगाते हुए आरोप लगाया है कि न्यायालय से मालिकाना हक मिलने के बावजूद उन्हें आज तक अपनी कृषि भूमि का कब्जा नहीं मिल पाया है। प्रार्थीगण चन्दाबाई बेवा राजेन्द्र उर्फ अंटिया, गोलू पिता राजेन्द्र उर्फ अंटिया, पायल पिता राजेन्द्र उर्फ अंटिया, दशरथबाई बेवा अमरसिंह, गोविन्द पिता अमरसिंह, बंटी पिता अमरसिंह, पिंकी पिता अमरसिंह एवं कुन्ताबाई बेवा भगवतीया सहित 25 लोगों ने जिलाधीश देवास को आवेदन सौंपकर न्याय की मांग की है। प्रार्थीगण के अनुसार ग्राम पीपलरावां स्थित भूमि उनके नाम दर्ज है। जमीन के बंटवारे और सीमांकन को लेकर उन्होंने कई बार तहसील कार्यालय में आवेदन प्रस्तुत किए, लेकिन हर बार तकनीकी

कारण बताते हुए आवेदन निरस्त कर दिए गए। आरोप है कि बिना मौके का सही निरीक्षण किए पटवारी द्वारा गलत रिपोर्ट प्रस्तुत की गई, जिसके चलते कार्रवाई अटक गई।

पीड़ित परिवारों का कहना है कि उनकी भूमि पर गांव के कुछ लोगों द्वारा अवैध कब्जा कर लिया गया है और उन्हें डराकर जमीन से दूर रखा जा रहा है। मामले में व्यवहार न्यायालय सोनकच्छ ने वर्ष 2025 में फैसला सुनाते हुए प्रार्थीगण को भूमि का वास्तविक मालिक माना था। इसके बाद विपक्षी पक्ष जाहिद खान एवं अजीज खान द्वारा दायर अपील को भी अपर जिला न्यायाधीश सोनकच्छ ने 15 अप्रैल 2026 को निरस्त कर दिया।

दोनों न्यायालयों के आदेश आने के बाद भी राजस्व विभाग द्वारा कब्जा नहीं दिलाए जाने से पीड़ित परिवारों में भारी नाराजगी है। उनका आरोप है कि तहसील स्तर पर न्यायालय के आदेशों का पालन नहीं किया जा रहा और प्रशासनिक उदासीनता के कारण वे वर्षों से अपनी ही जमीन से वंचित हैं। पीड़ितों ने जिलाधीश से मांग की है कि संबंधित भूमि का तत्काल सीमांकन और बटांकन कराकर अवैध कब्जा हटाया जाए तथा वास्तविक मालिकों को उनका

एनसीसी द्वारा वार्षिक प्रशिक्षण शिविर आयोजित

रतलाम। 21 मप्र बटालियन एनसीसी रतलाम द्वारा वार्षिक प्रशिक्षण शिविर 11 मई से 20 मई तक शासकीय एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय सैलाना में आयोजित किया जा रहा है । शिविर में कमान अधिकारी कर्नल राघवेन्द्र सिंह के मार्गदर्शन में एव प्रशासनिक अधिकारी कर्नल संदीप अहलावत के निर्देशन में प्रतिदिन प्रातः सैन्य विषय के प्रशिक्षण अन्तर्गत शस्त्र प्रशिक्षण, फायरिंग, नेवीगेशन, टेन्ट पिंचिंग, कवायद, मेप रीडिंग इत्यादि विषयों का प्रशिक्षण दिया जा रहा है, इसी के साथ-साथ ही प्रतिदिन विभिन्न प्रकार के मोटिवेशनल एवं सुरक्षात्मक विषयो पर व्याख्यान कैडेट्स को दिए जा रहे है। इसी कढ़ी में डिप्टी केम्प कमान्डेन्ट कर्नल संदीप अहलावत द्वारा कैडेट्स को व्यक्तित्व विकास, इंटरव्यू देना तथा बॉडी लैंग्वेज विषय पर जनजागरूक व्याख्यान दिया गया।

भीषण आग, चीखें और मची अफरा-तफरी

शासन-प्रशासन के साथ 108 एम्बुलेंस टीम ने संभाला मोर्चा

देवास। जिले के टोंककला स्थित पटाखा फैक्ट्री में लगी भीषण आग ने पूरे क्षेत्र को दहला दिया, लेकिन इस भयावह हादसे के बीच 108 एम्बुलेंस की पूरी टीम ने शासन-प्रशासन के साथ मिलकर सेवा मानवता की सबसे बड़ी उम्मीद बनकर सामने आई। आग में गंभीर रूप से झुलसे दो दर्जन से अधिक घायलों को तत्काल उपचार दिलाने के लिए 108 एम्बुलेंस की टीमें पूरी रात बिना रुके राहत एवं बचाव कार्य में जुटी रहीं एवं देवास जिला सहित इंदौर, उज्जैन और शाजापुर की लगभग 28 एम्बूलेंस से घायलों को उपचार हेतु विभिन्न अस्पतालों में भर्ती कराया गया।

घटना की सूचना मिलते ही जय अम्बे इमरजेंसी सर्विसेज 108 एम्बुलेंस सेवा ने तत्परता दिखाते हुए देवास सहित आसपास के जिलों से कुल 28 एम्बुलेंस मौके पर भेजीं। एम्बुलेंस टीम ने घायलों को घटनास्थल से जिला अस्पताल और वहां से इंदौर के अलग-अलग अस्पतालों तक पहुंचाकर उपचार शुरू कराया। पूरा दिन प्रशासनिक एवं स्वास्थ्य विभाग की टीमें राहत व्यवस्था में जुटी रहीं। सीएमएचओ के मार्गदर्शन में 108 सेवा के आर.एम.ओ. डॉ. अजय पटेल, नोडल अधिकारी कमल डाबर एवं 108 एम्बूलेंस के जिला प्रबंधक निलेश चौहान

लगातार जिला अस्पताल में व्यवस्थाओं में लगे रहे। पटाखा विस्फोट की घटना के अगले दिन शुक्रवार को प्रातः करीब 5 बजे एक और बड़ा हादसा हो गया। घायलों से जुड़ी सहायता व्यवस्था में लगी नई बोलेरो वाहन क्रमांक एमपी 09 एजे 1752 अचानक अनियंत्रित होकर खाई में जा पलटी। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार बोलेरो गेंद की तरह कई बार पलटी खाती हुई नीचे जा गिरी।

घटना की जानकारी मिलते ही शहर में विभिन्न स्थानों पर खडी आसपास की तीन अलग-अलग 108 एम्बुलेंस मौके पर पहुंचीं और सभी घायलों को तत्काल देवास जिला अस्पताल लाया गया। 108 एम्बूलेंस की पूरी टीम 24 घंटे जागरूक रहकर कार्य कर रही है और एक फोन पर मौके पर पहुंचकर विभिन्न प्रकार से घायल हुए मरीजों को अस्पताल पहुंचाकर सतत रूप से सेवाएं दे रहे है।

जिला प्रभारी ने जनगणना कार्य का निरीक्षण किया

शाजापुर। जनगणना कार्य निदेशालय मध्यप्रदेश भोपाल से जनगणना संभाग प्रभारी राजेश मोर्य एवं जनगणना जिला प्रभारी मिलिंद देशपांडे द्वारा आज ग्राम सुंदरसी का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान जनगणना कार्य हेतु नियुक्त सुपरवाईजर एवं प्रगणको से चर्चा कर कार्य के दौरान आ रही समस्याओं का समाधान किया गया तथा ग्राम का भ्रमण कर जनगणना कार्यवाही की वास्तविक स्थिति का जायजा लिया गया। तथा जनगणना सुपरवाईजरों एवं प्रगणको को समय-सीमा में शत-प्रतिशत कार्यवाही के संबंध मे निर्देश प्रदान किये गये।

एसडीएम ने किया सिंगोली क्षेत्र की मैगजीन भण्डारण केंद्रों का निरीक्षण

सुरक्षा व्यवस्थाओं का लिया जायजा, नियमों के पालन के दिए निर्देश

नीमच। कलेक्टर हिमांशु चंद्रा के निर्देशानुसार जिले में विस्फोटक भंडारण स्थलों की सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित करने हेतु प्रशासनिक अधिकारियों द्वारा सतत निरीक्षण किया जा रहा है।

इसी क्रम में शुक्रवार को एसडीएम जावद सुश्री प्रीति संघवी, एसडीओपी जावद अमित राठौर, तहसीलदार प्रेम शंकर पटेल, नायब तहसीलदार बालकृष्ण मकवानाने

सिंगोली तहसील के ग्राम फुसरिया, जराड़, सोलंकी खेड़ा, अथवा, खोलपुराबड़ी आदि स्थानों पर स्थित सभी मैगजीनों के भण्डारण स्थलों, गोदामों का आकस्मिक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान विस्फोटक भंडारण, सुरक्षा मानकों, अग्निशमन व्यवस्था, अभिलेख संधारण एवं परिसर की सुरक्षा का सूक्ष्मता से परीक्षण किया गया।

नारकोटिक्स नियंत्रण हेतु सभी विभाग संयुक्त एवं प्रभावी कार्रवाई करें : कलेक्टर

तीन फार्मासिस्ट दुकानों के लाइसेंस सस्पेंड, 6 को नोटिस जारी

मंदसौर। जिले में नारकोटिक्स एवं अन्य नशीली दवाओं की रोकथाम, नियंत्रण तथा विभिन्न विभागों के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करने के उद्देश्य से कलेक्टर अदिती गर्ग की अध्यक्षता में सुशासन भवन स्थित सभागार में महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में पुलिस अधीक्षक विनोद कुमार मीना,

अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक, जिला अफीम अधिकारी, केंद्रीय नारकोटिक्स ब्यूरो, कृषि, परिवहन, स्वास्थ्य, आबकारी एवं शिक्षा विभाग के अधिकारी उपस्थित रहे। बैठक में कलेक्टर श्रीमती गर्ग ने स्वास्थ्य विभाग को निर्देश दिए कि जिले में फार्मासिस्ट एवं केमिस्ट दुकानों की नियमित जांच करते हुए लगातार कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। स्वास्थ्य विभाग द्वारा जानकारी दी गई कि जिले में लगातार निरीक्षण किए जा रहे हैं, जिसके तहत 6 दुकानों को नोटिस जारी किए गए हैं तथा 3 दुकानों के लाइसेंस सस्पेंड किए गए हैं। कलेक्टर ने सभी संबंधित विभागों को निर्देशित करते हुए कहा कि नारकोटिक्स के विरुद्ध कार्रवाई में आपसी समन्वय अत्यंत आवश्यक है।

बिना दोष एफआईआर से भड़के सहकारी कर्मचारी

20 मई से जिलेभर में काम बंद करने की चेतावनी

देवास। जिले में गेहूं उपार्जन कार्य को लेकर सहकारी संस्थाओं के कर्मचारियों में भारी आक्रोश देखने को मिल रहा है। मध्यप्रदेश सहकारी संस्थाऐं कर्मचारी महासंघ (संबद्ध भारतीय मजदूर संघ) के जिला अध्यक्ष ठा. जवालसिंह सैंधव ने जिला प्रशासन पर बिना दोष संस्था कर्मचारियों पर एफआईआर दर्ज कराने का आरोप लगाया है। महासंघ द्वारा जिलाधीश एवं जिला उपार्जन समिति अध्यक्ष को सौंपे गए ज्ञापन में कहा गया है कि खातेगांव अनुभाग अंतर्गत सेवा सहकारी संस्था तिवडिया द्वारा एमएम वेयर हाउस बेहड़ी रोड खातेगांव में गेहूं उपार्जन कार्य किया जा रहा था। इसी दौरान एक वीडियो वायरल हुआ, जिसमें सर्वेयर के नाम पर किसान से रुपए लेने का मामला सामने आया।

जांच के लिए गठित संयुक्त दल ने मौके पर पहुंचकर जांच की, जिसमें किसान भुजराम पिता किसनलाल ने बताया कि लोकेश जाट नामक व्यक्ति ने गेहूं एफएक्यू करने के नाम पर 1500 रुपए लिए तथा रुपए नहीं देने पर गेहूं रिजेक्ट करने की धमकी दी। जांच प्रतिवेदन में सर्वेयर को दोषी माना गया, लेकिन संस्था प्रबंधक हरिओम पंवार की संलिप्तता नहीं पाए जाने के बावजूद जिला आपूर्ति अधिकारी दिनेश अहिरवार द्वारा उनके खिलाफ भी एफआईआर दर्ज करवाई गई। महासंघ ने आरोप लगाया कि पुलिस को गलत जानकारी देकर संस्था प्रबंधक का नाम प्रकरण में जोड़ा गया।

कर्मचारियों ने आरोप लगाया कि पूर्व में कई उपार्जन केंद्रों पर कर्मचारियों के साथ मारपीट और अभद्रता की घटनाएं हुईं, लेकिन शिकायतों के बाद भी पुलिस द्वारा कोई कार्रवाई नहीं की गई। महासंघ ने चेतावनी दी है कि यदि संस्था कर्मचारी हरिओम पंवार को शीघ्र दोषमुक्त नहीं किया गया।

तो 20 मई 2026 से जिले की सभी सहकारी संस्थाओं में गेहूं खरीदी, पैक्स कम्प्यूटरीकरण, खाद वितरण, वसूली एवं राशन दुकान सहित सभी कार्य पूर्णतः बंद कर दिए जाएंगे। ज्ञापन के दौरान प्रदेश उपाध्यक्ष इंदर सिंह गौड, जिला संरक्षक बहादुर सिंह भाटी, धर्मेंद्र सिंह चौबारा जागीर, हरेन्द्र सिंह जामगोद, कमलेश गुर्जर, मुकेश मण्डलोई, सत्यनारायण चौधरी, सोनू पाटीदार, राजकुमार बढ़िया मांडू, महेंद्र तवर,जितेंद्र राजावत, राम जीवन विश्वकर्मा, राजेश राजपूत, जुगल चौधरी सहित बड़ी संख्या में कर्मचारी उपस्थित थे।

शिविर में एचआईवी, एड्स से बचाव की दी जानकारी

निःशुल्क जांच व परामर्श भी हुआ

देवास। संस्था एडवांस इनफॉर्मेशन मैनेजमेंट सोसायटी द्वारा 15 मई को अनिराज कंपनी में जागरूकता कार्यक्रम एवं हेल्थ कैंप का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम मध्यप्रदेश राज्य एड्स नियंत्रण समिति के निर्देशानुसार एवं जिला चिकित्सा अधिकारी डॉ. सरोजनी जेम्स बैक और जिला नोडल अधिकारी डॉ. अमरीन शेख के मार्गदर्शन में संपन्न हुआ। कार्यक्रम की शुरुआत सैय्यद तस्कीन अली ने दी। उन्होंने सभी कर्मचारियों एवं श्रमिकों को एचआईवी/एड्स से बचाव के बारे में जानकारी दी। साथ ही एसटीआई, टीबी, हेपेटाइटिस बी एवं सी के बारे में भी विस्तार से जानकारी दी गई। उपस्थित लोगों को टोल फ्रीनंबर 1097 के बारे में अवगत कराया।

फटाफट खबरें

भारत में भिड़े ईरान और यूएई, रूस को करना पड़ा बीच-बचाव

नई दिल्ली, (ईएमएस)। राजधानी में आयोजित ब्रिक्स देशों के विदेश मंत्रियों की बैठक के दौरान ईरान और संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) के बीच भारी कूटनीतिक तनाव देखा गया। मध्य पूर्व में हाल ही में हुए '40 दिवसीय युद्ध' को लेकर दोनों देशों के प्रतिनिधियों के बीच तीखी बहस हुई, जिसके बाद रूस को हस्तक्षेप करना पड़ा। ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने यूएई पर आरोप लगाया कि उसने ईरान के खिलाफ अमेरिका और इजरायल को अपने सैन्य ठिकाने, हवाई क्षेत्र और खुफिया जानकारी उपलब्ध कराई। ईरान का तर्क है कि उसने यूएई पर नहीं, बल्कि वहां स्थित 'अमेरिकी सैन्य ठिकानों' पर आत्मरक्षा में हमला किया था। दूसरी ओर, यूएई ने इन आरोपों को खारिज करते हुए कहा कि ईरान ने उनके ऊर्जा ठिकानों और बुनियादी ढांचे पर सीधे हमले किए हैं।

शुभेंदु अधिकारी के निशाने पर आए अभिषेक बनर्जी

कोलकाता, (ईएमएस)। पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी इस शनिवार को डायमंड हार्बर का दौरा करेंगे। तृणमूल कांग्रेस के वरिष्ठ नेता अभिषेक बनर्जी का संसदीय क्षेत्र होने के कारण इस दौरे को कूटनीतिक और राजनीतिक रूप से काफी अहम माना जा रहा है। मुख्यमंत्री यहां एक विशेष प्रशासनिक बैठक करेंगे, जिसमें कई बड़े फैसले लिए जा सकते हैं। सूत्रों के मुताबिक, पिछली सरकार के दौरान तैनात किए गए और अभिषेक बनर्जी के पसंदीदा माने जाने वाले अधिकारियों के कामकाज की समीक्षा की जा सकती है। इस दौरे के दौरान मुख्यमंत्री फाल्टा विधानसभा क्षेत्र में कार्यकर्ताओं की बैठक में भी शामिल होंगे। गौरतलब है कि फाल्टा में मतदान की प्रक्रिया अभी बाकी है।

पाक में सेना के कैंप पर हमला, 15 सैनिकों की मौत

इस्लामाबाद, (ईएमएस)। पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा प्रांत स्थित बाजौर में सेना के एक कैंप पर बड़ा आत्मघाती हमला हुआ है। शुरुआती रिपोर्टों के अनुसार, इस हमले में कम से कम 15 पाकिस्तानी सैनिकों की जान चली गई है। आतंकियों ने इस हमले को एक सोची-समझी साजिश के तहत अंजाम दिया। घटनाक्रम के मुताबिक, हमलावरों ने सबसे पहले सेना परिसर के एक हिस्से में जोरदार धमाका किया। इस विस्फोट से मची अफरा-तफरी का लाभ उठाकर भारी हथियारों से लैस आतंकवादी कैंप के भीतर घुस गए। इसके बाद सुरक्षा बलों और आतंकियों के बीच काफी देर तक भीषण मुठभेड़ जारी रही। आतंकी संगठन तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान ने इस आत्मघाती हमले की जिम्मेदारी ली है।

पार्टी महासचिव असल हालात समझने में रहे नाकाम : वेलुमणि

चेन्नई, (ईएमएस)। तमिलनाडु विधानसभा चुनाव में हार के बाद एआईएडीएमके में अंतर्कलह जारी है। एडप्पादी के पलानीस्वामी ने बीते दिन एसपी वेलुमणि समेत तीन बागी नेताओं को उनके पद से हटा दिया। इसके बाद एसपी वेलुमणि ने शुक्रवार को सोशल मीडिया पर अपनी प्रतिक्रिया दी। वेलुमणि ने एक्स पर लिखा- यह बहुत दुख की बात है कि पार्टी के महासचिव अभी भी असली हालात को समझने में नाकाम रहे हैं। उन्होंने पोस्ट में लिखा कि किसी भी समय किसी ने भी एडप्पादी की चुनाव कैंपेन में की गई कड़ी मेहनत और प्रयास को नकारा या उस पर सवाल नहीं उठाया। गठबंधन और चुनाव से जुड़े कामों के बारे में आपने बिना किसी से सलाह या किसी से इनपुट लिए बहुत अधिक मनमानी की। आपके छोटे भाइयों के तौर पर हमने आपके निर्देशों को माना और उसी के मुताबिक काम किया।

जिनपिंग ने ट्रंप की कर दी भयंकर बेइज्जती

बीजिंग, (ईएमएस)। ईरान और पश्चिम एशिया संकट के बीच अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की चीन यात्रा इस समय पूरी दुनिया में कौतूहल का विषय बनी हुई है। बीजिंग में चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग के साथ हुई कूटनीतिक मुलाकात के दौरान एक ऐसे बयान ने वैश्विक राजनीति में हलचल मचा दी है, जिसे अमेरिका के लिए एक बड़ा कूटनीतिक झटका माना जा रहा है। बैठक के दौरान शी जिनपिंग ने अमेरिका की ओर इशारा करते हुए उसे 'पतन की ओर जाता देश' या 'गिरता हुआ राष्ट्र' कह दिया। दिलचस्प बात यह है कि डोनाल्ड ट्रंप ने भी इस बात पर जिनपिंग से सहमति जताई।

शेयर बाजार गिरावट पर बंद

सेंसेक्स 160, निफ्टी 46 अंक गिरा

मुम्बई (ईएमएस)।

भारतीय शेयर बाजार शुक्रवार को गिरावट पर बंद हुआ। सप्ताह के अंतिम कारोबारी दिन बाजार में ये गिरावट दोपहर बाद बिकवाली हावी होने से आई है। आज शुरुआती कारोबार के दौरान मार्केट में तेज़ी देखने को मिली थी पर दिन के अंत में उसके हाथ से बढ़त निकल गयी। मेटल, ऑयल एवं गैस तथा सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों के शेयरों में बिकवाली और कच्चे तेल की बढ़ती कीमतों के बीच निवेशकों की सतर्कता से भी बाजार टूटा। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 160.73 अंक नीचे आकर 75,237.99 पर बंद हुआ । वहीं 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 46.10 अंक फिसलकर 23,643.50 पर बंद हुआ, जिससे इसकी दो दिन की लगातार बढ़त का सिलसिला टूट गया। आज टाटा स्टील, स्टेट बैंक ऑफ इंडिया, इटरनल, रिलायंस इंडस्ट्रीज, अल्ट्राटेक सीमेंट, महिंद्रा एंड महिंद्रा, भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड, लार्सन एंड टुब्रो, ट्रेंट, एक्सिस बैंक और एशियन पेंट्स सेंसेक्स शेयरों में सबसे ज्यादा गिरावट रही। वहीं इंफोसिस, टेक महिंद्रा, पावरग्रिड, अदानी पोर्ट्स, मारुति सुजुकी इंडिया, भारती एयरटेल, कोटक महिंद्रा बैंक, हिंदुस्तान यूनिलीवर और सन फार्मास्यूटिकल्स के शेयरों में तेजी रही। मिडकैप और स्मॉलकैप इंडेक्स में बेंचमार्क इंडेक्स की तुलना में ज़्यादा गिरावट दर्ज की गई। निफ्टी मिडकैप 100 में 0.45 फिसदी की गिरावट और निफ्टी स्मॉलकैप 100 में 0.61 फीसदी की गिरावट दर्ज की गई।

निफ्टी की निफ्टी 50 की कंपनियों में टाटा मोटर्स पीवी , डॉ रेड्डीज में , इंफोसिस और टेक महिंद्रा में बढ़त रही जबकि हिंडाल्को क्वालिटी वॉल्स , नेस्ले इंडिया म, टाटा स्टील के शेयरों में गिरावट रही।

वहीं इससे पहले आज सुबह बाजार बढ़त के साथ खुला। सुबह सेंसेक्स 98 अंक बढ़कर 75,497 पर और निफ्टी 41 अंक ऊपर 23,731 के स्तर पर खुला। आज एशियाई बाजारों में मिला-जुला कारोबार हुआ। वहीं अमेरिकी शेयर बाजार में तेजी रही। जापान के निक्केई में 0.89 फीसदी और टॉपिक्स में 1.18 फीसदी की बढ़त रही।

दक्षिण कोरिया का कोस्पी 0.6 फीसदी से उछलकर रिकॉर्ड उच्च स्तर पर पहुंच गया, जबकि कोस्डैक 0.4 फीसदी गिरा। हांगकांग के हैंग सेंग इंडेक्स फ्यूचर्स नीचे आये। दूसरी ओर यूरोप के बाजार भी गिरावट के साथ कारोबार कर रहे थे। अमेरिकी बाज़ार गुरुवार को बढ़त के साथ बंद हुए।

अडानी एयरपोर्ट्स और आईएचजी के बीच बड़ा समझौता, भारत में आएगा किम्पटन ब्रांड

मुंबई (ईएमएस)।

अडानी एयरपोर्ट होल्डिंग्स लिमिटेड (एएएचएल) ने वैश्विक आतिथ्य कंपनी आईएचजी होटल्स एंड रिजॉर्ट्स के साथ भारत में पांच नए होटल तैयार करने के लिए एक समझौते की घोषणा की। यह साझेदारी मुंबई, नवी मुंबई और अहमदाबाद सहित प्रमुख हवाई अड्डों के करीब और तेजी से विकसित हो रहे शहरी क्षेत्रों में करीब 1,500 कमरे जोड़ेगी। यह समझौता भारत में आईएचजी की विस्तार रणनीति के अनुरूप है, इसके तहत विभिन्न ब्रांडों के तहत नए होटल विकसित किए जाएंगे।

इस करार का एक महत्वपूर्ण पहलू यह है कि आईएचजी का लक्जरी ब्रांड किम्पटन होटल्स एंड रेस्तरां पहली बार भारतीय बाजार में आएगा। इन होटलों का विकास जयपुर, मंगलूरु, तिरुवनंतपुरम और मुंबई महानगर क्षेत्र (एमएमआर) में भी किया जाएगा। अडानी समूह की कंपनी एएएचएल वर्तमान में मुंबई, नवी मुंबई, अहमदाबाद, जयपुर, लखनऊ, गुवाहाटी, मंगलूरु और तिरुवनंतपुरम सहित आठ हवाई अड्डों का संचालन करती है।

अडानी एंटरप्राइजेज के निदेशक प्रणव अडानी ने इस समझौते को हवाई अड्डों के आसपास विश्वस्तरीय एकीकृत गंतव्य विकसित करने के लक्ष्य के अनुरूप बताया। उन्होंने कहा कि यह साझेदारी यात्रा, ठहरने और शहरी सुविधाओं के बेहतर समन्वय के साथ उच्च गुणवत्ता वाली सेवाएं और अंतरराष्ट्रीय मानक सुनिश्चित करेगी। आईएचजी के प्रबंध निदेशक (दक्षिण पश्चिम एशिया) सुदीप जैन ने भारत के आतिथ्य क्षेत्र, विशेष रूप से हवाई अड्डा-आधारित शहरों में बड़ी संभावनाओं पर जोर दिया।

संक्षिप्त समाचार

रुपया गिरावट पर बंद

नई दिल्ली (ईएमएस)। अमेरिकी डॉलर के मुकाबले भारतीय रुपया शुक्रवार को 22 पैसे की गिरवट के साथ ही 95.86 पर बंद हुआ। रुपया आज सुबह 30 पैसे की गिरावट के साथ ही अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 95.94 पर पहुंच गया। रुपये में ये गिरावट कच्चे तेल की ऊंची कीमतों, मजबूत डॉलर और पश्चिम एशिया संकट को लेकर निवेशकों की कमजोर धारणा के कारण आई है। विदेशी मुद्रा कारोबारियों का कहना है कि तेल की कीमतों में तेजी के बीच डॉलर की खरीदारी जारी रहने के कारण रुपया दबाव में है और यह 96 के निशान के बहुत करीब बना हुआ है। वहीं अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 95.86 प्रति डॉलर पर खुला। फिर अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 95.94 तक टूट गया जो पिछले बंद भाव से 30 पैसे की गिरावट दिखाता है। रुपया गुरुवार को अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 95.96 के रिकॉर्ड निचले स्तर तक कमजोर हुआ। हालांकि, अंत में दो पैसे की मामूली बढ़त के साथ 95.64 पर बंद हुआ था। इस बीच, छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दिखाने वाला डॉलर सूचकांक 0.24 फीसदी की बढ़त के साथ 99.05 पर रहा। अंतरराष्ट्रीय मानक ब्रेंट क्रूड का भाव 1.30 फीसदी की बढ़त के साथ 107.09 डॉलर प्रति बैरल पहुंच गया।

अगली पीढ़ी को एयरटेल की कमान सौंपने की तैयारी में सुनील मित्तल

नई दिल्ली (ईएमएस)। दूरसंचार क्षेत्र के दिग्गज सुनील भारती मित्तल ने अगले दशक में भारती एयरटेल की बागडोर नई पीढ़ी को सौंपने की अपनी महत्वाकांक्षी योजना का खुलासा कर दिया है। इस परिवर्तन से पहले, उनकी प्राथमिक इच्छा प्रवर्तक कंपनी भारती टेलीकॉम में एयरटेल की 50 प्रतिशत से अधिक नियंत्रक हिस्सेदारी फिर से हासिल करना है। यह कदम कंपनी के भविष्य के लिए एक मजबूत और एकीकृत नियंत्रण संरचना सुनिश्चित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण रणनीति का हिस्सा है। वर्तमान में, मित्तल और सिंगटेल समूह के स्वामित्व वाली भारती टेलीकॉम के पास एयरटेल में 40.47 प्रतिशत हिस्सेदारी है, जबकि प्रवर्तक कंपनियों का कुल स्वामित्व 48.87 प्रतिशत है। भारती मित्तल ने भारती एयरटेल की जनवरी-मार्च तिमाही के नतीजों की घोषणा के दौरान कहा कि उनका लक्ष्य है कि अगली पीढ़ी को कमान सौंपते समय तक भारती टेलीकॉम को 51 प्रतिशत या उससे थोड़ी अधिक नियंत्रक शेयरधारिता हासिल हो जाए। मित्तल ने बताया कि एयरटेल में भारती टेलीकॉम की हिस्सेदारी करीब 10 प्रतिशत बढ़ाने के लिए मौजूदा शेयर मूल्य और बाजार पूंजीकरण के आधार पर करीब एक लाख करोड़ रुपये की बड़ी पूंजी की आवश्यकता होगी। उनका मूल विचार यह है कि कंपनी का नियंत्रण एवं प्रवर्तक शेयरधारिता एक ही इकाई, यानि ऐतिहासिक रूप से संस्थापक प्रवर्तक रही भारती टेलीकॉम, के माध्यम से होनी चाहिए। इस लक्ष्य को अगले तीन से चार वर्षों में एयरटेल के प्रदर्शन, शीर्ष प्रबंधन के संचालन और मजबूत नकदी प्रवाह सृजन पर निर्भर करते हुए प्राप्त करने की योजना है। सिंगटेल के पास एयरटेल में लगभग सात प्रतिशत प्रत्यक्ष हिस्सेदारी है, और उसकी हिस्सेदारी घटाने की प्रक्रिया जारी है।

कोटयार्क इंडस्ट्रीज का बड़ा ऐलान एक शेयर पर 10 बोनस शेयर

मुंबई (ईएमएस)।

माइक्रो-कैप कंपनी कोटयार्क इंडस्ट्रीज लिमिटेड ने अपने शेयरधारकों के लिए बड़ा ऐलान कर दिया है। कंपनी के बोर्ड ने 10:1 के अनुपात में बोनस शेयर बांटने की मंजूरी दी है, जिसका अर्थ है कि निवेशकों को उनके प्रत्येक 1 शेयर पर 10 बोनस शेयर दिए जाएंगे। यह पहली बार है जब कंपनी अपने शेयरधारकों को बोनस शेयर जारी कर रही है। हालांकि, बोनस शेयर की रिकॉर्ड डेट की घोषणा अभी नहीं की गई है। इस घोषणा के बाद, कोटयार्क इंडस्ट्रीज के शेयर शुक्रवार को बीएसई पर उछाल के साथ 446.30 रुपये पर कारोबार कर रहे थे। पिछले पांच साल से भी कम समय में यह मल्टीबैगर स्टॉक 400 प्रतिशत से अधिक चढ़ गया है। 18 नवंबर 2021 को जहां यह शेयर 88.30 रुपये पर था, वहीं 15 मई 2026 तक यह 446.30 रुपये के स्तर पर पहुंच गया। कंपनी के शेयरों ने हाल के महीनों में भी शानदार प्रदर्शन किया है। बीते छह महीनों में इसमें 80 प्रतिशत से अधिक का उछाल दर्ज हुआ है। वहीं, इस साल अब तक कोटयार्क इंडस्ट्रीज के शेयरों में 85 प्रतिशत से ज्यादा की तेजी देखने को मिली है। बीते चार महीनों में यह स्टॉक 110 प्रतिशत से अधिक चढ़ा है। इसका 52 हफ्ते का शीर्ष स्तर 448.35 रुपये और निचला स्तर 318.30 रुपये है। वित्तीय मोर्चे पर भी कोटयार्क इंडस्ट्रीज ने मजबूत प्रदर्शन किया है।

कोयले को गैस में बदलकर औद्योगिक रसायनों और ईंधन का करेगी उत्पादन

न्यू एरा क्लीनटेक महाराष्ट्र में लगाएगी 3 अरब डॉलर का ऊर्जा संयंत्र

नईदिल्ली, (ईएमएस)।

मुंबई की न्यू एरा क्लीनटेक को उम्मीद है कि वह अपनी 20,000 करोड़ रुपए वाली बड़ी कोयला गैसीकरण परियोजना के पहले चरण का वित्तीय समापन दिसंबर 2026 तक कर लेगी और इंजीनियरिंग, खरीद और निर्माण ऑर्डर दे देगी। यह परियोजना महाराष्ट्र में चंद्रपुर के भद्रावती में स्थापित की जा रही है। नागपुर के पास स्थित यह इकाई भारत में नियोजित सबसे बड़े कोयला गैसीकरण और कार्बन कैप्चर संयंत्रों में से एक होगी। यह सालाना 50 लाख टन कोयले को गैस में बदलकर उर्वरक, खनन, वस्त्र और पैकेजिंग जैसे क्षेत्रों में इस्तेमाल किए जाने वाले अहम औद्योगिक रसायनों और ईंधन का उत्पादन करेगी। यह परियोजना दो चरणों में विकसित की जा रही है। इसके लिए तीन सालों में कुल 3 अरब डॉलर का निवेश जरुरी है। कंपनी संस्थापक और प्रबंध निदेशक बालासाहेब डाराडे ने बिजनेस स्टैंडर्ड को बताया कि पहले चरण में कंपनी करीब 1 अरब डॉलर का निवेश करेगी। इसके बाद दूसरे चरण में अतिरिक्त 2 अरब डॉलर का निवेश करेगी। उन्होंने कहा कि वर्तमान में हम पहले चरण में करीब 12 से 16 लाख टन कोयले को गैस में तब्दील कर 1 अरब डॉलर के निवेश की बात कर रहे हैं। दूसरे चरण में यह दोगुना हो जाएगा। कुल मिलाकर जब संयंत्र पूरी तरह से चालू होगा, तो हम हर साल करीब 50 लाख टन कोयले को गैस में तब्दील करने की क्षमता देख रहे हैं।

पश्चिम एशिया में चल रहे संकट और उसके परिणामस्वरूप पैदा हुए ऊर्जा संकट ने अर्थव्यवस्था के लिए जरूरी ईंधन इनपुट के मामले में भारत की आयात पर निर्भरता को उजागर कर दिया है। इस संकट ने सरकार को ऐसी नीतियां बनाने के लिए प्रेरित किया है, जिनसे कोयला गैसीकरण में निवेशकों की दिलचस्पी फिर से बढ़ाई जा सके। ऐसा करके इन महंगे आयातों में कटौती की जा सकती है और आत्मनिर्भरता को बढ़ावा दिया जा सकता है।

ममता के वकील ड्रेस पर बार काउंसिल प्रमुख बोले-फर्जी लोग घूमते रहते हैं

कोलकाता (ईएमएस)। कलकत्ता हाईकोर्ट में पूर्व मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के वकील की ड्रेस पहनकर पेश होने पर एक नया विवाद खड़ा हो गया है। भारतीय विधिज्ञ परिषद के चेयरमैन मनन कुमार मिश्रा ने उनके वकालत करने के वैध लाइसेंस पर संदेह व्यक्त करते हुए आधिकारिक जांच के आदेश दिए हैं। उन्होंने तीखा तंज कसते हुए कहा कि कई फर्जी लोग भी सक्रिय रहते हैं, इसलिए इस मामले की पुष्टि करना आवश्यक है। पूरा मामला 2026 के विधानसभा चुनाव के बाद हुई कथित हिंसा से जुड़ी एक जनहित याचिका से शुरू हुआ। ममता बनर्जी वकील के काले कोट और सफेद बैंड में चीफ जस्टिस सुजॉय पॉल की बेंच के सामने पेश हुईं और अपनी पार्टी का पक्ष रखा। बीसीआई चेयरमैन ने आपत्ति जताते हुए कहा कि जब वह 'आरजी कर' मामले में सुप्रीम कोर्ट गई थीं, तब वह वकील की वेशभूषा में नहीं थीं, लेकिन इस बार उन्होंने निर्धारित ड्रेस पहनकर कोर्ट में पैरवी की।

इस घटना के बाद बीसीआई ने पश्चिम बंगाल राज्य बार काउंसिल को पत्र लिखकर दो दिनों के भीतर ममता बनर्जी के कानूनी प्रैक्टिस के दर्जे की विस्तृत रिपोर्ट मांगी है।

उलटफेर: सांसद के इस्तीफे से स्टार्मर की कुर्सी पर संकट

लंदन (ईएमएस)। ब्रिटेन की सत्ताधारी लेबर पार्टी के भीतर आंतरिक कलह और नेतृत्व परिवर्तन की सुगबुगाहट तेज हो गई है। लेबर पार्टी के सांसद जोश सिमंस ने ग्रेटर मैनचेस्टर के मेयर एंडी बर्नहैम के लिए अपनी संसद सीट छोड़ते हुए इस्तीफा दे दिया है। सिमंस के इस कदम के बाद मेकरफील्ड निर्वाचन क्षेत्र में उपचुनाव होना तय है, जहां से एंडी बर्नहैम चुनाव लड़कर ब्रिटिश संसद (हाउस ऑफ कॉमन्स) में वापसी कर सकते हैं। बर्नहैम को मौजूदा प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर के खिलाफ लेबर पार्टी में सबसे मजबूत और संभावित प्रतिद्वंद्वी के रूप में देखा जा रहा है। जोश सिमंस ने सोशल मीडिया पर अपने इस्तीफे की घोषणा करते हुए स्टार्मर सरकार पर तीखा हमला बोला।

गोवा-दिल्ली ने लोकसेवकों की विदेश यात्राओं पर लगाया बैन

विदेश यात्राओं के लिए पहले से दी गई मंजूरियां भी रद्द कर दी गई

पणजी, (ईएमएस)। गोवा सरकार ने विदेशी मुद्रा के संरक्षण की जरुरत को देखते हुए सरकारी खजाने से वित्त पोषित होने वाली लोक सेवकों की सभी आधिकारिक विदेश यात्राओं पर गुरुवार को तत्काल प्रभाव से प्रतिबंध लगा दिया है। राज्य के वित्त विभाग द्वारा जारी ज्ञापन में कहा गया है कि यह फैसला पीएम मोदी द्वारा हाल ही में की गई अपील के बाद लिया गया। अवर सचिव नरेश गौड़ द्वारा जारी ज्ञापन में कहा गया है कि आधिकारिक विदेश यात्राओं के लिए पहले से दी गई मंजूरियां भी रद्द कर दी गई हैं। वित्त विभाग ने ज्ञापन में कहा है कि ये पाबंदियां वैश्विक हालात और विदेशी मुद्रा भंडार को बचाने के मकसद से लगाई गई हैं।

यह आदेश अगले निर्देश तक लागू रहेगा। एक सरकारी अधिकारी ने बताया कि कुछ विभागों के वरिष्ठ अधिकारी और कभी-कभी मंत्री भी स्टडी टूर के लिए विदेश जाते हैं, लेकिन पर्यटन विभाग का खर्च ज़्यादा होता है, क्योंकि रोड शो और ट्रैवल मार्ट में उसकी भागीदारी ज़रूरी होती है। साल 2025-26 में, गोवा पर्यटन विभाग ने मस्कट, दुबई, डेनमार्क, नॉर्वे, उज्बेकिस्तान, रूस, सिंगापुर, लंदन, बहरीन और मलेशिया में कार्यक्रमों में हिस्सा लिया था। एक अधिकारी ने बताया कि विदेश यात्रा पर लगी रोक के चलते जब तक यह आदेश वापस नहीं ले लिया जाता, तब तक विभाग विदेशी बाज़ारों में अपनी मार्केटिंग योजनाओं को लागू नहीं कर पाएगा।

मंत्री या अधिकारी विदेश यात्रा नहीं करेगा

इससे पहले दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने घोषणा की कि अगले एक साल तक दिल्ली सरकार का कोई भी मंत्री या अधिकारी विदेश यात्रा नहीं करेगा। यह कदम पीएम मोदी की अपील के बाद, मौजूदा राष्ट्रीय हालात को देखते हुए, विदेशी मुद्रा और ईंधन बचाने के उपायों की एक श्रृंखला के तहत उठाया गया है। गुप्ता ने कहा कि दिल्ली सरकार अगले 90 दिनों के लिए राजधानी में 'मेरा भारत मेरा योगदान' अभियान शुरू करेगी। उन्होंने कहा कि सरकार ने पेट्रोल और डीजल की खपत कम करने के लिए दो स्तरों पर उपाय तैयार किए हैं।

यूपी में दलित राजनीति का बदलेगा समीकरण

उप्र विस चुनाव के लिए पासवान का नया दांव

लखनऊ (ईएमएस)। बिहार की राजनीति में अपनी धाक जमाने के बाद केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान की पार्टी लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) अब उत्तर प्रदेश के चुनावी मैदान में उतरने को तैयार है। राजधानी लखनऊ में मुख्यमंत्री आवास के बाहर लगे लोजपा के पोस्टरों ने सियासी सरगर्मी तेज कर दी है। इन पोस्टरों पर लिखा नारा- 'क्यों मांगे नेता उधार, जब अपना नेता है तैयार' – सीधे तौर पर दलित समाज को एक नया विकल्प देने की कवायद माना जा रहा है। लोजपा (रा) के सांसद अरुण भारती ने संकेत दिए हैं कि पार्टी आगामी यूपी विधानसभा चुनाव में सभी 403 सीटों पर चुनाव लड़ने की रणनीति बना रही है।

बढ़ेगी दिग्गजों की टेंशन

पार्टी केवल बिहार से सटे जिलों तक सीमित न रहकर पूरे प्रदेश में बूथ स्तर पर संगठन खड़ा कर रही है। चिराग की इस सक्रियता ने भाजपा, सपा और बसपा तीनों के लिए चिंता की लकीरें खींच दी हैं। चिराग की यह रणनीति एनडीए के अन्य सहयोगियों जैसे ओम प्रकाश राजभर और संजय निषाद के लिए भी चुनौती पेश करेगी, क्योंकि वे भी पिछड़ों और वंचितों की राजनीति करते हैं। गौरतलब है कि इससे पहले 2022 में बिहार के ही नेता मुकेश सहनी ने यूपी में चुनाव लड़ने की कोशिश की थी, जिसके बाद भाजपा ने कड़ा रुख अपनाते हुए उन्हें गठबंधन से बाहर कर दिया था। अब देखना यह होगा कि 2027 के महासंग्राम में भाजपा चिराग की इस 'प्रेशर पॉलिटिक्स' से कैसे निपटती है।

जब तक दुनिया है, तब तक वंदे मातरम रहेगा

कोलकाता, (ईएमएस)। आम जनता उन्नयन पार्टी (एजेयूपी) के नेता और विधायक हुमायूं कबीर ने वंदे मातरम के नारे पर अपना रुख स्पष्ट करते हुए कहा कि भारत का यह नारा शाश्वत है और जब तक दुनिया रहेगी, तब तक 'वंदे मातरम' रहेगा। उन्होंने जोर देकर कहा कि इस नारे से किसी को भी कोई परेशानी नहीं होनी चाहिए। साथ ही, उन्होंने अवैध निर्माणों और अपराधियों के खिलाफ 'बुलडोजर एक्शन' का भी पुरजोर समर्थन किया। उन्होंने स्पष्ट कहा कि जहाँ भी गलत काम होगा या अवैध निर्माण होगा, वहाँ बुलडोजर चलना चाहिए। और वह ऐसी कार्रवाइयों में पूरी मदद करेंगे।

बोलीविया में राष्ट्रपति रोड्रिग्गो पैज सरकार के खिलाफ प्रदर्शन के दौरान एक व्यक्ति ने आंसू गैस का गोला फेंक दिया। जिससे इलाके में धूआं फैल गया। -फोटो-ईएमएस

प्रधानमंत्री मोदी के दौरे से ठीक पहले भारतीय जहाज पर हमला

दुबई, (ईएमएस)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के पांच देशों के दौरे के तहत अबू धाबी पहुंचने से कुछ घंटे पहले संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) ने ओमान के तट पर भारतीय झंडे वाले एक कमर्शियल जहाज पर हुए हमले की कड़ी निंदा की है। यूएई के विदेश मंत्रालय ने इस घटना को अंतरराष्ट्रीय नौवहन की सुरक्षा के लिए एक बड़ा खतरा और स्थिति को खतरनाक रूप से भड़काने वाला कृत्य बताया है, जिसका सीधा उद्देश्य महत्वपूर्ण समुद्री रास्तों की स्थिरता को कमजोर करना है।

यूएई ने इस संकट की घड़ी में भारत के साथ अपनी पूरी एकजुटता व्यक्त की है और भारतीय जहाजों तथा समुद्री हितों की सुरक्षा के लिए हर संभव समर्थन का भरोसा दिया है। यूएई सरकार के अनुसार, यह हमला संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के प्रस्ताव 2817 का खुला उल्लंघन है, जो समुद्री आवागमन की स्वतंत्रता का समर्थन करता है और वाणिज्यिक जहाजों को निशाना बनाने या अंतरराष्ट्रीय समुद्री रास्तों में रुकावट डालने की सख्त मनाही करता है। किसी देश का नाम लिए बिना यूएई ने कहा कि होर्मुज स्ट्रेट जैसे रणनीतिक मार्ग का इस्तेमाल आर्थिक दबाव या ब्लैकमेलिंग के लिए करना पूरी तरह अनुचित है।

जो वैश्विक ऊर्जा सुरक्षा के लिए सीधा खतरा है। दूसरी ओर, भारतीय विदेश मंत्रालय ने पुष्टि की है कि जहाज पर सवार सभी भारतीय क्रू सदस्य पूरी तरह सुरक्षित हैं।

सीआईए प्रमुख जॉन रैटक्लिफ ने किया गुप्त दौरा

चीन से दोस्ती के बीच क्यूबा में अमेरिका की बड़ी घेराबंदी

वॉशिंगटन, (ईएमएस)। एक तरफ अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप बीजिंग में चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग से मुलाकात कर अच्छे संबंधों का दावा कर रहे हैं, वहीं दूसरी तरफ अमेरिका ने चीन, रूस और ईरान के रणनीतिक गढ़ माने जाने वाले क्यूबा की घेराबंदी तेज कर दी है। ट्रंप की इस कूटनीति के बीच अमेरिकी खुफिया एजेंसी सीआईए के डायरेक्टर जॉन रैटक्लिफ ने अचानक क्यूबा का दौरा किया। रैटक्लिफ ने क्यूबा के गृह मंत्री लाजारो अल्वारेज कासास और पूर्व राष्ट्रपति राउल कास्त्रो के पोते सहित शीर्ष अधिकारियों से सीधी बातचीत की। उन्होंने राष्ट्रपति ट्रंप का कड़ा संदेश दिया कि अमेरिका आर्थिक सहयोग के लिए तैयार है, बशर्ते क्यूबा को अपनी नीतियों में बुनियादी बदलाव करने होंगे।

अमेरिका क्यूबा से लोकतंत्र की बहाली, राजनीतिक कैदियों की रिहाई, सरकारी उद्योगों के निजीकरण और चीन-रूस के सैन्य अड्डों को बंद करने की मांग कर रहा है। गंभीर ईंधन संकट और रोजाना 20-22 घंटे की बिजली कटौती से जूझ रहे क्यूबा के पास अब विकल्प सीमित हैं। अमेरिका ने उसे वेनेजुएला जैसा सैन्य एक्शन लेने की सख्त चेतावनी दी है। यही वजह है कि क्यूबा जैसे बंद सिस्टम ने न सिर्फ सीआईए प्रमुख का स्वागत किया, बल्कि इस मुलाकात को सार्वजनिक भी किया।

चीन ने भारत से बढ़ाया दोस्ती का हाथ

नई दिल्ली, (ईएमएस)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप भले ही अपने चीन दौरे पर शी जिनपिंग को 'महान नेता' बताकर दोस्ती का प्रदर्शन कर रहे हों, लेकिन वैश्विक कूटनीति के मंच पर चीन अंदरखाने अपनी अलग रणनीतिक चालें चल रहा है। भारत की अध्यक्षता में आयोजित ब्रिक्स देशों के विदेश मंत्रियों की बैठक में चीन की ओर से आया संदेश इसी ओर इशारा करता है। इस महत्वपूर्ण बैठक में चीन के विदेश मंत्री वांग यी अपने पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के कारण शामिल नहीं हो सके। उनकी जगह भारत में चीन के नवनियुक्त राजदूत शू फेहांग ने बीजिंग का प्रतिनिधित्व किया। फेहांग ने बैठक में स्पष्ट किया कि चीन उभरती अर्थव्यवस्थाओं और विकासशील देशों के इस मंच को अत्यधिक महत्व देता है। उन्होंने कहा कि चीन, भारत की अध्यक्षता में हो रही इस बैठक को पूरी तरह सफल बनाने के लिए प्रतिबद्ध है और 'ग्रेटर ब्रिक्स' सहयोग को तेजी से आगे बढ़ाना चाहता है।

आईपीएल में आज होगा केकेआर और टाइटंस में मुकाबला

शाम 7:30 पर खेला जाएगा मैच

कोलकाता (ईएमएस)। कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) की टीम शनिवार को इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) मुकाबले में गुजरात टाइटंस का मुकाबला करेगी। इस मैच में दोनो ही टीमें जीत के इरादे से उतरेंगी। जहां केकेआर का लक्ष्य इस मैच को बड़े अंतर से जीतकर प्लेऑफ के लिए अपनी हल्की सी उम्मीदें बनाये रखना रहेगा। वहीं गुजरात टाइटंस इस मैच को जीतकर प्लेऑफ में जगह बनाना चाहेगी। इस सत्र में अब तक के प्रदर्शन को देखते हुए गुजरात टाइटंस जीत की प्रबल दावेदार नजर आती है।

दोनो ही टीमें इस प्रकार हैं

केकेआर: अजिंक्य रहाणे (कप्तान), फिल एलन, अंगकृष रघुवंशी (विकेटकीपर), कैमरून ग्रीन, मनीष पांडे, रिंकू सिंह, रोवमैन पॉवेल, सुनील नारायण, अनुकूल रॉय, वैभव अरोड़ा, कार्तिक त्यागी। इम्पैक्ट प्लेयर: सौरभ दुबे।

गुजरात टाइटंस: शुभमन गिल (कप्तान), साई सुदर्शन, जोस बटलर (विकेटकीपर), निशांत सिंधु, वाशिंगटन सुंदर, जेसन होल्डर, राहुल तेवतिया, राशिद खान, अरशद खान, कगिसो रबाडा, मोहम्मद सिराज। इम्पैक्ट प्लेयर: प्रसिद्ध कृष्णा।

इस सत्र में जब पिछली बार इन दोनों टीमों में मुकाबला हुआ था तब गुजरात टाइटंस ने केकेआर को 5 विकेट से मात दी थी। ऐसे में अब केकेआर हिसाब बराबर करना चाहेगी।

आंकड़ों पर नजर डालें तो अब तक दोनो ही टीमों के बीच 6 मुकाबले हुए हैं जिसमें से केकेआर ने 1 जबकि गुजरात ने 4 जीते हैं, वहीं एक मैच का परिणाम नहीं आया है। इस मैच में केकेआर को अगर जीतना है तो उसे अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना होगा। केकेआर की बल्लेबाजी कप्तान आजिंक्य रहाणे के अलावा अंगकृष रघुवंशी, कैमरून ग्रीन और रिंकू सिंह पर आधारित रहेगी। वहीं गेंदबाजी कार्तिक त्यागी, वैभव अरोड़ा के अलावा रहस्यमी स्पिनर सुनील नरेन पर आधारित रहेगी। दूसरी ओर इस सत्र में शुभमन गिल की कप्तानी में शानदार प्रदर्शन कर रही गुजरात की बल्लेबाजी शुभमन के अलावा साईं सुदर्शन और राहुल तेवतिया पर आधारित रहेगी। टीम की गेंदबाजी की कमान कगिसो रबाडा, मोहम्मद सिराज के अलावा स्पिनर राशिद खान संभालेंगे।

प्रीति जिंटा ने कठिन समय में अपनी टीम पंजाब किंग्स का हौसला बढ़ाया

धर्मशाला (ईएमएस)। आईपीएल 2026 में पंजाब किंग्स की टीम को बेहतरीन शुरुआत के बाद पिछले पांच मैचों से लगातार हार का सामना करना पड़ रहा है। इसके बाद भी टीम की सह-मालकिन प्रीति जिंटा का समर्थन टीम को मिला है। प्रीति जिंटा ने लगातार अपनी टीम का हौंसला कठिन समय में बढ़ाया है। अपनी मुस्कान और सकारात्मक ऊर्जा से वह एक उम्मीद की किरण बनी हुई हैं। मुंबई इंडियंस के खिलाफ मिली करारी हार के बाद भी प्रीति खिलाड़ियों के साथ नजर आयीं। सोशल मीडिया पर प्रीति और प्रशंसकों के बीच इस दौरान हुई बातचीत की तस्वीरें भी तेजी से वायरल हुईं, इसमें प्रशंसकों ने प्रीति के इस भाव की खूब सराहना की। यह घटना एक बार फिर साबित करती है कि प्रीति जिंटा अपनी टीम और उसके प्रशंसकों के साथ भावनात्मक रूप से जुड़ी हुई हैं। वह हर मैच में अपनी टीम का हौसला बढ़ाने के लिए स्टेडियम पहुंचती हैं। चाहे जीत हो या हार, वह हमेशा अपनी टीम और खिलाड़ियों के साथ खड़ी नजर आती हैं। यह उनकी अटूट निष्ठा और खेल भावना ही है जो पंजाब किंग्स के समर्थकों को भी मैदान में उनकी उपस्थिति से उत्साहित करती है। जहाँ आम तौर पर लगातार हार के बाद किसी भी टीम के माहौल में नकारात्मकता हावी हो जाती है।

श्रीजेश के आरोपों को टिर्की ने खारिज किया, बेहतर अनुभव के साथ करें वापसी

किसी खिलाड़ी के लिए हॉकी इंडिया के दरवाजे बंद नहीं

नई दिल्ली (ईएमएस)। हॉकी इंडिया के अध्यक्ष दिलीप टिर्की ने पूर्व ओलंपियन पी आर श्रीजेश के आरोपों को खारिज करते हुए कहा है कि उनके लिए कोच बनने की राह हमेशा खुली हुई है और बेहतर अनुभव लेकर वह जब चाहे आ सकते हैं पर उन्हें इस प्रकार आधारहीन आरोप नहीं लगने चाहिये। ये मामला जूनियर टीम के कोच पद से श्रीजेश को हटाकर यूरोप के अनुभवी कोच फ्रेडरिक सोयेज को नियुक्त करने के बाद शुरु हुआ। श्रीजेश ने कहा है कि अच्छ काम करने के बाद भी उन्हें हटाकर विदेश कोच रखा गया। इसपर हॉकी इंडिया ने कहा कि ये भविष्य की योजना के तहत किया गया है। टिर्की ने कहा कि भारतीय हॉकी में इस प्रकार की फूट डालो और राज करो की रणनीति अब स्वीकार्य नहीं होगी। उन्होंने कहा कि सभी फैसले सामूहिक रूप से लिए जाते हैं और इनका लक्ष्य हॉकी की भलाई रहता है। टिर्की ने वह खिलाड़ी पहले हैं और खेल प्रशासक बाद में। टिर्की ने कहा कि उनके अध्यक्ष रहते हॉकी इंडिया में सभी निर्णय सामूहिक रूप से लिए गए हैं और उनकी पहली प्राथमिकता खिलाड़ियों के प्रति है।

इस कारण उन्होंने हमेशा खिलाड़ियों से सीधे बात की है।

टिर्की ने कहा कि भारत के लिए खेल चुके खिलाड़ियों के लिए हॉकी इंडिया के दरवाजे कभी बंद नहीं होंगे। उन्होंने भारतीय कोचों को बढ़ावा देने के खेल मंत्रालय के विजन पर काम करने की बात दोहराई और कहा कि उनकी नजरें 2032 और 2036 ओलंपिक पर हैं। उन्होंने यह भी सुझाव दिया कि श्रीजेश भारतीय सीनियर टीम के कोच हो सकते हैं, लेकिन उन्हें अभी और अनुभव की आवश्यकता है। उन्होंने स्पष्ट किया कि श्रीजेश का कार्यकाल समाप्त होने पर, हॉकी इंडिया ने सर्वसम्मति से एक अनुभवी कोच लाने का फैसला किया था क्योंकि टीम का प्रदर्शन अपेक्षा के अनुरूप नहीं रहा था। टिर्की ने कहा कि अंडर-21 टीम बेहद महत्वपूर्ण है और उसे एक अनुभवी कोच की आवश्यकता है। उन्होंने इस बात पर भी जोर दिया कि हॉकी इंडिया को जल्दबाजी के बजाय सोच-समझकर कोचों की नियुक्ति करनी चाहिए। उन्होंने बताया कि भारतीय हॉकी के इतिहास में ऐसा कभी नहीं हुआ कि किसी खिलाड़ी को संन्यास के बाद बिना किसी अनुभव के तुरंत कोच बना दिया गया हो। श्रीजेश ने पेरिस ओलंपिक 2024 में कांस्य पदक जीतने के बाद खेल से संन्यास ले लिया था, जिसके बाद उन्हें जूनियर टीम का कोच बनाया गया था। टिर्की ने महान डच खिलाड़ी टॉन डे नूयेर और बेल्जियम के थॉमस ब्रिल्स जैसे खिलाड़ियों का उदाहरण दिया, जिन्होंने क्लब स्तर पर या सहायक कोच के रूप में अनुभव प्राप्त किया।

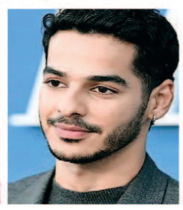

भारत की सबसे चर्चित और यादगार कान्स रेड कार्पेट लुक्स

कान्स फिल्म फेस्टिवल 2025 भारतीय फैशन के लिए ग्लोबल मंच पर एक बेहद खास पल बन गया। शाही भारतीय कारीगरी, ग्लैमरस कॉउचर, बोल्ड एक्सपेरिमेंट और मॉडर्न मेन्सवेयर के साथ भारतीय सितारों ने रेड कार्पेट पर परंपरा और आधुनिकता का शानदार मेल पेश किया।

ऐश्वर्या राय बच्चन

ऐश्वर्या राय बच्चन ने एक बार फिर साबित किया कि वह भारत की सबसे बड़ी कान्स आइकन क्यों हैं। उन्होंने डिज़ाइनर मनीष मल्होत्रा की खूबसूरत आइवरी और गोल्डन आउटफिट पहनी, जिसमें हैंडवोवन कढ़वा बनारसी साड़ी, बारीक एम्ब्रॉयडरी और ड्रामेटिक केप-स्टाइल दुपट्टा शामिल था। असली सोने की डिटेलिंग, ट्रेडिशनल जूलरी और उनकी सिग्नेचर ग्रेस ने इस लुक को कान्स 2025 के सबसे चर्चित फैशन मोमेंट्स में शामिल कर दिया।

आलिया भट्ट

आलिया भट्ट का कान्स डेब्यू साल के सबसे चर्चित अपीयरेंसेस में से एक रहा। अपने पहले रेड कार्पेट लुक के लिए उन्होंने डेनियल रोज़बेरी द्वारा डिज़ाइन किया गया आइवरी-न्यूड शियापरेली हाउते कॉउचर गाउन पहना, जिसमें फ्लोरल एम्ब्रॉयडरी और मरमेड सिल्हूट था। इसके बाद उन्होंने नेवी ब्लू जियोर्जियो अरमानी प्रिवे गाउन में ओल्ड हॉलीवुड ग्लैमर का अंदाज़ दिखाया। क्लोजिंग सेरेमनी में आलिया ने स्वारोवस्की क्रिस्टल और गुच्ची के सिग्नेचर तत्व मोनोग्राम से सजे साड़ी-इंस्पायर्ड आउटफिट में खूब सुर्खियां बटोरीं। उनके सभी लुक्स एलिगेंस, क्लास और इंटरनेशनल फैशन का खूबसूरत मेल थे।

पारुल गुलाटी

पारुल गुलाटी ने कान्स 2025 में अपने बेहद अलग और अनोखे लुक से सबका ध्यान खींचा। मोहिट राय और रिद्धि बंसल द्वारा डिज़ाइन किया गया उनका आउटफिट पूरी

तरह असली मानव बालों से तैयार किया गया था, जो उनके हेयर एक्सटेंशन ब्रांड निश हेयर को ट्रिब्यूट था। यह लुक अपनी यूनिकनेस और पर्सनल कनेक्शन की वजह से काफी चर्चा में रहा। फैशन और बिजनेस आइडेंटिटी को जोड़ते हुए पारुल ने कान्स रेड कार्पेट पर बेहद अलग पहचान बनाई।

नितांशी गोयल

नितांशी गोयल कान्स 2025 की सबसे फ्रेश और यंग फैशन फेस बनकर उभरीं। उन्होंने ऐसे कॉउचर लुक्स चुने जिनमें सॉफ्टनेस और एलिगेंस का खूबसूरत बैलेंस था। उनका एक खास लुक मोनिका शाह और करिश्मा सवाली द्वारा डिज़ाइन किया गया था, जिसमें बेहद खूबसूरत डिटेलिंग देखने को मिली। वहीं उन्होंने शुभालिका शर्मा द्वारा।पापा डोंट प्रीच का एक फेयरीटेल-स्टाइल आउटफिट भी पहना।।नितांशी की सबसे खास बात उनकी नैचुरल और फ्रेश अपील रही, जिसने उन्हें बाकी लुक्स से अलग बनाया।

जाह्नवी कपूर

जाह्नवी कपूर ने कान्स 2025 में पूरी तरह सिनेमैटिक ग्लैमर को अपनाया। उनका एक बेहद चर्चित लुक तरुण तहिलियानी द्वारा डिज़ाइन किया गया ब्लश पिंक टिश्यू आउटफिट था, जिसमें भारतीय ड्रेपिंग और कॉउचर स्ट्रक्चर का शानदार मेल था। इसके अलावा उन्होंने अनामिका खन्ना का पिस्ता ग्रीन कॉउचर गाउन पहना, जिसमें गोल्डन बॉडिस और ड्रामेटिक ट्रेल थी। बारीक कढ़ाई, पर्ल डिटेलिंग और फ्लोइंग सिल्हूट्स ने उनके पूरे कान्स वॉर्डरोब को बेहद रॉयल और ग्लैमरस बना दिया।

ईशान खट्टर

ईशान खट्टर ने कान्स 2025 में भारत की तरफ से सबसे दमदार मेन्सवेयर लुक्स में से एक पेश किया। उन्होंने डिज़ाइनर गौरव गुप्ता का डीप बॉरडो वेलवेट बंधगला पहना, जिसे मैचिंग ट्राउज़र और ब्लैक सिल्क शर्ट के साथ स्टाइल किया गया था। ट्रेडिशनल इंडियन टेलरिंग और मॉडर्न सिल्हूट का यह मेल बेहद स्टाइलिश और कॉन्फिडेंट नजर आया।

विशाल जेठवा

विशाल जेठवा ने कान्स रेड कार्पेट पर सिंपल लेकिन बेहद क्लासी अंदाज़ से अपनी मौजूदगी दर्ज कराई। 78वें कान्स फिल्म फेस्टिवल में उन्होंने कौशिक वेलेंद्र द्वारा डिज़ाइन किया गया ब्लैक 'पावर आर्मर' सूट पहना, जिसमें क्रिस्टल एम्बेलिशमेंट और शार्प शोल्डर स्ट्रक्चर था। इसे काव्या पोटलुरी के खास गोल्ड ब्रोच के साथ स्टाइल किया गया था। विशाल ने दिखाया कि सादगी और क्लासिक स्टाइल भी रेड कार्पेट पर बड़ा प्रभाव छोड़ सकते हैं।

करण जौहर

करण जौहर ने कान्स 2025 में एक बार फिर अपने मैक्सिमलिस्ट फैशन स्टाइल से सबका ध्यान खींचा। उन्होंने मनीष मल्होत्रा की एम्ब्रॉयडर्ड आइवरी शेरवानी पहनी, जिसमें शाही भारतीय कारीगरी और कॉउचर ग्लैमर का शानदार मेल था।

अश्विन ने डीआरएस के डेड बॉल नियम को बदलने की मांग की

चेन्नई (ईएमएस)। पूर्व क्रिकेटर रविचंद्रन अश्विन ने मुम्बई इंडियंस के खिलाफ आईपीएल मुकाबले में पंजाब किंग्स टीम की हार के बाद एक बार फिर निर्णय समीक्षा प्रणाली (डीआरएस) के डेड बॉल नियम पर सवाल उठाये हैं। अश्विन के अनुसार इसी नियम का नुकसान पंजाब को हुआ है। अश्विन के अनुसार इस नियम को तत्काल बदल दिया जाये।

इस मैच में पंजाब की पारी के अंतिम ओवर में मुंबई के तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह ने पारी की आखिरी गेंद विष्णु विनोद के पैड पर डाली, जिस पर मैदानी अंपायर ने उन्हें तुरंत आउट करार दे दिया। विनोद ने तत्काल रिव्यू लेने का फैसला किया, और टीवी अंपायर ने रीप्ले देखने के बाद मैदानी अंपायर के फैसले को पलट दिया, जिससे विनोद को नॉट आउट घोषित किया गया। हालांकि, अंपायर द्वारा आउट दिए जाने के बाद गेंद को डेड घोषित कर दिया गया था, जिसके चलते पंजाब किंग्स को लेग-बाय का एक भी रन नहीं दिया गया। अश्विन ने इसी डेड बॉल नियम की व्याख्या पर गंभीर सवाल उठाए हैं, जो उनके अनुसार टीम को अनावश्यक नुकसान पहुंचाता है।

इस घटना से नाराज रविचंद्रन अश्विन ने सोशल मीडिया पर इस नियम को कड़ी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने लिखा, गलत फैसले की वजह से पंजाब को एक रन का नुकसान हुआ और इस नियम को जल्द से जल्द बदलना चाहिए। जिस तरह इम्पैक्ट सब का नियम है, वैसे ही डीआरएस से जुड़े इस बदलाव को भी आईपीएल में लागू किया जाना चाहिए, भले ही आईसीसी इसके लिए समय ले रही हो। अश्विन का यह बयान इस बात पर जोर देता है कि कैसे एक छोटा सा नियम किसी मैच के परिणाम और उसके बाद टीम की स्थिति पर बड़ा प्रभाव डाल सकता है, और उन्होंने इस पर तुरंत कार्यवाही की मांग की है।

रुबीना दिलैक चर्चा में

अभिनेत्री रुबीना दिलैक इन दिनों 'खतरों के खिलाड़ी' को लेकर चर्चा में हैं। हाल ही में एक बातचीत के दौरान उन्होंने अपने शुरुआती संघर्ष और मदरहुड को लेकर खुलकर बात की। रुबीना ने बताया कि मां बनने के बाद पहली बार वह अपने बच्चों से दूर जा रही हैं और यह अनुभव उनके लिए भावनात्मक रूप से काफी कठिन है। उन्होंने कहा कि एक मां बनने के बाद हर समय बच्चों की चिंता मन में बनी रहती है। रुबीना ने बताया कि 'खतरों के खिलाड़ी' उनके लिए सिर्फ एक रियलिटी शो नहीं, बल्कि खुद को दोबारा परखने का अवसर है। उन्होंने कहा कि मां बनने के बाद महिलाओं के शरीर में काफी बदलाव आते हैं और ऐसे में खतरनाक स्टंट करना चुनौतीपूर्ण महसूस होता है। इसके बावजूद वह खुद को मजबूत साबित करना चाहती हैं। अभिनेत्री ने अपने शुरुआती करियर के संघर्ष भी साझा किए। उन्होंने बताया कि शुरुआत में उनके वजन और लुक्स का मजाक उड़ाया जाता था। कई लोगों ने उन्हें 'हिमाचली सेब' कहकर चिढ़ाया। रुबीना ने कहा कि एक निर्देशक ने उन्हें यह कहकर रिजेक्ट कर दिया था कि उनके चेहरे पर बहुत नेगेटिविटी है और वह हीरोइन बनने लायक नहीं हैं। इस बात ने उनका आत्मविश्वास तोड़ दिया था।

बीसीसीआई ने मुंबई इंडियंस के बल्लेबाजी कोच पर जुर्माना लगाया

धर्मशाला (ईएमएस)। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने पंजाब किंग्स के खिलाफ यहां हुए मुकाबले में आचार संहित उल्लंघन के लिए मुम्बई इंडियंस के बल्लेबाजी कोच कीरोन पोलार्ड पर मैच फीस का 15 फीसदी जुर्माना लगाया है। पोलार्ड पर अंपायर के खिलाफ अपशब्दों का प्रयोग करने के लिए ये जुर्माना लगाया गया है। इस घटना ने जहां मुम्बई इंडियंस की जीत का स्वाद थोड़ा फीका, वहीं दूसरी ओर पोलार्ड के अनुशासनात्मक रिकॉर्ड में एक और नकारात्मक अंक जुड़ गया है, जो भविष्य में उनके लिए और मुश्किलें खड़ी कर सकता है।

यह अप्रिय घटना मुंबई इंडियंस की पारी के 19वें ओवर की है। तब पोलार्ड को चौथे अंपायर के साथ तीखी बहस करते हुए और आपत्तिजनक भाषा का इस्तेमाल करते हुए दोषी पाया गया। क्रिकेट के मैदान पर ऐसे व्यवहार को कभी स्वीकार नहीं किया जाता, और मैच रेफरी ने त्वरित कार्रवाई करते हुए यह जुर्माना लगाया। यह घटना ऐसे समय में हुई जब मुंबई इंडियंस एक बड़े लक्ष्य का पीछा कर रही थी और मैच काफी रोमांचक मोड़ पर था।

इस मुकाबले में मुंबई इंडियंस ने भले ही शानदार प्रदर्शन करते हुए पंजाब किंग्स को 6 विकेट से करारी शिकस्त दी हो, लेकिन यह जीत उनके लिए बहुत मायने नहीं रखती। पांच बार की चैंपियन मुंबई इंडियंस पहले ही प्लेऑफ की दौड़ से बाहर हो चुकी है। टीम अब केवल अपने शेष मैचों में गरिमा के साथ प्रदर्शन कर जीत के साथ टूर्नामेंट का अंत करने का प्रयास कर रही है, ताकि अगले सीजन के लिए कुछ सकारात्मक गति बना सके।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने हरसिद्धि पाल से राम घाट मार्ग चौड़ीकरण कार्य का निरीक्षण किया

उज्जैन के नागरिक चौड़ीकरण कार्यों में सहयोग कर नई मिसाल बन रहे है -मुख्यमंत्री

उज्जैन।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने उज्जैन प्रवास के दौरान राम घाट पहुंचकर हरसिद्धि पाल से राम घाट मार्ग चौड़ीकरण कार्य का निरीक्षण किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने निरीक्षण कर निर्देश दिए कि श्रद्धालुओं की सुविधा के दृष्टिगत कार्य तेजी से और गुणवत्ता से करें। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि सिंहस्थ 2028 के लिए श्रद्धालुओं और स्थानीय नागरिकों की सुविधा बढ़ाने के लिए चौड़ीकरण कार्य किए जा रहे हैं। सरकार द्वारा सभी कार्यों की सतत मॉनिटरिंग की जा रही है। सभी कार्य इस तरीके से किए जा रहे है कि पौराणिक और धार्मिक नगरी उज्जैन को लंबे समय तक लाभ प्राप्त हो।

उज्जैन के नागरिक, जनप्रतिनिधि और सभी धर्म के अनुयायी चौड़ीकरण कार्यों का समर्थन कर रहे हैं। उज्जैन के नागरिक चौड़ीकरण और सभी कार्यों में सहयोग प्रदान कर देश के लिए एक नई मिसाल बन रहे है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने हरसिद्धि पाल से राम घाट मार्ग चौड़ीकरण के निरीक्षण के पश्चात होमगार्ड द्वारा आयोजित बाढ़ बचाव प्रशिक्षण का अवलोकन भी किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे होमगार्ड जवानों की हौसला अफजाई की और जवानों का अभिवादन स्वीकार किया। डिस्ट्रिक्ट कमांडेंट संतोष कुमार जाट ने जानकारी दी कि होमगार्ड द्वारा 250 होमगार्ड जवानों को बाढ बचाव के लिए डीप डाइविंग, नाविकों, स्विमिंग , लाइफ जैकेट के उपयोग का तरीका,आपदा और बाढ बचाव सामग्री का उचित प्रयोग, अंडरवाटर रेस्क्यू और सर्फेस वाटर रेस्क्यू का 15 दिवसीय प्रशिक्षण दिया जा रहा है। निरीक्षण के दौरान उज्जैन विकास प्राधिकरण अध्यक्ष रवि सोलंकी, राज्यसभा सांसद बालयोगी उमेशनाथ महाराज, विधायक अनिल जैन कालूहेड़ा, संजय अग्रवाल, सिंहस्थ मेला अधिकारी सह संभागायुक्त आशीष सिंह, एडीजीपी राकेश गुप्ता और अन्य जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे।

मुख्यमंत्री घायल श्रमिकों का हाल जानने अमलतास अस्पताल पहुंचे

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने टोंककला स्थित पटाखा फैक्ट्री में हुए विस्फोट की घटना का त्वरित संज्ञान लिया है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने अमलतास अस्पताल पहुंचकर दुर्घटना में घायल हुए श्रमिकों का हाल जाना। उन्होंने सभी घायलों के स्वास्थ्य की स्थिति की विस्तृत जानकारी ली। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने अस्पताल प्रबंधन को दुर्घटना में घायलों के समुचित उपचार के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि उपचार में किसी भी प्रकार की कोताही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने घायलों को आश्वस्त किया कि संकट की इस घड़ी में प्रदेश सरकार आपके साथ है, प्रत्येक पीड़ित को हर संभव मदद उपलब्ध कराई जाएगी। इस हृदय विदारक दुर्घटना में जिन श्रमिकों की असामयिक मृत्यु हुई है, मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने उनके प्रति अपनी गहरी संवेदनाएं व्यक्त की। राज्य सरकार की ओर से प्रत्येक मृतक के शोकाकुल परिवार को 4-4 लाख रुपये की आर्थिक सहायता दी जायेगी। टोंककला स्थित पटाखा फैक्ट्री में सुरक्षा मानकों की अनदेखी या किसी भी तरह के अवैध संचालन की गहनता से पड़ताल की जाएगी। इसके लिए उन्होंने घटना की जांच के आदेश भी दिए हैं। जांच रिपोर्ट के आधार पर जो भी दोषी पाया जाएगा, उसके विरुद्ध कठोर कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

संभागायुक्त सिंह ने सिंहस्थ के निर्माण कार्यों की दिन-प्रतिदिन प्रगति की समीक्षा की

निर्माणाधीन कार्यों की सतत मॉनिटरिंग कर गति बढ़ाएं- संभागायुक्त सिंह

उज्जैन।

संभागायुक्त सह सिंहस्थ मेला अधिकारी आशीष सिंह ने शुक्रवार को सिंहस्थ 2028 के लिए विभिन्न विभागों के माध्यम से प्रचलित निर्माण कार्यों की समीक्षा बैठक ली। इस दौरान विभागों के माध्यम से कार्य प्रगति की जानकारी दी गई। संभागायुक्त सिंह ने निर्देश दिए कि सिंहस्थ के तहत निर्माणाधीन मार्ग चौड़ीकरण कार्य, ब्रिज निर्माण कार्य, सड़क निर्माण कार्य की सतत मॉनिटरिंग करते हुए तेज गति से निर्माण कार्य किए जाएं। जिससे बारिश का मौसम शुरू होने के बाद निर्माण कार्य के दौरान परेशानी न हो।

बैठक में नगर निगम के अपर आयुक्त संतोष टैगोर, जिला पंचायत सीईओ श्रेयांस कूमट, विशेष कर्तव्यस्थ अधिकारी गोपाल डाड भी मौजूद रहे।निर्माण कार्यों की प्रगति की दिन-प्रतिदिन आधार पर मानीटरिंग हो रही हैसंभागायुक्त सिंह के निर्देश पर विभागों के कार्यों की प्रगति रिपोर्ट में निर्माण पूर्णता की दिनांक भी अंकित है, और प्रत्येक सप्ताह में कार्य प्रगति रिपोर्ट के साथ उसके निर्माण की गति को देखा जा रहा है।प्रतिदिन कितने प्रतिशत कार्य हुआ और शेष काम के साथ

शेष दिनों का भी हर निर्माण कार्य की स्लाइड में वर्णन रहता है। जिससे कार्य की पूर्णता की तारीख भी दिखाई देती है और काम की वास्तविक गति भी परिलक्षित होती है। बैठक में कान्ह डायवर्शन परियोजना के संबंध में जानकारी दी गई कि कार्य तेज गति से किया जा रहा है। पिछले एक सप्ताह के दौरान 340 मीटर भूमिगत लाइन डालने का कार्य पूर्ण किया गया है। वहीं टनल में 8.6 किलोमीटर तक का कार्य प्रगतिरत है। संभागायुक्त सिंह ने कान्ह डायवर्शन परियोजना के तहत कार्य की गति ओर बढ़ाने के निर्देश दिए है।

संभागायुक्त सिंह ने निर्देश दिए कि शिप्रा तट के बड़े पुल और छोटे पुल के बीच स्थित घाट तक आने के लिए श्रद्धालुओं के लिए प्रवेश और निर्गम मार्ग के लिए स्थान चिन्हित किए जाएं। जिससे इस घाट की ओर आने वाले श्रद्धालुओं को भीड़ प्रबंधन करते हुए सुविधा के साथ प्रवेश और निर्गम कराया जा सके।

बैठक के दौरान जल संसाधन, नामामि शिप्रे, भवन विकास निगम, लोक निर्माण विभाग, सिंहस्थ डिवीजन, पीआईयू, सेतु, राष्ट्रीय राजमार्ग, सड़क विकास निगम सहित अन्य विभागों के प्रचलित कार्यों की समीक्षा की गई। बैठक में संभागायुक्त सिंह ने निर्देश दिए कि प्रचलित निर्माण कार्यों में विभागीय अधिकारी मौके पर मौजूद रहकर कार्य की गति बढ़ाए। संभागायुक्त ने कहा कि संबंधित विभाग के अधिकारी निर्माणाधीन कार्य स्थल पर मौजूद रहकर निर्माणाधीन कार्यों की मॉनिटरिंग करें। बैठक में विभिन्न विभागों के अधिकारी मौजूद रहे।

गंगा दशमी पर प्राचीन जल स्त्रोतों की सफाई के लिए श्रमदान किया जाएगा

उज्जैन। वर्तमान में चल रहे जल गंगा संवर्धन अभियान ने जन आंदोलन का रुप लिया है। शुक्रवार को उज्जैन प्रवास के दौरान मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने रामघाट पर अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि गुड़ी पड़वा से शुरू हुए इस अभियान के अंतर्गत प्राचीन जल स्त्रोतों के संरक्षण और संवर्धन के लिए पूरे प्रदेश में विभिन्न गतिविधियां संचालित की जा रही हैं। मुख्यमंत्री ने बताया कि आगामी 25 एवं 26 मई को गंगा दशमी पर्व पर पूरे प्रदेश में सांगीतिक, सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा। साथ ही प्राचीन कुओं, तालाबों, बावड़ियों और नदियों को स्वच्छ बनाने के लिए व्यापक श्रमदान अभियान चलाया जाएगा। जनभागीदारी से जल संरक्षण कार्यों को गति दी जाएगी ताकि जन-जागरूकता बढ़े। उन्होंने कहा कि जल संरक्षण के क्षेत्र में मध्य प्रदेश पूरे देश में अग्रणी है और यह क्रम निरंतर जारी रहेगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा, जल ही जीवन है। हमारे प्राचीन जल स्त्रोत सदियों से हमें शुद्ध पेयजल प्रदान करते आ रहे हैं। इन्हीं के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करने के लिए कई वर्षों से रामघाट से शिप्रा तीर्थ परिक्रमा का आयोजन किया जा रहा है। इस वर्ष 25 एवं 26 मई को 02 दिवसीय शिप्रा तीर्थ परिक्रमा और गंगा दशमी का पर्व अत्यंत गौरव और हर्षोल्लास के साथ मनाए जाएंगे।

मुख्यमंत्री ने गुरुदेव आश्रम पहुंचकर गुरुदेव से आशीर्वाद लिया

गुरुदेव के आशीर्वाद से ही सनातन और सत्य मार्ग का अनुसरण करने की प्रेरणा मिलती है-मुख्यमंत्री

उज्जैन।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने उज्जैन मक्सी रोड स्थित जय गुरुदेव आश्रम में गुरुदेव महाराज से भेंट कर आशीर्वाद लिया और गुरुदेव का अमृत प्रवचन का श्रवण किया।इस अवसर पर गुरुदेव उमाकांत जी महाराज ने मुख्यमंत्री को आशीर्वाद देते हुए कहा कि आप कई वर्षों से लगातार आश्रम में आते रहे है। मुख्यमंत्री बनने के बाद व्यस्त समय में आप भक्ति प्रेम से आश्रम आते है।पहले से आपको मैं मोहन प्यारे कहकर बुलाता रहा हूं। आज आप अपने कार्यों से जनता के प्यारे बन गए है। सदा ऐसे ही समाज की सेवा में लगे रहे और सत्य , सनातन, अहिंसा के मार्ग पर चलते हुए जन सेवा करते रहें।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने गुरुदेव के निर्देश पर मंच से ही गुरुदेव के अनुयायियों को संबोधित करते हुए कहा कि बाबा गुरुदेव का उज्जैन में आना हमारे लिए सौभाग्य की बात है।मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि गुरुवर को देखकर ऐसा लगता है कि स्वयं ईश्वर को देख लिया हो। यह आश्रम परमात्मा का घर है। परमात्मा का आशीर्वाद है कि हमें गुरुवर का आशीर्वाद उनके स्वरूप में मिल रहा है और जीवन में सत्य कार्य करने का जो मार्गदर्शन हमें गुरुवर के चरणों से मिलता है उसे जीवन जीने का नया मार्ग हमें प्राप्त होता है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि महाराज जी का आशीर्वाद चिर काल तक हम सभी को मिलता रहे और आनंद के साथ जीवन का यापन करें।सनातन धर्म में मान्यता है की 84 लाख योनियों के बाद हमें यह मानव जीवन मिलता है। इस मानव जीवन को सही तरीके से जीने का जो मार्ग आपके द्वारा बताया जाता है उससे जीवन सरल और संयमित होकर जीने का मार्ग मिल जाता है।मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि महाराज जी की कृपा से हमने प्रदेश में गौशालाओं को बनाने और संरक्षण देने का काम कर रहे हैं।उज्जैन सहित अन्य धार्मिक नगरों में भी शराब ब्रंदी के लागू की है और प्रदेश में उज्जैन, जंक्शन ओंकारेश्वर, महेश्वर दतिया, पीतांबरा पीठ, सलकनपुर, ओरछा, चित्रकूट सहित 19 नगरों में शराबबंदी का आदेश आपकी कृपा से ही हो पाया है। प्रदेश मे आपके बताए अनुशासन से ही कार्य हो रहे हैं।

बीएमएस डॉक्टर कर रहा था एलोपैथिक इलाज, 3 दिन पहले दी थी चेतावनी

आदिनाथ क्लिनिक सील, विभागीय जांच में एलोपैथिक उपचार की पुष्टि

उज्जैन।

लक्ष्मी नगर स्थित आदिनाथ क्लिनिक को स्वास्थ्य विभाग ने शुक्रवार को सील कर दिया। विभागीय जांच में क्लिनिक में एलोपैथिक उपचार किए जाने की पुष्टि होने के बाद यह कार्रवाई की गई।

दोपहर में स्वास्थ्य विभाग की टीम क्लिनिक पहुंची और वहां से निकल रहे मरीजों को रोककर उनके पर्चों की जांच की। साथ ही आसपास की मेडिकल दुकानों से दवाओं की जानकारी भी जुटाई गई। जांच में सामने आया कि मरीजों को "आदिनाथ क्लिनिक, लक्ष्मी नगर" नाम के पर्चे दिए जा रहे थे और उन्हें एलोपैथिक दवाएं तथा बोतलें चढ़ाई जा रही थीं। क्लिनिक के बोर्ड पर संचालक डॉ. राजेश जैन के साथ उनके बेटे डॉ. आदिश देव कुमार जैन और बेटी डॉ. अदिति जैन के नाम भी दर्ज थे।

राजपत्र और पंजीयन प्रमाण पत्र के आधार पर कर रहे थे प्रैक्टिस

जांच के दौरान टीम को क्लिनिक के अंदर मध्यप्रदेश राजपत्र की प्रति और मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी कार्यालय द्वारा जारी आयुर्वेदिक पंजीयन प्रमाण पत्र की प्रतियां मिलीं। डॉ. जैन ने अधिकारियों को बताया कि वे इन्हीं दस्तावेजों के आधार पर प्रैक्टिस कर रहे थे। स्वास्थ्य विभाग को क्लिनिक के भीतर एक पलंग, ब्लड प्रेशर जांचने

की मशीन, कुर्सियां और अन्य चिकित्सा उपकरण मिले। एक कांच के चैंबर में अतिरिक्त पलंग और पुराना सामान भी रखा हुआ था।

पहले दी थी इलाज न करने की चेतावनी

अधिकारियों ने बताया कि तीन दिन पहले ही डॉ. जैन को एलोपैथिक उपचार नहीं करने की चेतावनी दी गई थी। इसके बावजूद मौके पर एलोपैथिक इलाज जारी मिला। विभागीय अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि बीएमएस डॉक्टरों को एलोपैथी प्रैक्टिस की अनुमति नहीं है।

कार्रवाई के दौरान डॉ. राजेश जैन ने क्लिनिक सील करने की प्रक्रिया रोकने का अनुरोध किया और अपने बेटे से फोन पर अधिकारियों की बात भी कराई, लेकिन स्वास्थ्य विभाग ने कार्रवाई जारी रखते हुए क्लिनिक को सील कर दिया।

निगम कमिश्नर ई-बाइक से ऑफिस पहुंचे

उज्जैन। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा देशवासियों से पेट्रोल-डीजल बचाने की अपील और प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के आवाहन के बाद उज्जैन नगर पालिक निगम में भी ईंधन की खपत कम करने की पहल शुरू हो गई है। शुक्रवार को निगम आयुक्त अभिलाष मिश्रा इलेक्ट्रिक बाइक से

शहर में मार्ग चौड़ीकरण और अन्य विकास कार्यों का निरीक्षण करने पहुंचे। सुबह महापौर मुकेश टटवाल भी ई-रिक्शा से वार्डों का निरीक्षण करने पहुंचे थे। इसी क्रम में निगम आयुक्त अभिलाष मिश्रा ई-बाइक से हनुमान नाका होते हुए हरिफाटक ब्रिज तक चल रहे मार्ग चौड़ीकरण कार्य का जायजा लेने पहुंचे। इसके बाद उन्होंने लोटी स्कूल तिराहे से हनुमान नाका चौराहे तक पूरे मार्ग का निरीक्षण किया और नगर निगम अधिकारियों को यहां सौंदर्यीकरण कार्य करते हुए इसे आदर्श मार्ग के रूप में विकसित करने के निर्देश दिए। निगम आयुक्त ने बताया कि सिंहस्थ महापर्व के दौरान नीलगंगा क्षेत्र से साधु-संतों की पेशवाई इसी मार्ग से निकलती है, इसलिए पूरे मार्ग का विशेष रूप से सौंदर्यीकरण किया जाएगा। निगम आयुक्त मिश्रा शुक्रवार को अपने कार्यालय भी ई-बाइक से ही पहुंचे।

पीएम की अपील का असर: महापौर ने कार छोड़. ई-रिक्शा से किया वार्डों का निरीक्षण

उज्जैन।

पश्चिम एशिया संकट और बढ़ती ईंधन कीमतों के बीच प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की पेट्रोल-डीजल का कम उपयोग करने की अपील का असर अब उज्जैन में भी दिखाई देने लगा है। महापौर मुकेश टटवाल ने प्रति शुक्रवार अपनी कार छोड़कर ई-रिक्शा, पैदल या इलेक्ट्रिक वाहन से सफर करने का फैसला किया है। शुक्रवार सुबह महापौर मुकेश टटवाल ई-रिक्शा से कोठी रोड स्थित अटल पार्क पहुंचे। यहां उन्होंने आम लोगों से मुलाकात कर बैटरी चालित वाहनों के उपयोग और पेट्रोल-डीजल की बचत का संदेश दिया। इसके बाद उन्होंने शहर के तीन अलग-अलग वार्डों का निरीक्षण भी ई-रिक्शा से ही किया।

वैश्विक संकट खत्म होने के बाद भी पहल जारी रहेगी

महापौर ने कहा कि ईरान-अमेरिका युद्ध और वैश्विक परिस्थितियों के चलते देश की आर्थिक स्थिति को मजबूत बनाए रखने के लिए ईंधन की बचत जरूरी है। प्रधानमंत्री की अपील को ध्यान में रखते हुए उन्होंने हर शुक्रवार ई-रिक्शा का उपयोग करने का निर्णय लिया है। उन्होंने यह भी कहा कि यदि संभव हुआ तो वैश्विक संकट खत्म होने के बाद भी यह पहल जारी रखी जाएगी।

अधिकारियों और पार्षदों से भी अपील की

महापौर टटवाल ने नगर निगम के अधिकारियों और पार्षदों से भी सप्ताह में एक दिन अपनी निजी या सरकारी कार छोड़कर ई-रिक्शा, पैदल या इलेक्ट्रिक वाहनों का उपयोग करने की अपील की। उन्होंने बताया कि नगर निगम के 45 अधिकारियों के पास कार उपलब्ध है और यदि सभी सप्ताह में एक दिन वैकल्पिक साधनों का उपयोग करें तो करीब 250 लीटर पेट्रोल प्रति सप्ताह बचाया जा सकता है।

10 दिवसीय 'कृषि रथ' यात्रा का आयोजन आज से

उज्जैन। जिला पंचायत द्वारा 16 से 25 मई तक 10 दिवसीय "कृषि रथ" संचालन का कार्यक्रम तैयार किया गया है। यह अभियान खरीफ फसलों की बुवाई से एक माह पूर्व प्रत्येक विकासखंड में चलाया जाएगा, जिसमें कृषि, पशुपालन, उद्यानिकी, मत्स्य पालन सहित समस्त कृषि से संबंधित विभाग सक्रिय रूप से भाग लेंगे।मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत श्रेयांस कूमट ने बताया कि कृषि रथ का मुख्य उद्देश्य किसानों को वैज्ञानिकों एवं अधिकारियों के साथ सीधा संपर्क कराकर नवीनतम कृषि तकनीकों, योजनाओं एवं सुधारों की जानकारी उपलब्ध कराना है। कृषि रथ के 10 मुख्य आधार स्तंभई-विकास प्रणाली अंतर्गत ई-टोकन उर्वरक वितरण व्यवस्था तथा उर्वरकों का अनुशंसित उपयोग, जैविक खेती एवं प्राकृतिक कृषि का विस्तार, मृदा स्वास्थ्य कार्ड योजना का प्रचार-प्रसार, एकीकृत पोषक तत्व, कीट एवं रोग प्रबंधन, कृषि को लाभकारी व्यवसाय बनाने के उपाय, फसल विविधीकरण को बढ़ावा, विभागीय कृषि योजनाओं का प्रचार-प्रसार, प्रधानमंत्री धन-धान्य कृषि योजना, पराली प्रबंधन, कृषि अभियांत्रिकी द्वारा खरीफ पूर्व खेत समतलीकरण। रथ प्रभारी एवं तकनीकी दल (अनुविभागीय कृषि अधिकारी, कृषि वैज्ञानिक, वरिष्ठ कृषि विकास अधिकारी, उद्यान अधिकारी आदि) प्रत्येक दिन 3-4 ग्राम पंचायतों का भ्रमण करेंगे।

शौर्य संकल्प योजना से साकार होंगे सपने

प्रशिक्षण में चयनित होने पर सिमरन ने खुशी जाहिर की

उज्जैन। मध्य प्रदेश सरकार ने राज्य के अन्य पिछड़ा वर्ग के आर्थिक रूप से कमजोर युवाओं को सेना, पुलिस, होमगार्ड तथा निजी सुरक्षा एजेंसियों में भर्ती के लिए तैयार करने के लिए एक महत्वाकांयोजना "अन्य पिछड़ा वर्ग के युवाओं के लिए शौर्य संकल्प प्रशिक्षण योजना-2026" प्रारंभ की

है। इस योजना का मुख्य उद्देश्य अन्य पिछड़ा वर्ग के प्रतिभावान लेकिन आर्थिक रूप से कमजोर युवाओं को गुणवत्तापूर्ण आवासीय प्रशिक्षण उपलब्ध कराना है, ताकि वे भारतीय सेना, नौसेना, वायुसेना, राज्य पुलिस, होमगार्ड , निजी सुरक्षा एजेंसियों में सफलतापूर्वक भर्ती हो सकें। योजना के अंतर्गत आवासीय प्रशिक्षण प्रदान किया जाएगा। इसमें शारीरिक प्रशिक्षण (Physical Training) कठोर शारीरिक तैयारी, सैद्धांतिक प्रशिक्षण, लिखित परीक्षा, सामान्य ज्ञान, करंट अफेयर्स, रीजनिंग आदि का अध्ययन, राष्ट्रप्रेम, अनुशासन एवं कर्तव्यबोध का विकास भी करवाया जाएगा। साथ ही निशुल्क/अत्यंत कम लागत पर प्रशिक्षण की व्यवस्था प्रदान की जाएगी। योजना के माध्यम से हजारों युवाओं को प्रतियोगी परीक्षाओं और भर्ती प्रक्रियाओं के लिए तैयार किया जाएगा, जिससे अन्य पिछड़ा वर्ग के युवाओं में रोजगार के नए अवसर सृजित होंगे और वे देश सेवा का गौरवपूर्ण अवसर प्राप्त कर सकेंगे।

कलेक्टर ने बड़नगर पंचायत समन्वय अधिकारी बघेल को निलंबित किया

उज्जैन। कलेक्टर रौशन कुमार सिंह ने जनपद पंचायत बड़नगर के पंचायत समन्वय अधिकारी और क्लस्टर प्रभारी हीरा सिंह बघेल को ग्रामीण विकास विभाग की योजनाओं का क्रियान्वयन व सीएम हेल्पलाईन में प्राप्त शिकायतों का संतोषजनक निराकरण नहीं करने तथा उन्हें पूर्व में कारण बताओ नोटिस जारी करने के उपरांत भी कार्यप्रणाली में सुधार नहीं करने पर तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है। निलंबन काल में इनका मुख्यालय कार्यालय जनपद पंचायत बड़नगर होगा।

शनि जयंति पर विशेष आयोजन : उज्जैन में शिप्रा नदी पर फव्वारों से होगा स्नान, 24 घंटे तक अर्पित होगा तेल

13 साल बाद विशेष संयोग में शनि जयंती और अमावस्या

उज्जैन।

शनिवार को 13 साल बाद एक विशेष संयोग में शनि जयंती और शनिचरी अमावस्या दोनों एक ही दिन मनाई जाएंगी। इस पर्व को लेकर त्रिवेणी स्थित शनि मंदिर में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के पहुंचने की संभावना है। मान्यता है कि यहां तेल चढ़ाने से शनि दोष, साढ़ेसाती और ढैय्या से मुक्ति मिलती है।

16 मई को ज्येष्ठ अमावस्या के दिन उज्जैन में शनिचरी अमावस्या का विशेष महासंयोग बन रहा है। शनि जयंती और शनिचरी अमावस्या एक साथ होने पर शनि मंदिरों में विशेष अनुष्ठान किए जाएंगे। मंदिर में पंचामृत पूजन, 56 भोग और पुष्प व विद्युत सज्जा की जाएगी।

महंत राकेश बैरागी के अनुसार शनि

मंदिर में 24 घंटे तक तेल अर्पित किया जाएगा। देशभर से आने वाले श्रद्धालु दर्शन, तप और स्नान के लिए पहुंचेंगे। भक्त सबसे पहले शिप्रा नदी में स्नान करेंगे और फिर मंदिर में पूजन-अर्चन करेंगे। इस दौरान वे अपने साथ लाए तेल, नारियल, काला कपड़ा और काला तिल अर्पित कर दान-पुण्य करेंगे।

त्रिवेणी घाट पर श्रद्धालु के लिए फव्वारों से स्नान

त्रिवेणी घाट स्थित प्राचीन नवग्रह शनि मंदिर में लाखों श्रद्धालु शिप्रा स्नान और शनिदेव के दर्शन के लिए जुटेंगे। श्रद्धालु देर रात से ही मंदिर पहुंचने लगेंगे। तड़के शिप्रा नदी के त्रिवेणी घाट पर फव्वारों से स्नान करने के बाद वे अपने कपड़े और जूते-चप्पल दान कर मंदिर में प्रवेश करेंगे। भक्त शनिदेव को तेल, तिल, काला कपड़ा, लोहा और नमक अर्पित करेंगे। भीड़ को देखते हुए पुलिस, होमगार्ड और स्ठक्रञ्ज की टीमें तैनात की गई हैं।

श्रमिकों के लिए औजार दान अभियान

शनि जयंती और शनिचरी अमावस्या के अवसर पर उज्जैन के फ्रीगंज क्षेत्र स्थित घास मंडी चौराहा पर जरूरतमंद श्रमिकों के लिए विशेष सेवा कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। कृष्णा गुरुजी द्वारा श्रम सेवा और औजार वितरण अभियान के तहत गैती, फावड़ा, तगारी, खुरपी सहित आवश्यक श्रम उपकरण दान किए जाएंगे। उन्होंने बताया कि शनिचरी अमावस्या देव कर्म, श्रम, न्याय और सेवा का प्रतीक है। इस दिन कर्मशील वर्ग की सहायता करना आध्यात्मिक साधना के साथ-साथ सामाजिक उत्तरदायित्व का भी श्रेष्ठ उदाहरण है।

प्रकाशक, मुद्रक, स्वत्वाधारी एवं संपादक सुनील वर्मा के लिए 1/4, परदेशीपुरा इन्दौर से प्रकाशित एवं दैनिक भास्कर प्रेस 4/54 प्रेस कॉम्प्लेस एबी रोड इंदौर मध्यप्रदेश इन्दौर से मुद्रित. प्रधान संपादक : सुनील वर्मा
कार्पोरेट कार्यालय : 301, अरु प्लाजा एमजी रोड इन्दौर (म.प्र.) सभी विवादों का न्याय क्षेत्र इन्दौर रहेगा। मो.: 9425491979, 7000877686, E-mail: janbhavana.ind@gmail.com,